MOU Holder and Distributors
RN METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINISO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । बुधवार, 09 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-249

# PMO घोटाला!

## फ़र्ज़ी अधिकारी बन सुरक्षा में सेंध

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** मुंबई में सोमवार को एक ऐसी घटना सामने आई, जिसमें पहली नजर में सब कुछ प्रधानमंत्री की सुरक्षा में चूक जैसा दिखाई दिया। लेकिन जैसे-जैसे जांच आगे बढ़ी, कहानी में एक के बाद एक ऐसे मोड़ आए कि मामला केवल सुरक्षा व्यवस्था तक सीमित नहीं रहा, बल्कि फर्जी सरकारी अधिकारियों के उस खतरनाक जाल तक पहुंच गया, जिसमें कोई व्यक्ति अपराधी भी हो सकता है और खुद ठगी का शिकार भी।

यह पूरी घटना 7 सितंबर की है, जब मुंबई के जियो वर्ल्ड कन्वेंशन सेंटर में एक बड़े कार्यक्रम की तैयारियां चल रही थीं। प्रधानमंत्री के कार्यक्रम से पहले सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी थी और आसपास के पूरे इलाके में आने-जाने वाले लोगों की जांच की जा रही थी।

इसी जांच के दौरान पुलिसकर्मियों को दो लोगों पर शक हुआ। जब उनसे पूछताछ की गई तो उनमें से एक युवक ने दावा किया कि वह प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ से जुड़ा हुआ है। उसने सुरक्षा कर्मियों से कहा कि उसे अंदर जाने से नहीं रोका जाए। मुंबई पुलिस के मुताबिक, इस युवक का नाम रोहन पारेख है और उसके साथ आए बॉडीगार्ड का नाम दिलीप कुंडे है।

**रोहन ने किया पीएमओ में काम करने का दावा**

जब मेटल डिटेक्टर से रोहन पारेख के बॉडीगार्ड दिलीप कुंडे ने अंदर जाने की कोशिश की तो सुरक्षाकर्मियों को उसके पास बंदूक होने का अंदेशा हुआ। पुलिस ने तलाशी ली तो उसके पास से एक बंदूक मिली।

इसके बाद बॉडीगार्ड दिलीप कुंडे ने रोहन पारेख को फोन किया। जब रोहन पारेख वहां पहुंचा तो उसने सुरक्षाकर्मियों को अपना एक पहचान पत्र दिखाया और दावा किया कि यह पहचान पत्र प्रधानमंत्री कार्यालय यानी पीएमओ का है।

इस पहचान पत्र में रोहन पारेख को पीएमओ का श्रेणी-सी अधिकारी बताया गया था, लेकिन यहीं से सुरक्षाकर्मियों का शक और गहरा गया। शक का कारण यह था कि पहचान पत्र पर उसके जारी होने की तारीख तो लिखी थी, लेकिन यह नहीं लिखा था कि वह कब तक वैध है। इसके अलावा कार्ड पर जारी करने वाले अधिकारी के हस्ताक्षर तो थे, लेकिन उस अधिकारी का नाम नहीं लिखा था। जबकि पीएमओ के पहचान पत्र पर उसे जारी करने वाले अधिकारी का नाम जरूर होता है।

यहीं से सुरक्षाकर्मियों को शक हुआ और पुलिस ने दोनों लोगों को हिरासत में ले लिया तथा बाद में गिरफ्तार कर लिया। फिलहाल दोनों को 11 सितंबर तक पुलिस हिरासत में भेजा गया।

**रोहन खुद फर्जी नियुक्ति का शिकार**

अब तक यह कहानी काफी सीधी दिखाई दे रही थी। लेकिन इसके बाद कहानी ने ऐसा मोड़ लिया, जिसने पूरे मामले को और ज्यादा पेचीदा बना दिया।

जिस युवक ने खुद को पीएमओ का अधिकारी बताया था, उसके वकील ने अदालत में दावा किया कि रोहन खुद एक ठगी का शिकार हुआ है।

रोहन पारेख के वकील के मुताबिक, उसे पिछले कुछ समय में ऐसे कई दस्तावेज और ई-मेल मिले थे, जिनसे उसे विश्वास हो गया कि उसे वास्तव में पीएमओ में नौकरी मिल गई है। दावा है कि उसे ई-मेल के जरिए पीएमओ में नौकरी का प्रस्ताव पत्र भेजा गया और ई-मेल पर ही एक पहचान पत्र की प्रति भी भेजी गई।

साथ ही, यह भी दावा किया गया कि उसे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के हस्ताक्षर वाला एक पत्र भेजा गया, जिसमें उसे पीएमओ से जुड़ा अधिकारी बताया गया था। अदालत में सबूत के तौर पर कुछ ई-मेल भी पेश किए गए।

इन ई-मेल में तरुण कपूर नाम के एक व्यक्ति का जिक्र था और कहा गया कि इसी व्यक्ति ने रोहन को पीएमओ में काम करने का प्रस्ताव दिया था।

इसके बाद तरुण गुप्ता नाम के एक व्यक्ति की तरफ से उसे रक्षा अधिग्रहण नीति से जुड़े ई-मेल भेजे गए। वहीं महक गुप्ता नाम की एक महिला की ओर से रोहन को सलाहकार की भूमिका में नौकरी का प्रस्ताव भेजे जाने का दावा किया गया।

रोहन के वकील का कहना है कि ई-मेल के जरिए उसे यहां तक निर्देश दिए गए थे कि उसे अपनी सुरक्षा के लिए एक बॉडीगार्ड रखना चाहिए।

यानी दावा यह है कि रोहन पारेख ने खुद को कोई सरकारी अधिकारी दिखाने के लिए बॉडीगार्ड नहीं रखा था, बल्कि उसे ई-मेल के जरिए यही बताया गया था कि अब वह एक बड़े पद पर है और उसे सुरक्षा की जरूरत है। ▶8पर

# हनुमान बने अंगद!

## प्रतिमा हटाने इंजीनियर फेल, टस से मस नहीं

**उज्जैन, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** धर्म और अध्यात्म की नगरी उज्जैन में सिंहस्थ 2028 की तैयारियों के तहत चल रहे सड़क चौड़ीकरण अभियान के बीच एक बेहद अनोखा और भावुक कर देने वाला मामला सामने आया है। कंठाल से छत्री चौक (बड़ा सराफा) मार्ग पर स्थित करीब 170 साल पुराने खड़े हनुमान मंदिर की प्रतिमा को नए स्थान पर ले जाने के लिए जिला प्रशासन और इंजीनियरों की टीम पिछले दो दिनों से जुटी हुई है। हालांकि, तमाम आधुनिक तकनीकों के बावजूद हनुमान जी की प्रतिमा अपने स्थान से टस से मस नहीं हुई है।

प्रतिमा नहीं हटने के कारण प्रशासन ने फिलहाल सुरक्षा के लिए वहां टेंट लगा दिया है। इसके बाद मंदिर परिसर का माहौल पूरी तरह भक्तिमय हो गया है। स्थानीय लोग और श्रद्धालु इस घटना को दैवीय शक्ति और भगवान की इच्छा से जोड़कर देख रहे हैं।

**हिंदू संगठनों का विरोध, मंदिर परिसर में महाआरती**

प्रशासन ने मंदिर की चारदीवारी को ढहा दिया है, लेकिन प्रतिमा के नहीं हिलने पर हिंदू संगठनों और स्थानीय नागरिकों का आक्रोश भड़क उठा है। मंगलवार को मंदिर परिसर में सैकड़ों की संख्या में पहुंचे कार्यकर्ताओं और नागरिकों ने भव्य महाआरती की।

श्रद्धालुओं का कहना है कि प्रतिमा का इस तरह अपनी जगह से नहीं हिलना सामान्य घटना नहीं है। बड़ी संख्या में लोग इसे भगवान हनुमान की इच्छा और आस्था से जोड़कर देख रहे हैं।

**पुजारी और कथावाचक ने जताई आपत्ति**

बालविजय मस्त हनुमान मंदिर के पुजारी सुलभ शांतनु शर्मा और मंदिर समिति के सदस्यों ने कहा कि जब मंदिर के दोनों ओर मार्ग मौजूद है, तो प्रशासन को अपने फैसले पर पुनर्विचार करना चाहिए।

मंदिर के पुजारी ने मांग की है कि प्रशासन पहले लिखित में गारंटी दे कि प्रतिमा को बिना किसी क्षति के सुरक्षित रूप से टंकी चौक पर स्थापित किया जाएगा।

इसके बाद ही प्रतिमा को हटाने की अनुमति दी जाएगी। उन्होंने स्पष्ट कहा कि जब तक ऐसी गारंटी नहीं दी जाती, तब तक प्रतिमा को हाथ भी नहीं लगाने दिया जाएगा।

**इंदौर से आए विशेषज्ञों के भी छूटे पसीने**

उज्जैन ही नहीं, बल्कि इंदौर से बुलाए गए विशेष इंजीनियरों और तकनीकी विशेषज्ञों ने भी दो दिनों तक काफी सावधानी के साथ प्रतिमा को हटाने का प्रयास किया, ताकि मूर्ति में किसी तरह की टूट-फूट या क्षति न हो। हालांकि, शनिवार शाम तक स्थिति जस की तस बनी रही।

प्रशासन के सामने समय की कमी भी बड़ी चुनौती बन गई है। दो दिन बाद इसी मार्ग से भगवान महाकाल की राजसी सवारी निकलनी है। ऐसे में प्रशासन के पास काम पूरा करने के लिए समय बेहद कम है और मामले को लेकर तनाव भी बढ़ता जा रहा है। ▶8पर

# दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव मेहता ने की आत्महत्या

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** दिल्ली के पूर्व मुख्य सचिव और 1975 बैच के पूर्व भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी 74 वर्षीय राकेश मेहता ने 6 सितंबर को नोएडा के सेक्टर-82 स्थित अपने आवास पर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। बताया गया कि घटना के समय उनकी पत्नी सुमंती मेहता अपने बेटे से मिलने देहरादून गई हुई थीं। पति द्वारा लगातार फोन नहीं उठाए जाने पर उन्हें किसी अनहोनी की आशंका हुई, जिसके बाद उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस के अनुसार, 6 सितंबर को आपातकालीन सहायता नंबर 112 पर सूचना मिलने के बाद थाना फेस-2 की पुलिस मौके पर पहुंची। फ्लैट का दरवाजा अंदर से बंद था। पुलिस टीम ने दरवाजा तोड़कर अंदर प्रवेश किया और शव को बाहर निकाला। पुलिस तथा फॉरेंसिक टीम ने घटनास्थल का गहन निरीक्षण किया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि नोएडा पुलिस को घटनास्थल से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ है। नोट में पूर्व मुख्य सचिव ने मानसिक और स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं का हवाला देते हुए यह कदम उठाने की बात कही है। अधिकारियों के मुताबिक, 6 सितंबर को सेक्टर-82 स्थित उनके आवास में उनका शव छत के पंखे से लटका हुआ मिला था। राकेश मेहता पूर्व मुख्यमंत्री शीला दीक्षित के कार्यकाल के दौरान तीन साल से अधिक समय तक दिल्ली के मुख्य सचिव रहे। ▶8पर

# 'मक्का' पर हमला!

## हूतियों ने सऊदी को घर में घुसकर मारा

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** सऊदी दुश्मन को यह समझना होगा कि यमनी लोगों के खिलाफ बिना किसी जवाबी कार्रवाई, रोक-टोक या कीमत चुकाए अपराध और नरसंहार करने का दौर अब खत्म हो चुका है। यह बयान नसीरुद्दीन आमेर का है। नसीरुद्दीन हूती मीडिया कार्यालय के उप प्रमुख हैं। वे हूती विद्रोहियों द्वारा संचालित सबा समाचार एजेंसी का संचालन करते हैं। उन्होंने सामाजिक माध्यमों पर इन हमलों की तारीफ की।हूतियों ने सऊदी अरब पर हुए हमलों के बारे में ज्यादा जानकारी नहीं दी है, लेकिन कहा है कि सऊदी अरब के अंदरूनी इलाकों में किए गए बड़े पैमाने पर सैन्य अभियान के बारे में एक बयान जारी किया जाएगा। अंदरूनी इलाकों के लिए उन्होंने अंग्रेजी के डीप इनसाइड शब्द का इस्तेमाल किया। हूतियों के इस बयान से स्पष्ट है कि इस बार उन्होंने सऊदी अरब के भीतर गहराई तक जाकर हमला किया है।दरअसल, पश्चिम एशिया में जारी जंग की आग अब सऊदी अरब की सरहद के भीतर पहुंच चुकी है। यमन के हूती विद्रोहियों ने मंगलवार को सऊदी अरब के दक्षिणी हिस्से में एक साथ कई ठिकानों को निशाना बनाया।

**हूतियों ने कहां-कहां किया हमला?**

सऊदी गठबंधन और ऊर्जा मंत्रालय के अनुसार, हूती विद्रोहियों ने अबहा, खमीस मुशैत, जाज़ान और नजरान में नागरिक और आर्थिक ठिकानों को निशाना बनाया।हूती मीडिया का दावा है कि अबहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे, किंग खालिद वायुसेना अड्डे और अरामको की तेल रिफाइनरी पर मिसाइलें और ड्रोन दागे गए। आग लगने और कुछ ऊर्जा इकाइयों के अस्थायी रूप से ठप होने की खबरें भी सामने आईं।इस हमले में कम से कम 73 नागरिकों के घायल होने की खबर है, जिनमें महिलाएं और बच्चे भी शामिल हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि क्या यह सिर्फ सऊदी अरब पर हूतियों का हमला है या फिर हाल में बने 'मक्का रक्षा समझौते की पहली बड़ी परीक्षा? क्योंकि महज एक महीने पहले, 7 अगस्त को मक्का में सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने एक ऐसा रक्षा समझौता किया था, जिसके तहत तीनों देशों ने साफ कहा था कि एक सदस्य पर हमला, तीनों पर हमला माना जाएगा। ▶8पर

# ट्राय की सिफारिशें मंज़ूर मस्क की स्टारलिंक जल्द

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** अब भारत में कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं का रास्ता साफ हो गया है। स्टारलिंक, वनवेब और रिलायंस जियो जल्द ही देशभर में अपनी सेवाएं शुरू कर सकते हैं। डिजिटल कम्युनिकेशंस कमीशन (डीसीसी) ने 2 सितंबर को हुई अपनी बैठक में टेलीकॉम रेगुलेटरी अथॉरिटी ऑफ इंडिया (ट्राय) की सैटेलाइट स्पेक्ट्रम आवंटन संबंधी सिफारिशों को मंजूरी दे दी है। विकास से अवगत सूत्रों ने मंगलवार को यह जानकारी दी।

इस मंजूरी के साथ इन सैटेलाइट-ब्रॉडबैंड सेवाओं से अब सरकार से स्पेक्ट्रम हासिल करने, ग्राउंड इंफ्रास्ट्रक्चर स्थापित करने और ट्रायल व टेस्टिंग के जरिए राष्ट्रीय सुरक्षा आवश्यकताओं का अनुपालन प्रदर्शित करने की उम्मीद है। सूत्रों ने कहा, भारत स्टारलिंक, यूटेलसैट वनवेब और जियो-यूटेलसैट के लिए दरवाजा खोलने के करीब पहुंच रहा है, जिन्हें जल्द ही स्पेक्ट्रम आवंटन पर अधिक स्पष्टता मिलने की उम्मीद है।टेलीकॉम नियामक ने पिछले साल कुछ सैटेलाइट-आधारित कमर्शियल कम्युनिकेशन सेवाओं के लिए स्पेक्ट्रम आवंटन संबंधी नियम व शर्तें रखते हुए अपनी सिफारिशें सौंपी थीं। इसके बाद नियामक ने दिसंबर 2025 में दूरसंचार विभाग के बैक-रेफरेंस का जवाब दिया था। हालांकि, यह कदम केंद्र को उन सैटेलाइट कम्युनिकेशन कंपनियों को स्पेक्ट्रम ▶8पर

## कार्टून कॉर्नर

## मौसम हैदराबाद

अधिकतम : $32^0$
न्यूनतम : $23^0$

# कश्मीर में 'वंदे मातरम्'

## अब्दुल्ला परिवार पूरे समय खड़ा रहा

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** श्रीनगर में सोमवार शाम आयोजित पहले फिल्म अंतरराष्ट्रीय फिल्म महोत्सव के दौरान राष्ट्रगीत 'वंदे मातरम्' को लेकर एक अलग तस्वीर देखने को मिली। प्रोटोकॉल के मुताबिक राष्ट्रगीत वंदे मातरम् गाया गया तो जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला और पूर्व मुख्यमंत्री फारूक अब्दुल्ला पूरा गीत बजने तक खड़े रहे। गौरतलब है कि कांग्रेस की वरिष्ठ नेता सोनिया गांधी ने दिल्ली स्थित कांग्रेस मुख्यालय में स्वतंत्रता दिवस समारोह के दौरान वंदे मातरम् सभी छह पद गाए जाने पर आपत्ति जताई थी। इसके विपरीत, विपक्षी इंडिया गठबंधन की सहयोगी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस के नेता उमर अब्दुल्ला और फारूक अब्दुल्ला पूरे राष्ट्रगीत के बजने के दौरान खड़े रहे। गृह मंत्रालय के नए दिशा-निर्देशों के मुताबिक, अब्दुल्ला परिवार के सदस्य और कार्यक्रम में मौजूद लोग पूरे तीन मिनट 10 सेकंड तक खड़े रहे। राष्ट्रगीत को लेकर विवाद उस समय शुरू हुआ, जब कांग्रेस नेता सोनिया गांधी ने इसके पूरे गायन पर आपत्ति जताई थी और वह कथित तौर पर नाराज दिखाई दी थीं। ▶8पर

## बांग्लादेश ने प्रत्यर्पण की ज़िद पकड़ी

# हसीना को फाँसी?

**नई दिल्ली, 08 सितंबर (एजेंसियां)।** बांग्लादेश की सरकार ने भारत में रह रहीं पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को वापस लाने की मांग एक बार फिर तेज कर दी है। बांग्लादेश के प्रधानमंत्री तारिक रहमान के सूचना सलाहकार जाहेद उर रहमान ने कहा है कि सरकार शेख हसीना को उनकी मर्जी से लौटने का इंतजार नहीं करना चाहती, बल्कि उन्हें कानूनी प्रक्रिया के जरिए पकड़कर बांग्लादेश वापस लाना चाहती है। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश में शेख हसीना को मौत की सजा का सामना करना है और उन्हें अपील करने का भी मौका नहीं मिलेगा।

जाहेद उर रहमान ने भारत से शेख हसीना के प्रत्यर्पण को दोनों देशों के रिश्ते सुधारने से भी जोड़ते हुए कहा कि यदि भारत शेख हसीना को वापस भेजता है तो दोनों देशों के संबंध बेहतर हो सकते हैं।

ढाका स्थित सचिवालय में आयोजित संवाददाता सम्मेलन के दौरान जाहेद उर रहमान से जब पूछा गया कि क्या सरकार शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग का इस्तेमाल भारत पर दबाव बनाने के लिए कर रही है, तो उन्होंने इससे इनकार किया।

उन्होंने कहा, उन्हें देश वापस लाने के बारे में कोई रणनीति नहीं है। उन्होंने स्पष्ट किया कि कुछ लोगों का यह अनुमान गलत है कि सरकार केवल भारत पर दबाव बनाने के लिए शेख हसीना के प्रत्यर्पण की मांग कर रही है।जाहेद ने कहा, सरकार के पास सिर्फ भारत पर दबाव बनाने के लिए प्रत्यर्पण की मांग करने की कोई रणनीति नहीं है। उन्होंने दावा किया कि बांग्लादेश ने यह मामला भारत सरकार के सामने एक शर्त के तौर पर रखा है और भारत से अपील की गई है कि वह इस मामले को गंभीरता से ले। ▶8पर

खबरें जो सोच बदल दें
शुभ लाभ

# भारत, अमेरिका और 24 देशों के साथ ग्लोबल 6 जी टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क अलायंस में शामिल

**वाशिंगटन**

संयुक्त राज्य अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने कहा कि भारत अगली पीढ़ी के 6 जी टेलीकम्युनिकेशन नेटवर्क के विकास की वैश्विक पहल में अमेरिका और 24 अन्य देशों के अलायंस में शामिल हो गया है। इसके अलावा अमेरिका के वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक ने जी 20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के दौरान भारत के वाणिज्य राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से मुलाकात कर 6जी के भविष्य पर चर्चा की।

अमेरिका के वाणिज्य विभाग ने एक्स पर कहा, हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत, अमेरिका और 24 अन्य देशों के साथ उस कोशिश में शामिल हो गया है जिसका मकसद यह पक्का करना है कि अगली पीढ़ी के नेटवर्क हमारी साझा सुरक्षा जरूरतों को पूरा करें। हमारी प्रतिस्पर्धात्मकता को मजबूत करें और 6जी में इनोवेशन को बढ़ावा दें।

वाणिज्य विभाग ने एक्स पोस्ट में कहा कि यह समझौता जी 20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के दौरान वाणिज्य सचिव हावर्ड लटनिक और केंद्रीय वाणिज्य और उद्योग राज्यमंत्री जितिन प्रसाद के बीच हुई द्विपक्षीय बैठक के बाद तय हुआ। विभाग ने लिखा, लिखा, लटनिक ने जी20 इनोवेशन मिनिस्टीरियल के दौरान भारत के वाणिज्य राज्यमंत्री जितिन प्रसाद से 6जी के भविष्य पर चर्चा करने के लिए मुलाकात की।

अमेरिकी वाणिज्य विभाग ने कहा कि हमें यह घोषणा करते हुए खुशी हो रही है कि भारत, अमेरिका और 24 अन्य देशों के साथ इस प्रयास में शामिल हो गया है ताकि यह सुनिश्चित किया जा सके कि अगली पीढ़ी के नेटवर्क हमारी साझा सुरक्षा प्राथमिकता को दर्शाए। हमारी प्रतिस्पर्धा को मजबूत करे और 6जी में इनोवेशन को बढ़ावा दें। उल्लेखनीय है कि भारत के केंद्रीय राज्यमंत्री जितिन प्रसाद ने चैपल हिल, नार्थ कैरोलिना (अमेरिका) में एक और दो सितंबर को आयोजित जी 20 इनोवेशन मिनिस्टर्स की बैठक में भारतीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व किया। इस बैठक की मेजबानी अमेरिकी वाणिज्य विभाग और व्हाइट हाउस कार्यालय के साइंस एंड टेक्नोलाजी पालिसी (ओएसटीपी) ने की।

लटनिक के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए प्रसाद ने एक्स पर एक पोस्ट में लिखा कि बातचीत का मुख्य केंद्र आधुनिक टेक्नोलाजी के क्षेत्र की नींव रखने वाले अहम सेक्टर्स को आगे बढ़ाना था।

## न्यूज ब्रीफ

### इंडोनेशिया में ज्वालामुखी की राख से प्रभावित दो दिन से बंद पांच हवाई अड्डों से उड़ानें शुरू

**जकार्ता (इंडोनेशिया)।** इंडोनेशिया ने अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी विस्फोट से निकली राख के कारण प्रभावित पांच हवाई अड्डों को फिर से खोल दिया। हवाई अड्डों को दो दिन तक बंद रखना पड़ा, जिससे करीब 3,000 उड़ानें प्रभावित हुईं। परिवहनमंत्री डूडी पुरवागांधी ने इसकी पुष्टि की। सरकार ने स्थिति में सुधार का दावा किया है। बावजूद इसके तीन अन्य हवाई अड्डे स्थानीय समयानुसार सुबह 10 बजे तक बंद थे। इंडोनेशिया की सरकारी न्यूज एजेंसी अंतारा की रिपोर्ट के अनुसार, परिवहनमंत्री डूडी पुरवागांधी ने कहा कि सुकर्णो-हट्टा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा, हलीम पेरदानकुसुमा हवाई अड्डा, पश्चिम जावा के बांडुंग शहर स्थित हुसैन सास्त्रानेगारा हवाई अड्डा और बांतन प्रांत के दो छोटे हवाई अड्डों को आधी रात के कुछ देर बाद फिर खोल दिया गया। पुरवागांधी ने कहा, हम एहतियाती रुख अपना रहे हैं क्योंकि हवा की दिशा बहुत तेजी से बदल रही है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते हैं कि ज्वालामुखी की राख अनाक क्राकाटाऊ के आसपास के हवाई अड्डों से दूर चली गई हो। हवाई अड्डे बंद रहने से करीब 2,961 उड़ानें प्रभावित हुईं, जिनमें 622 अंतरराष्ट्रीय उड़ानें शामिल है। इससे करीब 3,41,000 यात्रियों को परेशानी हुई। पुरवागांधी ने कहा कि प्रभावित हवाई अड्डों और आसपास के एयर स्पेस की सुरक्षा जांच के बाद कामकाज फिर से शुरू हुआ। पुरवागांधी ने कहा कि ताजा जानकारी के मुताबिक, अनाक क्राकाटाऊ ज्वालामुखी की राख लगभग 15,000 फीट की ऊंचाई पर देखी गई।

### चूहे ऊंचाई से गिरने के बाद भी यूं ही नहीं बच जाते हैं जीवित

**लंदन।** क्या आप जानते है, चूहे जैसे छोटे जीव कई सौ फीट की ऊंचाई से गिरने के बाद भी जीवित रह सकते हैं, वहीं एक इंसान कुछ फीट की ऊंचाई से गिरकर भी गंभीर रुप से घायल हो जाता है। आखिर इसके पीछे का विज्ञान क्या है। आम धारणा होती है कि किसी जीव का वजन जितना अधिक होगा, गुरुत्वाकर्षण उसे उतनी ही ताकत से नीचे खींचेगा और गिरने पर चोट भी उतनी ही गंभीर होगी। हालांकि विज्ञान के अनुसार गिरने के दौरान केवल गुरुत्वाकर्षण ही महत्वपूर्ण नहीं होता, बल्कि जीव के आकार और हवा के प्रतिरोध की भी बड़ी भूमिका होती है। भौतिक विज्ञान के अनुसार जब कोई वस्तु नीचे गिरती है तो उस पर मुख्य रूप से दो बल काम करते हैं। पहला गुरुत्वाकर्षण, जो वस्तु को नीचे खींचता है और दूसरा वायु प्रतिरोध, जो उसकी गति को कम करता है। गिरना शुरू करते समय गुरुत्वाकर्षण का प्रभाव अधिक होता है, लेकिन जैसे-जैसे वस्तु की गति बढ़ती है, हवा का प्रतिरोध भी बढ़ता जाता है। एक स्थिति ऐसी आती है जब नीचे खींचने वाला बल और हवा का प्रतिरोध संतुलित हो जाते हैं। इस स्थिति में वस्तु एक निश्चित अधिकतम गति से गिरती है, जिसे टर्मिनल वेग कहा जाता है।

### पति ने कराई पत्नी की जासूसी, मिला मुआवजा, फिर खानी पडी जेल की हवा

**ताइपे।** एक पति ने अपनी पत्नी के कथित विवाहेतर संबंध का सबूत जुटाने के लिए रोबोट वैक्यूम क्लीनर में लगे कैमरे का इस्तेमाल किया लेकिन इसी रिकार्डिंग की वजह से पति को जेल की हवा खाना पड गई। पति द्वारा रिकार्ड किए गए वीडियो को उसने अदालत में सबूत के तौर पर अदालत में पेश किया, जिसके आधार पर उसे मुआवजा भी मिला। हालांकि, बाद में पत्नी की निजी गतिविधियों की बिना अनुमति रिकार्डिंग करने के मामले में उसी पति को दोषी ठहराते हुए जेल की सजा सुना दी गई। मामला वर्ष 2021 में शादी करने वाले एक दंपति से जुड़ा है। वर्ष 2023 में पति को पत्नी के किसी दूसरे व्यक्ति के साथ संबंध होने का शक हुआ। उसे अपने गेस्ट हाउस में एक अज्ञात व्यक्ति का टूथब्रश और कुछ अन्य सामान मिला। इसके बाद उसने सीसीटीवी फुटेज की जांच की, जिसमें पत्नी को एक अन्य पुरुष के साथ आते-जाते देखा गया। इसके बाद उसका संदेह और गहरा हो गया। पति ने पत्नी की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए अपने घर में कैमरे वाला रोबोट वैक्यूम क्लीनर रखा।

# कीव और मास्को के बीच मध्यस्थता की नई बिसात

**कीव**

**अमेरिकी दूतों स्टीव विटकाफ और जेरेड कुशनर की हालिया कूटनीतिक शटल कूटनीति ने रूस-यूक्रेन युद्ध के मोर्चे पर एक नया और दिलचस्प अध्याय खोल दिया है। यह सिर्फ युद्ध रोकने की कवायद नहीं, बल्कि वैश्विक ऊर्जा, भू-राजनीतिक समीकरणों और सर्दियों की चुनौतियों से निपटने का एक बड़ा रणनीतिक खेल बन चुका है। इस पूरी बातचीत का सबसे अहम और नया एंगल पारंपरिक सैन्य मदद से हटकर ऊर्जा सुरक्षा पर केंद्रित हो गया है।**

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने जिस तरह अमेरिकी एलएनजी (तरलीकृत प्राकृतिक गैस) और वायु रक्षा प्रणालियों पर जोर दिया है, उससे साफ है कि यूक्रेन इस बार सर्दियों को केवल सैन्य मोर्चे पर नहीं, बल्कि आर्थिक और बुनियादी ढांचे के बचाव के रूप में लड़ रहा है। रूस के लगातार हमलों से त्रस्त यूक्रेनी ग्रिड को बचाना अब अमेरिकी मध्यस्थों के एजेंडे में सबसे ऊपर है, ताकि युद्ध के मैदान के साथ-साथ मानवीय संकट को भी थामा जा सके।

यह पहली बार नहीं है जब पर्दे के पीछे की बातचीत चर्चा में आई हो। इससे पहले अबू धाबी और जिनेवा में हुई बैठकों के बेपटरी होने के बाद, अब मास्को (पुतिन के साथ) और कीव (जेलेंस्की के साथ) दोनों राजधानियों का एक ही दौरे में दौरा करना अमेरिकी दूतों की गंभीर मंशा को दिखाता है। क्रेमलिन के वरिष्ठ अधिकारी यूरी उशाकोव द्वारा पुतिन और अमेरिकी दूतों की तीन घंटे से अधिक चली बैठक को रचनात्मक बताना इस बात का संकेत है कि रूस भी अब कूटनीतिक चैनल पूरी तरह बंद नहीं करना चाहता। कीव की इस बैठक में ब्रिटेन, फ्रांस और जर्मनी के प्रतिनिधियों की मौजूदगी इस बात की गवाही देती है कि अब शांति वार्ता केवल अमेरिका और रूस के बीच का द्विपक्षीय मामला नहीं रह गया है। यूरोपीय शक्तियों को इस लूप में रखना यह सुनिश्चित करने की कोशिश है कि भविष्य में अगर कोई शांति समझौता होता है, तो यूक्रेन की आर्थिक और क्षेत्रीय गारंटी केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि पूरे पश्चिमी गठबंधन की मुहर के साथ लागू हो। यह घटनाक्रम एक ऐसे मोड़ पर आया है जहां दोनों पक्ष (रूस अपनी सैन्य बढ़त के साथ और यूक्रेन अपनी पश्चिमी मदद की उम्मीद के साथ) थकने लगे हैं। अमेरिकी दूतों की यह मध्यस्थता इस बात का इम्तिहान है कि क्या कूटनीति के जरिए युद्ध के मैदान की तोपों को खामोश किया जा सकता है या यह केवल सर्दियों के महीनों में वक्त काटने की एक रणनीतिक चाल है। आने वाले दिनों में त्रिपक्षीय वार्ता की घोषणा ही तय करेगी कि यह नया ऐंगल शांति की मंजिल तक पहुंचता है या कूटनीतिक पन्नों में ही सिमट कर रह जाता है।

### कुछ ही हफ्तों बाद गायब हो गया तैरता द्वीप, लोग हैरान

**टोरंटो।** कनाडा के ब्रिटिश कोलंबिया में विलिस्टन रिजर्वायर के पानी पर एक विशाल भू-भाग अचानक दिखाई दिया। सबसे हैरानी की बात यह रही कि कुछ ही हफ्तों बाद वही तैरता द्वीप सैटेलाइट तस्वीरों से गायब हो गया। इस अजीबोगरीब नजारे की तस्वीर सबसे पहले एक स्थानीय नाविक ने खींची थी। तस्वीरें सामने आने के बाद इलाके के लोगों में उत्सुकता बढ़ गई। देखते ही देखते मामला सोशल मीडिया तक पहुंच गया और पोस्ट को हजारों लोगों ने देखा। शुरुआत में तो अधिकारियों को भी यकीन नहीं हुआ कि तस्वीर में दिख रहा यह विशाल टुकड़ा वास्तव में पानी पर तैर रहा है। यहां तक कि एआई से बनी तस्वीर होने की संभावना को भी जांचा गया। लेकिन सैटेलाइट तस्वीरों ने सारे संदेह दूर कर दिए। बीसी हायड्रो ने 20-21 जुलाई की तस्वीरों में इस तैरते भू-भाग की मौजूदगी की पुष्टि की। इसका आकार करीब 70 मीटर चौड़ा और 140 मीटर लंबा था, यानी लगभग 9,800 वर्ग मीटर - करीब दो एनएफएल फुटबाल मैदानों जितना बड़ा। यह फिनले बे के पश्चिम में, डब्ल्यूएसी बेनेट डेम से लगभग 60 मील दूर रिजर्वायर के मुख्य हिस्से में दिखाई दिया था। हालांकि बीसी हायड्रो के पास इसके बनने की एक संभावित वजह है। अधिकारियों के मुताबिक, वर्षों से किनारे पर जमा लकड़ियां और जैविक मलबा धीरे-धीरे सड़ते गए होंगे। इसी पर पौधों और पेड़ों की जड़ें फैलती गईं और समय के साथ एक विशाल तैरता हुआ ढांचा बन गया। जलस्तर बढ़ने पर यह किनारे से टूटकर अलग हुआ और खुले पानी में बह निकला होगा। लेकिन इसके गायब होने की कहानी अभी पूरी तरह साफ नहीं है। अधिकारियों का कहना है कि जरूरी नहीं कि यह डूब गया हो। संभव है कि यह किसी शांत या सुरक्षित हिस्से की तरफ बहकर चला गया हो, जहां उपलब्ध सैटेलाइट तस्वीरों में नजर नहीं आ रहा। इसके टूटने, डूबने या किसी दूसरे हिस्से में पहुंच जाने की संभावनाएं भी बनी हुई हैं। बीसी हायड्रो इस पर नजर रख रहा है। फिलहाल कनाडा की इस विशाल झील का वह चलता-फिरता जंगल एक अनसुलझी पहेली बना हुआ है।

# अमेरिका में भागवताचार्य कृष्णचन्द्र शास्त्री ने समझाया ईश्वरीय भक्ति का मर्म

**लास एंजिल्स (अमेरिका)**

कनाडा और अमेरिका के एक माह के दौरे पहुंचे भारत के प्रमुख भागवत कथावाचक ठाकुर पंडित कृष्णचन्द्र शास्त्री ने यहां कहा कि आनंद सर्वोच्च ईश्वरीय भक्ति है। इसका कोई विकल्प नहीं है। इसके लिए मनुष्य का प्रत्येक अवस्था में आनंदित रहना जरूरी है। उन्होंने कहा कि इस समय भक्तिकाल चल रहा है। देश-विदेश में इन दिनों कथावाचकों की सभाओं में हजारों-लाखों भक्त आ रहे हैं। संतों को सुन रहे हैं।

अमेरिका में रह रहे भारतीय मूल के वरिष्ठ पत्रकार ललित मोहन बंसल की रिपोर्ट के अनुसार, लास एंजिल्स की भागवत कथा में शास्त्री ने कहा कि प्रवासी भारतीय कथा के प्रश्नों और उत्तर पर मनन कर रहे हैं। इस संदर्भ में उन्होंने विशेषकर कनाडा और अमेरिका की चर्चा की। उनका कहना है कि कनाडा और अमेरिका की सभाओं में हजारों लोग कथा सुनने आ रहे है। वह चार सितंबर को न्यू जर्सी में थे , जहां एक विशाल वेद मंदिर में हजारों लोग उमड़ पड़े। उन्होंने भारत में बिहार के आरा जिले की भागवत कथा का भी उदाहरण दिया, जहां लाखों लोग पहुंचे।

कनाडा और अमेरिका की तीस दिवसीय यात्रा के अपने दूसरे पड़ाव में यहां ठाकुर कृष्णचंद्र ने लास एंजिल्स के पासाडेना हिंदू मंदिर में दिन भर बरसात के बावजूद पहले दिन की भागवत कथा पूरी की। उन्होंने कहा कि आनंद वस्तुत: ईश्वरीय आनंद है। उन्होंने कहा कि खानपान और भांति-भांति के व्यंजनों का सेवन जिव्हा का स्वाद मात्र है। परमात्मा सर्वत्र है। मनुष्य को मनसा, वाचा और कर्म से होने वाले पाप से बचना चाहिए।

उन्होंने पाप से बचने की सलाह देते हुए कहा कि पाप की सजा भुगतने से बच पाना मुश्किल है। दिनभर की बरसात के बावजूद मंदिर में ठाकुर जी की कथा सुनने के लिए सैकड़ों सनातनी मौजूद रहे। मंदिर के पदाधिकारियों में डाक्टर निर्मल कुमार, डाक्टर मंजू कुमार, सुश्री रीमा, श्री ओझा और मंदिर के पुजारी जगदीश राजगौर ने पूरे आदरभाव से ठाकुर कृष्ण चन्द्र की आरती उतारी। इससे पूर्व भारतीय परिधान में 21 महिलाओं ने कलश यात्रा निकाली। कलश यात्रा की ठाकुर कृष्णचंद्र ने अगुआई की। उन्होंने निर्माणाधीन पासाडेना हिंदू मंदिर निर्माण में अधिकाधिक सहयोग देने की अपील भी की।

### भारत के नक्शे में गिलगित-बाल्टिस्तान, टेंशन में आ गया पाकिस्तान

**इस्लामाबाद।** अफगानिस्तान और पाकिस्तान के बीच चल रहे तनाव के बीच, अफगानिस्तान क्रिकेट बोर्ड (एसीबी) द्वारा जारी एक प्रमोशनल वीडियो ने पाकिस्तान को बुरी तरह भड़का दिया है। भारत के साथ आगामी क्रिकेट सीरीज के लिए बनाए गए इस वीडियो में एसीबी ने गिलगित-बाल्टिस्तान और पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर (पीओके) को भारत का अभिन्न अंग दिखाया है। जब एसीबी ने अपने आधिकारिक एक्स अकाउंट पर यह वीडियो साझा किया, तो पाकिस्तान की ओर से कड़ी प्रतिक्रिया आई। पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने इस वीडियो पर गंभीर आपत्ति जताई है, जिससे दोनों देशों के पहले से ही जटिल संबंध और तनावपूर्ण हो गए हैं। एसीबी के इस कदम से पाकिस्तान इतना परेशान है कि वह इस मामले को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की संभावना पर विचार कर रहा है, हालांकि अभी तक इस संबंध में कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की गई है। गौरतलब है कि पाकिस्तान और अफगानिस्तान के बीच पिछले कुछ समय से सीमा विवाद को लेकर कई बार झड़पें और गोलीबारी हुई हैं। पाकिस्तान अक्सर आरोप लगाता रहा है कि तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) अफगानिस्तान के समर्थन से हमले करता है और आतंकवाद के लिए पड़ोसी देश को जिम्मेदार ठहराता है।

# इजरायल के खिलाफ कई मोर्चों से दबाव बनाने की तैयारी

**तेहरान**

मध्य पूर्व में भू-राजनीतिक समीकरणों के बीच, इजरायल को लेकर ईरान की संभावित नई रणनीतिक चालों पर गंभीर चिंताएं बढ़ रही हैं। इजरायली आकलनों और विभिन्न विश्लेषकों द्वारा सामने आई रिपोर्टों में दावा किया जा रहा है कि ईरान अपने क्षेत्रीय सहयोगी संगठनों के बीच समन्वय और तालमेल को मजबूत करने की दिशा में सक्रिय है। इस संभावित रणनीति का मुख्य उद्देश्य एक ऐसी क्षमता विकसित करना है, जिसके तहत आवश्यकता पड़ने पर इजरायल के खिलाफ कई दिशाओं से एक साथ दबाव बनाया जा सके। यह एक जटिल और बहु-मोर्चाई चुनौती खड़ी करने की योजना प्रतीत होती है, हालांकि इस बात पर अभी भी स्पष्टता नहीं है कि क्या ईरान ने वास्तव में 7 अक्टूबर 2023 जैसे किसी बड़े समन्वित हमले को अंजाम देने का फैसला कर लिया है।

रिपोर्टों के अनुसार, इस संभावित नेटवर्क में लेबनान का शक्तिशाली हिजबुल्लाह, गाजा पट्टी में सक्रिय हमास, यमन के हूती विद्रोही और इराक में ईरान-समर्थित विभिन्न मिलिशिया समूह शामिल हो सकते हैं। रणनीति का लक्ष्य इन सभी क्षेत्रीय मोर्चों - उत्तर, दक्षिण और अन्य संभावित दिशाओं - को एक साथ सक्रिय करने की क्षमता तैयार करना है। यदि यह रणनीति सफल होती है, तो इजरायल को अपनी सुरक्षा के लिए एक साथ कई सीमाओं और दिशाओं से आने वाली चुनौतियों का सामना करना पड़ सकता है, जिससे उसकी सैन्य और रक्षा प्रणालियों पर अभूतपूर्व दबाव पड़ने की आशंका है।

7 अक्टूबर 2023 को हमास द्वारा इजरायल पर किए गए अचानक और बड़े हमले के बाद हिजबुल्लाह ने इजरायल की उत्तरी सीमा पर भी हमले शुरू किए थे। हालांकि, इन दोनों मोर्चों के बीच उस स्तर का समन्वय स्पष्ट नहीं था, जो किसी व्यापक क्षेत्रीय हमले के लिए रणनीतिक रूप से आवश्यक होता। अमेरिकी और इजरायली आकलनों ने संकेत दिया था कि ईरान और हिजबुल्लाह को हमास की पूरी योजना और हमले की सटीक तारीख की पहले से पूरी जानकारी नहीं थी। माना जा रहा है कि ईरान अब इसी कमी को दूर करने पर ध्यान केंद्रित कर रहा है, ताकि भविष्य में होने वाले किसी भी आपरेशन में अधिक प्रभावी समन्वय स्थापित किया जा सके। इस संदर्भ में, हमास के नेतृत्व में हुए हालिया बदलाव को भी महत्वपूर्ण माना जा रहा है। जुलाई में खलील अल-हय्या को हमास का शीर्ष नेता चुने जाने के बाद संगठन और ईरान के बीच संबंधों को लेकर चर्चा तेज हुई है, क्योंकि अल-हय्या के ईरान के साथ करीबी संबंध बताए जाते हैं। ईरान लंबे समय से अपने सहयोगी संगठनों के नेटवर्क को प्रतिरोध की धुरी के रूप में समर्थन देता रहा है, और अब इस नेटवर्क के बीच संपर्क और सैन्य तालमेल को फिर से मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

# 9/11 हमले पर 25 साल बाद सनसनीखेज खुलासा, सऊदी कनेक्शन पर गहराए सवाल

**वाशिंगटन**

अमेरिका पर 11 सितंबर 2001 को हुए आतंकवादी हमले के 25 साल बाद अब एक रिपोर्ट में इसे लेकर बड़े खुलासे हुए हैं। हमले से जुड़े संदिग्ध उमर अल-बायौमी के सऊदी सरकार के अधिकारियों और अल-कायदा के आतंकी अनवर अल-अवलाकी के साथ संबंधों की पुष्टि करने वाले नए वीडियो सामने आए हैं। ये सनसनीखेज खुलासे एक जांच रिपोर्ट में हुए हैं। ये वीडियो और अन्य दस्तावेज अमेरिका में 9/11 पीड़ित परिवारों की ओर से सऊदी अरब के खिलाफ दायर करीब 1 ट्रिलियन डालर के मुकदमे के दौरान सार्वजनिक हुए।

पीड़ित परिवारों का आरोप है कि बायौमी ने पेंटागन पर हमला करने वाले दो किडनैपर्स की मदद की थी। हालांकि, सऊदी अरब और बायौमी दोनों ने इन आरोपों से लगातार इनकार किया है।

सऊदी अरब से 1994 में सैन डिएगो पहुंचे बायौमी ने दावा किया था कि वह यहां अंग्रेजी पढ़ने आया था, लेकिन वह यहां कई तरह की संदिग्ध गतिविधियों में शामिल हो गया था। 1997 या 1998 की फुटेज में बायौमी को अल-कायदा के नेता अनवर अल-अवलाकी और सऊदी इस्लामिक मामलों के मंत्रालय के एक अधिकारी के साथ पेंटबाल खेलते देखा जा सकता है। फुटेज में कुछ लोग सैन्य वर्दी जैसे कपड़े पहने दिख रहे हैं और अल्लाहू अकबर के नारे भी लगा रहे हैं। अधिकारियों ने बताया है कि इन सत्रों का इस्तेमाल जिहादी ट्रेनिंग के लिए किया जाता था। इस बीच, 1998 के एक अन्य वीडियो में बायौमी और अवलाकी को गले मिलते हुए भी देखा जा सकता है। इस वीडियो ने बायौमी के उस दावे को झूठा साबित कर दिया है, जिसमें उसने पहले अवलाकी से मिलने से जुड़े आरोपों को खारिज कर दिया था। यह सीधा सबूत बायौमी के अल-कायदा से गहरे संबंध की ओर इशारा करता है।

गौरतलब है कि 9/11 हमले के दो किडनैपर्स नवाफ अल-हजमी और खालिद अल-मिहधार के घर से मिले दस्तावेजों में नाम आने के बाद बायौमी एफबीआई का संदिग्ध बना था। 21 सितंबर 2001 को ब्रिटिश पुलिस ने बायौमी को बर्मिंघम से गिरफ्तार किया। उसके पास से 80 से ज्यादा वीडियो टेप और दस्तावेज मिले। इन दस्तावेजों में एक हाथ से बना विमान का चित्र और लक्ष्य से उसकी दूरी और ऊंचाई का हिसाब लिखा एक पन्ना भी शामिल था।

पीड़ितों के वकीलों और अमेरिकी जज ने माना कि यह दस्तावेज दिखाता है कि बायौमी को 9/11 हमलों की पहले से जानकारी थी, जिससे उसकी भूमिका और भी संदिग्ध हो जाती है। सवाल यह उठता है कि इतने ठोस सबूतों के बावजूद जांच क्यों अटकी जांच एजेंसियों के बीच आपसी तालमेल की कमी के कारण मामला आगे नहीं बढ़ सका। ब्रिटेन में बरामद यह नक्शा और वीडियो लंदन में पूछताछ कर रहे अधिकारियों और सैन डिएगो में मौजूद मुख्य एफबीआई टीम के साथ समय पर साझा ही नहीं किया गया।

## आज का राशिफल

**मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ**

आज समय बहतर रहेगा कार्य सिद्धि होगी। कारोबार में वृद्धि होगी। आपके सम्मान में बढोत्तरी होगी। नए काम से लाभ होगा। शत्रु पक्ष से सावधान रहें। नए व्यक्ति से मुलाकात होगी। निवेश संबंधी प्रस्ताव मिलेंगे। जरूरी फैसले जल्दबाजी में न लें। पारिवारिक जीवन खुशनुमा रहेगा। धार्मिक यात्रा पर जा सकते हैं। जोखिम वाले करने से बचें। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। स्वास्थ्य अनुकूल रहेगा तरल भोजन करें।

**वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो**

आज गणेश जी को दूर्वा और सिन्दूर चढाए मनोवांछित फल मिलेगा। मित्रों के साथ घूमने के लिए जाएंगे। पूजा पाठ में मन लगेगा। व्यवसाय में प्रगति होगी।परिवार का सहयोग मिलेगा। उधार की रकम वापस मिलेगी। वैवाहिक जीवन सुखमय रहेगा। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिलेगी। आपके ज्यादातर कार्य काम पूरे होंगे। आप बेहद खुश रहेंगे। आर्थिक लाभ होगा। सेहत ठीक रहेगी। उच्च पदस्थ व्यक्ति से लाभ होगा पदोन्नति संभव हैं।

**मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह**

आज ध्यान और प्राणायाम करें शरीर मे उर्जा रहेगी। आपको यात्रा पर जाना पड़ा सकता है। जोखिम ले सकते हैं। निवेश के अवसर आएंगे। आमदनी होगी। पारिवारिक कार्य सफल रहेंगे। बुजुर्गों का मार्गदर्शन मिलेगा। पारिवारिक कार्यक्रम हो सकते हैं। किसी रिश्तेदार से काफी समय बाद मुलाकात होने की संभावना है। कैरियर से जुड़े कार्य पूरे होंगे। बेरोजगारी दूर होगी।

**कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो**

आज मनमुताबिक कार्य नही होंगे। बहते पानी मे शक्कर बहादें। खर्च ज्यादा होने की संभावना है। परिवार के किसी सदस्य की सेहत बिगड़ सकती है। गैरजरूरी कार्यों में समय नष्ट करेंगे। किसी को उधार न दें। नुकसान की आशंका है। विवाद की स्थिति से दूर रहें। कर्ज की रकम फिलहाल वापस नहीं मिलेगी। ऑफिस में किसी से बहस हो सकती है। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा।गुस्सा करने से बचें। स्वास्थ्य का ध्यान रखें।

**सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे**

गणेश मंत्र का जप करें गाय को हरी सब्जी खिलाए। नई योजना बना सकते हैं। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे। सामाजिक कार्यों में हिस्सा लेंगे। तनाव हो सकता है। शांत रहने का प्रयास करें। पुराने रूके हुए कार्य पूरे होंगे। उधार की रकम वापस मिल सकती है। सेहत को लेकर चिंतित रहेंगे। दफ्तर के सहयोगी से मतभेद दूर होंगे। लाभ के अवसर सामने आएंगे। व्यवसाय में प्रगति होगी। घर परिवार का माहौल ठीक रहेगा। यात्रा का योग बनेगा गुड का सेवन करें।

**कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो**

आज धार्मिक ग्रन्थों का अवलोकन करें। आपको सत्संग का लाभ मिलेगा। पुराने काम पूरे हो सकते हैं। आध्यात्मिकता में रुचि बढ़ेगी। विशेषज्ञ का मार्गदर्शन प्राप्त होगा। वाणी पर नियंत्रण रखें। अचानक किसी के साथ तनाव हो सकता है। क्रोध पर काबू रखें। आर्थिक स्थिति सुधरने की उम्मीद है। व्यवसाय में लाभ की संभावना है। विरोधियों से सावधान रहें। खानपान में सावधानी बरते शाम को दूध का सेवन करें।

**तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते**

आपको बुजुर्गों का माता पिता का आशीर्वाद लेकर चलें। आज खुशखबरी मिलेगी। प्रसन्न रहेंगे। बड़ी जिम्मेदारी पूरी कर पाएंगे। परिवार के लोगों से मुलाकात होगी। आमदनी में बढ़ोतरी होगी। नए काम के लिए प्रयास कर सकते हैं। कैरियर से जुड़ी जानकारी मिलेगी। रिश्तेदारों का सहयोग मिलेगा। छात्रों का पढ़ाई में मन लगेगा। धन लाभ होने की संभावना है। अनजान लोगों से मेलमिलाप न करें। यात्रा का बिल्कुल नही है सावधानी बरते।

**वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू**

आज का दिन अनुकूल नही हैं शिवमंत्र का जप करें। तनावग्रस्त हो सकते हैं। कार्यस्थल पर खुशखबरी मिल सकती है। संतान पक्ष की सफलता से प्रसन्न रहेंगे। आर्थिक स्थिति कमजोर हो सकती है। शारीरिक दिक्कत होने की आशंका है। हड़बड़ी में जरूरी फैसला न लें। शत्रुओं से हानि होगी। यात्रा कर सकते हैं। जोखिम लेने से बचें। सावधानी से खर्च करें। चींटियों को आटा डालें कर्ज मुक्त होंगे।

**धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे**

आज का दिन शानदार बनाना हैं तो ब्रह्म मुहूर्त मे निंद्रा त्याग कर ईश्वर का चिंतन करें। अपने मित्रों के साथ समय बिता सकते हैं। विद्यार्थियों को सफलता प्राप्त होगी। परिवार में प्रसन्नता का माहौल रहेगा। नए प्रोजेक्ट पर काम शुरू कर सकते हैं। घरेलू जिम्मेदारी पूरी करेंगे। नया मकान खरीदने का प्लान बना सकते हैं। किसी कार्य में ज्यादा खर्च होगा। सावधानी से बातचीत करें। दाम्पत्यजीवन मे पूर्ण सहयोग रहेगा। रिश्तों मे मधुरता बढेगी।

**मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि**

आज का दिन खुशहाल हैं तरक्की के रास्ते खुलेंगे। पुराने मित्रों से मुलाकात होगी। यात्रा पर जा सकते हैं। ऑफिस में बड़ी जिम्मेदारी मिल सकती है। तरक्की की सूचना मिलेगी। अनजान लोगों की मदद करने से पहले सोच विचार कर लें। किसी की वजह से आपको नुकसान हो सकता है। कार-बार अच्छा चलेगा। विवाद से बचें। ईश्वर की आराधना में मन लगेगा। नौकरी मिलने की पूरे योग हैं धन के रास्ते खुलेंगे।

**कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द**

आप जो महनत करेंगे उसका परिणाम सौ प्रतिशत मिलेगा। आप काफी सकारात्मक रहेंगे। सेहत ठीक रहेगी। धन संबंधी स्थिति सुधरेगी। आपको खुशखबरी मिल सकती है। आपके स्वभाव से दूसरे प्रभावित रहेंगे। आपकी सराहना होगी। कुटिल लोगों से सतर्क रहें। आमदनी के नए स्रोत मिलेंगे।युवाओं को आज सफलता मिलेगी। कुंवारों का रिश्ता तय हो सकता है दुर्गा जी को लाल पुष्प चढाए कार्य सिद्ध होगा।

**मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची**

आपको विरोधी नुकसान पहुंचा सकते हैं सतर्कता बरतें। किसी के बहकावे में न आएं। आर्थिक नुकसान की आशंका है। आज आपकी वजह से कई लोगों को लाभ होगा। किसी रिश्तेदार के यहां से दुखद समाचार मिल सकता है। तनाव की स्थिति निर्मित हो सकती है। वाणी पर क्रोध पर नियंत्रण रखें। अपशब्दों का इस्तेमाल न करें व्यवहार खराब होगा संयमित रहें।

## आज का पंचांग

दिनांक : 09 सितंबर 2026, बुधवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : त्रयोदशी दोपहर 12:32 तक
नक्षत्र : आश्लेषा सायं 03:15 तक
योग : शिव रात्रि 09:52 तक
करण : वणिज दोपहर 12:32 तक
चन्द्रराशि : कर्क सायं 03:15 तक
सूर्योदय : 06:03 , सूर्यास्त 06:23 ( हैदराबाद )
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:25 ( बैंगलोर )
सूर्योदय : 06:01 , सूर्यास्त 06:18 ( तिरुपति )
सूर्योदय : 05:55 ,सूर्यास्त 06:14 ( विजयवाडा )

**शुभ चौघड़िया**
लाभ : 06:00 से 07:30
अमृत : 07:30 से 09:00
शुभ : 10:30 से 12:00
चल : 03:00 से 04:30
लाभ : 04:30 से 06:00
राहुकाल : दोपहर 12:00 से 01:30
दिशाशूल : उत्तर दिशा
उपाय : तिल्ली खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : मासिक शिवरात्रि व्रत , गण्डमूल चालू है , भद्रा प्रात: 11:32 से रात्रि 11:32

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

# पर्युषण पर्व कर्मों के बंधनों को तोड़ मोक्ष की ओर ले जाने वाला पर्व : राजमतीजी म. सा.

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जैन श्री संघ, मलकपेट के तत्वावधान में बम्ब सिंघी भवन में आयोजित आध्यात्मिक वर्षावास के दौरान पर्वाधिराज पर्युषण पर्व का शुभारंभ धार्मिक उत्साह एवं भक्तिभाव के साथ हुआ। श्रमण संघीय सलाहकार उपप्रवर्तक पूज्य श्री विनयमुनिजी म. सा. 'भीम' के पावन सान्निध्य से प्रेरित इस आयोजन में पूज्य साध्वी श्री राजमतीजी म. सा. 'राजुल', पूज्य श्री विनयश्रीजी म. सा. एवं नवदीक्षिता पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म. सा. का सान्निध्य प्राप्त हो रहा है।

पूज्य श्री जीव्याश्रीजी म. सा. ने कहा कि पर्युषण पर्व आत्मजागरण का संदेश लेकर आता है। इन आठ दिनों में श्रद्धालुओं को राग-द्वेष त्यागकर दान, पुण्य, शील, तप एवं त्याग की आराधना करनी चाहिए। पूज्य श्री विनयश्रीजी म. सा. ने कहा कि पर्युषण धर्म आराधना, तप एवं त्याग का विशेष अवसर है। उन्होंने श्रद्धालुओं से मोह निद्रा त्यागकर आत्मचिंतन एवं मैत्री भावना अपनाने का आह्वान किया। महासती श्री राजमतीजी म. सा. ने अपने ओजस्वी प्रवचन में कहा कि पर्युषण पर्व हमारे कर्मों के बंधनों को तोड़कर आत्मा को मोक्ष की ओर ले जाने वाला पर्व है। इन आठ दिनों में व्यक्ति को बाहरी गतिविधियों से हटकर अपने भीतर झांकना चाहिए। उन्होंने शीलव्रत का पालन, हरी सब्जियों का त्याग एवं रात्रि भोजन का त्याग करते हुए आत्मशुद्धि की साधना पर जोर दिया।

चातुर्मास संयोजक पारस डोसी ने पर्युषण पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह पर्व आत्मचिंतन, तपस्या एवं कर्मनिर्जरा का अवसर प्रदान करता है। उन्होंने बताया कि पर्युषण के आठों दिनों में प्रातः 8.30 बजे अंतगढ़सूत्र वाचन, 9.30 बजे प्रवचन, दोपहर 2.30 बजे आगम वाचन तथा सूर्यास्त के बाद प्रतिक्रमण की व्यवस्था रहेगी। आठों दिन 12 घंटे के नवकार महामंत्र जाप का भी आयोजन किया जाएगा।

धर्मसभा में मलकपेट संघ, नवयुवक मंडल, महिला मंडल, बहु मंडल, युवा मंडल, हैदराबाद संघ, फीलखाना संघ एवं चैतन्यपुरी संघ के श्रद्धालु उपस्थित रहे। कार्यक्रम का समापन मंगल पाठ एवं गुरु वंदना के साथ हुआ। इसके बाद श्रद्धालुओं ने साध्वीवृंद का आशीर्वाद प्राप्त कर धर्मलाभ लिया।

# केबीआर पार्क में राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास स्थित केबीआर पार्क वाटर टैंक पर मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा एवं मानवता का संदेश दिया गया।कार्यक्रम में सुभाष अग्रवाल, मनीष अग्रवाल सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने सेवा कार्य में सक्रिय सहभागिता निभाते हुए जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया।राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से आयोजित किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रमों का उद्देश्य जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने के साथ समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना है।

बहादुरपुरा की विंटेज कॉलोनी स्थित शिव मंदिर में अलकेश मिश्रा द्वारा आयोजित सुंदरकांड भजन संध्या में उपस्थित विंध्याचल ब्राह्मण सेवा संघ के अध्यक्ष सुनील कुमार पाण्डेय, उपाध्यक्ष रामशिरोमणि तिवारी, गजेन्द्र शुक्ला शास्त्री, बेटाराम पाण्डेय, बबलू गर्ग, अंकित मिश्रा एवं अन्य श्रद्धालु।

# विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता उपलब्ध कराने की शुरुआत

**मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मंचेरियाल नगर निगम के 31वें डिवीजन स्थित श्रीरामपुर जिला परिषद उच्च विद्यालय में तेलंगाना सरकार एवं हरे कृष्णा फाउंडेशन के संयुक्त तत्वावधान में सरकारी स्कूलों के विद्यार्थियों को नाश्ता उपलब्ध कराने के कार्यक्रम का शुभारंभ किया गया। कार्यक्रम का उद्घाटन नगर निगम मेयर धरणी मधुकर ने स्थानीय पार्षद ताळ्ला संपत रेड्डी के साथ किया।

इस अवसर पर मेयर ने कहा कि मंचेरियाल विधायक कोक्किराला प्रेम सागर राव के विशेष प्रयासों से मंचेरियाल विधानसभा क्षेत्र में राज्य की चौथी केंद्रीकृत रसोई की स्थापना होना खुशी की बात है। उन्होंने कहा कि विद्यार्थियों को पौष्टिक नाश्ता मिलने से उनके स्वास्थ्य में सुधार के साथ पढ़ाई पर भी सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

मेयर ने विद्यार्थियों के कल्याण और शिक्षा के विकास के लिए सरकार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ पौष्टिक भोजन उपलब्ध कराने से बच्चों के भविष्य की मजबूत नींव तैयार होगी। उन्होंने विद्यार्थियों के हित में हरसंभव सहयोग का आश्वासन देते हुए तेलंगाना सरकार, हरे कृष्णा फाउंडेशन एवं विधायक प्रेम सागर राव के प्रति आभार व्यक्त किया।

कार्यक्रम में विद्यालय के प्रधानाध्यापक, शिक्षक, विद्यार्थी, संबंधित अधिकारी एवं स्थानीय कांग्रेस नेता सहित अन्य उपस्थित रहे।

**फाइनेंशियल डिस्ट्रिक्ट स्थित नेक्सा साई सर्विस, क्यू सिटी में बहुप्रतीक्षित नई बलेनो का शुभारंभ किया गया। मारुति सुजुकी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी डेब ज्योति सैन एवं क्षेत्रीय प्रबंधक गणेश सैन ने नई बलेनो का अनावरण किया। इस अवसर पर विशिष्ट अतिथि, ग्राहक एवं कंपनी के कर्मचारी उपस्थित रहे।**

# बीआरएस जन्म से ही दलित विरोधी : विजयरमना राव

**पेद्दापल्ली/हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

तेलंगाना सरकार के सचेतक एवं पेद्दापल्ली विधायक चिंतकुंता विजय रमना राव ने आरोप लगाया कि बीआरएस शुरू से ही दलित विरोधी रही है। उन्होंने विधानसभा अध्यक्ष गद्दाम प्रसाद की माता के खिलाफ कथित आपत्तिजनक टिप्पणी करने वाले एमएलसी टाटा मधु और नवीन रेड्डी के खिलाफ कार्रवाई की मांग की।

हैदराबाद में विधानसभा सत्र के दौरान चर्चा में विजय रमना राव ने कहा कि बीआरएस प्रमुख केसीआर के निर्देश पर पार्टी के विधायक और एमएलसी सदन में सड़क के गुंडों जैसा व्यवहार कर रहे हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि केटीआर और हरीश राव द्वारा संबंधित नेताओं का समर्थन किया जाना बीआरएस के दलित विरोधी रवैये को दर्शाता है।

उन्होंने केसीआर सरकार पर दलितों से किए गए वादे पूरे नहीं करने का आरोप लगाते हुए कहा कि दलित मुख्यमंत्री बनाने, प्रत्येक दलित परिवार को तीन एकड़ जमीन देने तथा अन्य मुद्दों पर जनता से किए गए वादों के साथ न्याय नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि विधानसभा अध्यक्ष की माता के खिलाफ की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की घटना विधानसभा के इतिहास में काले दिन के रूप में दर्ज होगी।

# पत्रकारों के बच्चों की फीस में छूट का आदेश जारी करने की मांग

**पेद्दापल्ली, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

पेद्दापल्ली प्रेस क्लब के अध्यक्ष गुडला श्रीनिवास ने पत्रकारों के बच्चों की निजी स्कूल फीस में छूट संबंधी सरकारी आदेश तत्काल जारी करने की मांग की है। उन्होंने कहा कि आदेश में देरी के कारण जिले के करीब 500 पत्रकार परिवारों के विद्यार्थी परेशानी का सामना कर रहे हैं। श्रीनिवास ने कहा कि पात्र पत्रकारों के पहले बच्चे को 100 प्रतिशत तथा दूसरे बच्चे को 50 प्रतिशत फीस में छूट मिलनी चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि स्पष्ट निर्देश नहीं मिलने से निजी स्कूल प्रबंधन फीस के लिए पत्रकार परिवारों पर दबाव बना रहा है। उन्होंने पत्रकारों को आवंटित आवासीय भूखंडों के मामलों में भी शीघ्र कार्रवाई की मांग की। उन्होंने चेतावनी दी कि समस्याओं का समाधान नहीं होने पर पत्रकारों को एकजुट कर चरणबद्ध आंदोलन किया जाएगा। इस अवसर पर करीब 100 पत्रकार उपस्थित रहे।

# रंगनाथ ने किए अंजनेय स्वामी के दर्शन

**पेद्दापल्ली, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

कोंडागट्टू स्थित श्री अंजनेय स्वामी मंदिर में वरिष्ठ आईपीएस अधिकारी ए.वी. रंगनाथ ने परिवार सहित स्वामी के दर्शन किए। मंदिर के कार्यकारी अधिकारी एस. अंजना रेड्डी ने पूर्णकुंभ से उनका स्वागत किया। इसके बाद विशेष अभिषेक एवं पूजा-अर्चना कराई गई।

मंदिर की ओर से ए.वी. रंगनाथ को स्वामी का शेष वस्त्र एवं तीर्थ प्रसाद भेंट कर पुरोहितों ने आशीर्वाद दिया। इस अवसर पर जगित्याल डीएसपी पुरुषोत्तम रेड्डी, मलयाला सीआई राजू कुमार, मलयाला एसआई संदीप कुमार, कोडिम्याला एसआई नरेश कुमार, मुख्य पुजारी जितेंद्र प्रसाद, उपमुख्य पुजारी रणजीवास्वामी, मंदिर पर्यवेक्षक सुनील कुमार, अशोक एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

# 30 बिस्तरों के सरकारी अस्पताल में मरीजों की भीड़, ड्यूटी पर एक ही डॉक्टर

**मदनूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मदनूर मंडल में गरीब जनता की स्वास्थ्य सेवा के लिए संचालित 30 बिस्तरों वाले सरकारी अस्पताल में मंगलवार को चिकित्सकों की कमी का मामला सामने आया। अस्पताल में कुल 10 चिकित्सकीय अधिकारियों की नियुक्ति के बावजूद मरीजों की जांच के लिए केवल एक डॉक्टर उपस्थित नजर आए।मौसमी बीमारियों के चलते अस्पताल में प्रतिदिन 200 से अधिक मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं। अस्पताल अधीक्षक डॉ. जाधव से इस संबंध में पूछे जाने पर उन्होंने बताया कि एक डॉक्टर की रात्रि ड्यूटी थी, जबकि दूसरा अवकाश पर है। अन्य चिकित्सकों के बारे में जानकारी नहीं होने की बात कहते हुए उन्होंने बताया कि वे बांसवाड़ा अस्पताल में बैठक के लिए आए हुए हैं।मरीजों और परिजनों ने अस्पताल में पर्याप्त चिकित्सकों की उपलब्धता सुनिश्चित करने की मांग की है।

# मदनूर में मंडल स्तरीय अंतर-विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ

**मदनूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मंडल केंद्र स्थित जिला परिषद बालक उच्च विद्यालय में मंगलवार को मंडल स्तरीय अंतर-विद्यालय खेल प्रतियोगिताओं का शुभारंभ किया गया। प्रतियोगिताओं का उद्घाटन स्थानीय ग्राम सरपंच उषा संतोष एवं मंडल शिक्षा अधिकारी रामुलु ने किया।

इस अवसर पर सरपंच उषा संतोष ने कहा कि विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ खेलकूद में भी अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करना चाहिए। उन्होंने कहा कि खेलों से शारीरिक क्षमता बढ़ने के साथ अनुशासन, दृढ़ता एवं टीम भावना का विकास होता है।

# मदनूर बस स्टैंड के मुख्य द्वार पर उगी झाड़ियां, हादसे का खतरा

**मदनूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मदनूर के स्थानीय लोगों ने पत्रकारों से बातचीत में तेलंगाना राज्य सड़क परिवहन निगम के अधिकारियों पर बस स्टैंड की अनदेखी का आरोप लगाया। उन्होंने बताया कि कुछ माह पहले बस स्टैंड की मरम्मत तो की गई, लेकिन मुख्य द्वार के आसपास उगी जंगली घास-झाड़ियों की सफाई नहीं की गई।

स्थानीय लोगों के अनुसार, बारिश के मौसम में बसों का इंतजार करने वाले यात्रियों के लिए जंगली झाड़ियों के कारण परेशानी बनी हुई है। उन्होंने आशंका जताई कि झाड़ियों में सांप अथवा अन्य जहरीले जीव छिपे हो सकते हैं, जिससे यात्रियों की सुरक्षा को खतरा उत्पन्न हो सकता है। स्थानीय जनता ने संबंधित अधिकारियों से बस स्टैंड के मुख्य द्वार एवं परिसर में उगी झाड़ियों की तत्काल सफाई कराने की मांग की है।

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

# उज्जैन का महाकालेश्वर मंदिर टाले अकाल मृत्यु और दिलाए मोक्ष

**दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग**- शंकर जी का यह अनोखा मंदिर अन्य प्रमुख 12 ज्योतिर्लिंगों में एक मात्र दक्षिणमुखी ज्योतिर्लिंग है। शास्त्रों के अनुसार कहा गया है कि दक्षिण दिशा के स्वामी स्वयं भगवान यमराज हैं। तभी जो भी व्यक्ति इस मंदिर में आ कर भगवान शिव की सच्चे मन से प्रार्थना करता है, उसे मृत्यु उपरांत यमराज द्वारा दी जाने वाली यातनाओं से मुक्ति मिलती है।

अकाल मृत्यु टालते हैं शिव जी-देश-दुनिया से काफी लोग यहां पर इसलिये भी दर्शन करने आते हैं कि जिससे वे अपनी अकाल मृत्यु को टाल सकें और सीधे मोक्ष को प्राप्त कर सकें।

सारी इच्छा करते हैं पूरी- भगवान शिव अपने भक्त की सारी इच्छाएं पूरी करते हैं। अगर आपको अपनी मनोकामनाएं पूरी करनी है तो यहां आ कर एक बार दर्शन जरुर करें, जिससे आपको धन, धान्य, निरोगी शरीर, लंबी आयु, संतान आदि सब कुछ प्राप्त हो।

पृथ्वी का केंद्र हैं महाकाल- कुछ विद्वानों का यह भी मत है कि महाकालेश्वर ज्योतिर्लिंग ही संपूर्ण पृथ्वी का केंद्र बिंदु है और संपूर्ण पृथ्वी के राजा भगवान महाकाल यहीं से पृथ्वी का भरण-पोषण करते हैं।

गाय के कंडे से होती है भस्मार्ती-यहाँ पहले महाकाल की भस्म आरती में ताजा मुर्दे की भस्म का ही प्रयोग होता था, किन्तु महात्मा गांधी के आग्रह के पश्चात शास्त्रीय विधि से निर्मित उपल-भस्म से भस्मार्ती होने लगी।

# हनुमान जी के गुणों से आलोकित करें जीवन

मनोजवं मारुत तुल्यवेगंए जितेन्द्रियं बुद्धिमना वरिष्ठम।
वातात्मजं वानरयूथ मुयंएश्रीरामदूतं शरणं प्रपद्ये॥

**यदि** हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए।

**उक्त** श्लोक द्वारा हमें सर्वतोमुखी शक्ति के प्रतीक हनुमान जी का यथार्थ चित्रण मिलता है की कैसे वे शरीर के साथ-साथ मन से भी अपार बलशाली थे एवं उन्होंने वासना को जीत लिया था। वे जितेन्द्रिय थे और बुद्धिमानों में भी श्रेष्ठतम थे। यह एक निर्विवाद तथ्य है कि भारत के लोगों के मन में हनुमान जी का चरित्र उनकी ईश्वर भक्ति, ईश्वर सेवा और ईश्वर के प्रति वफादारी के कारण बहुत ही प्रसिद्ध है। और इसलिए ही यहां के अधिकतर घरों में उनकी मूर्ति प्रतिदिन पूजी जाती है और देश के कोन-कोने में भी उनके अनगिनत मंदिर बने हुए हैं। जन के दिलों में स्थान पाने वाले हनुमान जी की पूजा-अर्चना करना उनके प्रति हमारी श्रद्धा का एक पहलू है, लेकिन उनके चारित्रिक गुणों से प्रेरणा लेना व उनके गुणों को जीवन में आत्मसात करना सर्वथा दूसरा पहलू है।

अत: यदि हम खुद को हनुमान जी का सच्चा भक्त मानते हैं, तो हमें ऐसे महान चरित्र के चारित्रिक गुणों के प्रकाश से स्वयं को प्रकाशित करने का प्रयास करना चाहिए। चैत्र पूर्णिमा के दिन जन्मे हनुमान जी के यूं तो अनेक नाम हैं, परन्तु सर्वाधिक प्रचलित हनुमान शद का अर्थ है, ऐसा व्यक्ति जो मान का हनन करने वाला हो। पौराणिक कथाकारों के अनुसार ज्ञानसूर्य परमात्मा के ज्ञान गुण शक्तियों को अपनी बुद्धि में समाहित करने वाले हनुमान जी अनेक आध्यात्मिक शक्तियों से सुसंपन्न रहे, लेकिन अपनी किसी भूल के कारण उन्हें यह शाप मिला कि समय आने पर वे अपनी शक्तियों को भूल जायेंगे और किसी के द्वारा याद दिलाये जाने पर वे शक्तियां जाग्रत हो उठेंगी। अब यह तो हम सब भलीभांति जानते ही हैं कि शाप देने का कार्य कोई श्रेष्ठ व्यक्ति तो कर नहीं सकता, क्योंकि क्योंकि शाप या बददुआ देने वाली तो माया है, अर्थात पांच विकार, तो इसका अर्थ यह हुआ की कलियुग के अंत में जब हम सभी आत्माएं माया द्वारा शापित होकर मूर्च्छित हो जाती हैं और अपनी समस्त शक्तियां खो देती हैं, तब सर्वशक्तिमान परमात्मा हमें ज्ञान संजीवनी द्वारा फिर से सुरजीत करते हैं और माया के शाप से हमें सदा के लिए मुक्त कर देते हैं, जिसके फलस्वरूप हम अपनी सर्व आध्यात्मिक शक्तियों को पुनः प्राप्त कर लेते हैं।

कहते हैं कि इष्ट का उज्जवल चरित्र ही साधकों के जीवन को इत्र समान खुशबूदार और गुणवान बनाता है। आत्मा अमर है और उसके द्वारा किए जाने वाले महान चरित्र भी चिरंजीव ही रहते हैं।

अत: हमें यह महसूस करना चाहिए कि वर्तमान समय वही युग परिवर्तन की वेला है, जब सर्व शक्तिमान परमात्मा माया रावण के चंगुल में फंसी आत्मा रूपी सीताओं की खोज में धरती पर अवतरित हो चुके हैं। ऐसे समय में भगवान श्री हनुमान जी की तरह त्याग, तपस्या और सेवा को जीवन में धारण करके ईश्वरीय सेवा में मददगार बनने वाली आत्माओं का भगवान आहान कर रहे हैं।

## याचना की बजाय गुणों को धारण करें :

संसार की आत्माएं तो हुनमान जी को अष्ट सिद्धि और नवनिधि की पूर्ति की कामना हेतु स्वार्थवश याद करती हैं, परन्तु वर्तमान समय की मांग यह है कि हम समय की नाजुकता को पहचान कर हनुमान जी से याचना करने की बजाय उन जैसे गुणों को धारण करके अनेक याचक आत्माओं की कामना पूर्ति करें और श्री हनुमान जी के गुणों की रोशनी से अपने जीवन-पथ को आलोकित करें। उनके समान ईश्वर प्रेम में रम जाएं और उनके समान ईश्वर समर्पित होकर ईश्वर समान बन जाएं।

# दुर्योधन को भी दिए थे श्रीहरि ने विराट रूप में दर्शन

**विश्वरूप** या कहें भगवान विष्णु का विराट स्वरूप का उल्लेख भगवद्गीता के अध्याय 11 में है, जिसमें भगवान कृष्ण अर्जुन को कुरुक्षेत्र युद्ध में विश्वरूप दर्शन कराते हैं। लेकिन उन्होंने इस रूप में पहले भी अपने भक्तों को दर्शन दिए है।

**पुराणों** में उल्लेख मिलता है। भगवान विष्णु ने अपने इस रूप के दर्शन लक्ष्मी जी को करवाए थे। हालांकि कि इस बारे में अलग-अलग पुराणों में अलग-अलग जानकारी मिलती है। भगवान विष्णु के परम भक्त नारद जी को भी उन्होंने अपने विराट स्वरूप के दर्शन दिए हैं। भगवान विष्णु के भक्त प्रहाद के वंशज थे राजा बलि। जिनको भगवान विष्णु ने वामन अवतार में विराट स्वरूप के दर्शन दिए थे। द्वापर युग में जब भगवान श्रीकृष्ण के रूप में भगवान विष्णु ने अवतार लिया तब उन्होंने अपनी मां यशोदा को भी इसी विराट स्वरूप में दर्शन दिए थे। महाभारत में दुर्योधन और विश्वरूप दर्शन वर्णित है। कुरुक्षेत्र युद्ध के मैदान अर्जुन को विराट रूप के दर्शन दिए।

## भगवान विष्णु के अन्य नाम :

उग्र, शर्व, भगवत, नारायण, कृष्ण, वैकुण्ठ, विष्टरश्रवस्, जिन, हषिकेश, केशव, माधव, स्वभू, दैत्यारि, पुण्डरीकाक्ष, गोविन्द, गरुडध्वज, पीताम्बर, अच्युत, शार्गि, विष्वक्सेन, जनार्दन, दामोदर, इन्द्रावरज, चक्रपाणि, चतुर्भुज, पद्मनाभ, मधुरिपु, भीम, त्रिविक्रम, देवकीनन्दन, शौरि, श्रीपति, पुरुषोत्तम, वनमालिन्, बलिध्वंसिन, कंसाराति, अधोक्षज, विश्वम्भर, कैटभजित, विधु, श्रीवत्सलाञ्छन, पुराणपुरुष, यज्ञपुरुष, नरकान्तक, जलशायिन्, मुकुन्द, उपेन्द्र, मुरमर्दन, राम, वामन, नरसिंह, वराह और भविष्य में होने वाला अवतार कल्कि यह अवतार भगवान विष्णु का ही अवतार है।

# क्यों अपनी ही पुत्री की ओर आकर्षित हुए ब्रह्मा

**सरस्वती** का अर्थ होता है बहाव। यह बहाव केवल पानी का नहीं बल्कि विद्या और कला का भी है। यही वजह है कि इन्हें विद्या और कला की देवी भी कहा जाता है। सरस्वती के द्वारा विज्ञान, संगीत और कविताओं की रचना की गई है। ऋग्वेद में सरस्वती को दैवीय नदी की भी संज्ञा दी गई है। साथ ही इन्हें पवित्रता और उर्वरता की देवी भी कहा गया है। सरस्वती को अन्य नामों से भी पुकारा जाता है, जिनमें भागेश्वरी, सतरूपा, ब्राहमी, पृथुदर, बकदेवी, बिरज, शारदा आदि प्रमुख हैं। हिन्दू धर्म से जुडे पौराणिक इतिहास पर नजर डालें तो कई ऐसी कहानियां सुनने को मिल जाएंगी जिनसे अभी तक आमजन वाकिफ नहीं हैं। विस्तृत इतिहास होने की वजह से कुछ घटनाएं छूट जाती हैं तो कुछ नजरअंदाज कर दी जाती हैं। इन्हीं कहानियों में से एक हैं सृष्टि के रचयिता ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की घटना ।यह बात तो हम सभी जानते हैं कि त्रिदेव के हाथों में ही इस सृष्टि की बागडोर समाहित है। ब्रहमा के पास सृष्टि की रचना का दायित्व है तो विष्णु के पास संरक्षण का, वहीं देवों के देव कहे जाने वाले महादेव शिव को विनाश का जिम्मा सौंपा गया है। इसी विनाश के बाद फिर से शुरू होता है सृजन का चक्र। ब्रहमा का अपनी ही बेटी के साथ विवाह करने की इस घटना का उल्लेख सरस्वती पुराण में वर्णित है। सरस्वती पुराण के अनुसार सृष्टि की रचना करते समय ब्रहमा ने सीधे अपने वीर्य से सरस्वती को जन्म दिया था। इसलिए ऐसा कहा जाता है कि सरस्वती की कोई मां नहीं केवल पिता, ब्रहमा थे।

सरस्वती को विद्या की देवी कहा जाता है, लेकिन विद्या की यह देवी बेहद खूबसूरत और आकर्षक थीं कि स्वयं ब्रहमा भी सरस्वती के आकर्षण से खुद को बचाकर नहीं रख पाए और उन्हें अपनी अर्धांगिनी बनाने पर विचार करने लगे। सरस्वती ने अपने पिता की इस मनोभावना को भांपकर उनसे बचने के लिए चारो दिशाओं में छिपने का प्रयत्न किया लेकिन उनका हर प्रयत्न बेकार साबित हुआ। इसलिए विवश होकर उन्हें अपने पिता के साथ विवाह करना पडा। ब्रहमा और सरस्वती करीब 100 वर्षों तक एक जंगल में पति-पत्नी की तरह रहे। इन दोनों का एक पुत्र भी हुआ जिसका नाम रखा गया था स्वयंभु मनु। इसके उलट मत्स्य पुराण के अनुसार ब्रहमा के पांच सिर थे। कहा जाता है जब ब्रहमा ने सृष्टि की रचना की तो वह इस समस्त ब्रहमांड में अकेले थे। ऐसे में उन्होंने अपने मुख से सरस्वती, सान्ध्य, ब्राहमी को उत्पन्न किया। ब्रहमा अपनी ही बनाई हुई रचना, सरवस्ती के प्रति आकर्षित होने लगे और लगातार उन पर अपनी दृष्टि डाले रखते थे। ब्रहमा की दृष्टि से बचने के लिए सरस्वती चारो दिशाओं में छिपती रहीं लेकिन वह उनसे नहीं बच पाईं ।इसलिए सरस्वती आकाश में जाकर छिप गईं लेकिन अपने पांचवें सिर से ब्रहमा ने उन्हें आकाश में भी खोज निकाला और उनसे सृष्टि की रचना में सहयोग करने का निवेदन किया। सरस्वती से विवाह करने के पश्चात सर्वप्रथम मनु का जन्म हुआ। ब्रहमा और सरस्वती की यह संतान मनु को पृथ्वी पर जन्म लेने वाला पहला मानव कहा जाता है। इसके अलावा मनु को वेदों, सनातन धर्म और संस्कृत समेत समस्त भाषाओं का जनक भी कहा जाता है।

प्रजापति ब्रहमा का अपनी ही पुत्री के प्रति आकर्षित होना और उसके साथ संभोग करना अन्य सभी देवताओं की नजरों में अपराध था। सभी ने मिलकर पापों का सर्वनाश करने वाले शिव से आग्रह किया कि ब्रहमा ने अपनी पुत्री के लिए यौनाकांक्षाएं रखीं, जोकि एक बडा पाप है, ब्रहमा को उनके किए का फल मिलना ही चाहिए। क्रोध में आकर शिव ने उनके पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया था। शिव पुराण के अनुसार ब्रहमा के सर्वप्रथम पांच सिर थे। लेकिन जब अपने पांचवें मुख से उन्होंने सरस्वती जोकि उनकी पुत्री थी, को उनके साथ संभोग करने के लिए कहा तो क्रोधावश सरस्वती ने उनसे कहा कि तुम्हारा यह मुंह हमेशा अपवित्र बातें ही करता है जिसकी वजह से आप भी विपरीत ही सोचते हैं। इसी घटना के बाद एक बार भगवान शिव, अपनी अर्धांगिनी पार्वती को ढूंढते हुए ब्रहमा के पास पहुंचे तो पांचवें सिर को छोडकर उनके अन्य सभी मुखों ने उनका अभिवादन किया, जबकि पांचवें मुख ने अमंगल आवाजें निकालनी शुरू कर दी। इसी कारणवश क्रोध में आकर शिव ने ब्रहमा के पांचवें सिर को उनके धड से अलग कर दिया।

# घर में इसलिए रखते हैं हरे पौधे

**घर** में यदि आप हरे पौधों को रखते हैं, तो यह घर के वास्तु दोषों को दूर करने में सहायक होते हैं। इनमें सबसे ज्यादा तुलसी के पौधे को महत्व दिया जाता है। तुलसी के पौधे से जब हवा स्पर्श कर बहती है, तब वह घर के पर्यावरण को भी स्वस्थ्य रखती है। प्रदूषण और रोग निवारण में तुलसी का पौधा औषधि है। इस घर में अवश्य ही लगाएं। ठीक इसी तरह पृथ्वी के नीचे कहीं-कहीं निगेटिव स्ट्रीम(झिर) होती है। यदि यह स्ट्रीम दुकान या फैक्ट्री पर हो तो गंभीर रोगों से प्रभावित हो सकता है। यह गंभीर रोग जैसे हदय रोग, मधुमेह, लकवा और केंसर हो सकते हैं। तुलसी का पौधा यदि घर में है तो यह स्ट्रीम निष्क्रीय हो जाती है।

हरे पौधे विकास का प्रतीक भी माने जाते हैं। जो घर के अंदर रखने से मंगलमय यानी सकारात्मक ऊर्जा को प्रवाहित करते हैं। ठीक इसी तरह वास्तु शांति के लिए घर के अंदर हवन भी हर माह जरूर करवाना चाहिए। हवन का धुंआ घर में उपस्थित निगेटिव एनर्जी, वास्तु दोषों के साथ रोग फैलाने वाले कीटाणुओं का भी अंत कर देता है। जिससे कि आपकी जिंदगी खुशनुमा तरीके से व्यतीत होती है।

# इन उपायों से होगी आपकी कई मनोकामनाएं पूरी

**हमारे** जीवन में सुख दुख तो लगा रहता है जिस कारण हम परेशान भी होते है । सभी चाहते हैं कि उसके जीवन में खुशहाली रहे और सुख-शांति बनी रहे पर हर व्यक्ति के साथ ऐसा नहीं होता। जीवन में सुख और शांति का बना रहना काफी मुश्किल होता है। ऐसे में कुछ उपायों को अपनाकर शायद हम अपने जीवन को खुशहाल बना सकते हैं। तुलसी के पौधे को प्रतिदिन जल चढाएं तथा गाय के घी का दीपक लगाएं। रविवार को पुष्य नक्षत्र में श्वेत आक की जड लाकर उससे श्रीगणेश की प्रतिमा बनाएं फिर उन्हें खीर का भोग लगाएं। लाल कनेर के फूल तथा चंदन आदि के उनकी पूजा करें। तत्पश्चात गणेशजी के बीज मंत्र (ऊँ गं) के अंत में नम: शब्द जोडकर 108 बार जप करें। सुबह गौरी-शंकर रुद्राक्ष शिवजी के मंदिर में चढाएं। सुबह बेल पत्र (बिल्ब) पर सफेद चंदन की बिंदी लगाकर मनोरथ बोलकर शिवलिंग पर अर्पित करें। बड के पत्ते पर मनोकामना लिखकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोरथ पूर्ति होती है। मनोकामना किसी भी भाषा में लिख सकते हैं। नए सूती लाल कपडे में जटावाला नारियल बांधकर बहते जल में प्रवाहित करने से भी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं। इन प्रयोगों को करने से आपकी सभी मनोकामनाएं शीघ्र ही पूरी हो जाएंगी। सुबह घर से काम के लिए निकलने से पहले नियमित रूप से गाय को रोटी दें। एक पात्र में जल लेकर उसमें कुंकुम डालकर बरगद के वृक्ष पर नियमित रूप से चढाएं। सुबह घर से निकलने से पहले घर के सभी सदस्य अपने माथे पर चन्दन तिलक लगाएं। मछलियों की आटे की गोली बनाकर खिलाएं। चींटियों को खोपरे व शकर का बूरा मिलाकर खिलाएं। शुद्ध कस्तूरी को चमकीले पीले कपडे में लपेटकर अपनी तिजोरी में रखें।

सलाह

# क्यों होता है बच्चों में टेंशन, जाने कारण

एक्सपर्ट्स की सलाह से टेंशन को समझने और उससे उबरने के तरीके बता रहे हैं। हालांकि आजकल की टेंशन भरी जिंदगी में उन पर भी टेंशन की छाया आ सकती है। 2-3 साल तक के बच्चों से लेकर 16-17 साल की उम्र पार करने तक उन्हें किसी भी वजह से टेंशन हो सकती है।

**पैरंट्स का बर्ताव:** अक्सर बच्चों में अपने भाई-बहनों को अधिक अटेंशन मिलने के कारण टेंशन देखा जाता है। दूसरे भाई-बहन के जन्म के बाद पैरंट्स का अटेंशन नवजात शिशु पर अधिक हो जाता है और पहले बच्चे को मिलने वाला अटेंशन कम हो जाता है। नवजात शिशु के पास जाने के लिए भी उसे कई तरह की हिदायतें दी जाती हैं और जरा-सी लापरवाही पर उसे डांट पिला दी जाती है। इस तरह दूसरे बच्चे को मिलने वाले ज्यादा अटेंशन और प्यार के कारण उसमें हीन भावना आ जाती है। उसका मन उदास रहने लगता है।

**पढ़ाई का बोझ, एग्ज़ाम्स का टेंशन:** आज बच्चों के बस्ते पहले के मुकाबले काफी भारी हो गए हैं। उनके सब्जेक्ट्स भी बढ़े हैं और हर महीने क्लास टेस्ट, यूनिट टेस्ट, ट्यूशन टेस्ट आदि का दबाव अलग। किसी एक सब्जेक्ट में अच्छी पकड़ न बनने के कारण वह लगातार उसमें कमजोर होता जाता है। ऐसे में एग्ज़ाम्स के दौरान भी वे टेंशन में रहते हैं। सभी पैरंट्स अपने बच्चे को फर्स्ट पोज़िशन पर देखना चाहते हैं। इस कारण एग्ज़ाम्स के दौरान ज्यादा पढ़ाई और पूरी नींद न ले पाने के कारण टेंशन घेर लेता है।

**मानसिक और शारीरिक टॉर्चर:** प्रताडऩा शारीरिक हो या मानसिक, वह किसी को भी टेंशन में ले जा सकती है। फिर बच्चों का मन तो बहुत कोमल होता है। वह ऐसी स्थिति को कंट्रोल भी नहीं कर पाते। कभी-कभी पैरंट्स ही बच्चों को मारने-पीटने लगते हैं। खुद पर ही नहीं, घर में दूसरों के साथ टॉर्चर का असर भी बच्चों पर पड़ता है

**पैरंट्स का बिजी रहना:** बच्चे सबसे अधिक अपने पैरंट्स के करीब होते हैं। पैरंट्स के साथ होने से उनमें कॉन्फिड़ेंस आता है। लेकिन आजकल जब पैरंट्स वर्किंग हैं तो ऐसे में वह अपने बच्चों के साथ वक्त नहीं बिता पाते और बच्चे खुद को अकेला पाकर टेंशन से घिरने लगते हैं।

**दोस्तों से लड़ाई:** दोस्ती एक खूबसूरत रिश्ता है और बचपन की दोस्ती का तो कहना ही क्या। इसमें दरार पड़ते ही किसी का भी मूड खराब हो सकता है। अक्सर लोग दोस्तों के साथ ही अपनी बातें शेयर करते हैं। बच्चों के लिए भी उनके दोस्त काफी अहम होते हैं। ऐसे में दोस्तों से लड़ाई उन्हें टेंशन में ला सकती है।

**घर में टेंशन का माहौल:** घर में यदि टेंशन भरा माहौल है तो उसमें बच्चे का टेंशन में आना स्वाभाविक है। आज की बदलती लाइफस्टाइल और तेजी से बढ़ते शहरों में रिश्तों की विश्वसनीयता घटती जा रही है और तलाक के मामले बढ़ते जा रहे हैं। जिससे बच्चों पर भी असर पड़ता है।

### पॉकेट मनी का असर

पैसों की परेशानी सिर्फ बड़ों को ही नहीं बल्कि बच्चों को भी टेंशन में डालती है। बच्चे जब स्कूल जाते हैं तो उनके बीच में कुछ अमीर बच्चे होते हैं। जिनकी पॉकेट मनी ज्यादा होती है। ऐसे में पैसों की कमी के कारण बच्चा चिड़चिड़ा हो सकता है। वह पैरंट्स से नई चीजें खरीदने के लिए जिद कर सकता है और मना करने पर टेंशन में आ सकता है।

# खूबसूरत दिखने के आसान नुस्खे

सुंदर दिखना हर किसी की चाहत होती है। इसके लिए जरूरी नहीं है कि आप मंहगे उत्पाद का प्रयोग करें या ब्यूटी पार्लर पर जाए। चेहरे की खूबसूरती को निखारने के लिए जरूरी है कि आप इसका खास ख्याल रखें। जानिए कुछ आसान उपाय जिनसे आपकी खूबसूरती बरकरार रहेगी।

### झुर्रियों करें दूर

एक चम्मच शहद में कुछ बूंदे नींबू के रस की मिलाकर चेहरे पर लगाने से चेहरे पर झुर्रियाँ नहीं पड़ती है।

### चमक रखे बरकरार

एक चम्मच गुलाबजल और एक चम्मच दूध के मिश्रण में दो तीन बूंद नींबू का रस मिलाकर इसे चेहरे पर लगाने से त्वचा की कोमलता व चमक बनी रहती है।

### स्क्रबिंग के लिए

टमाटर का टुकड़ा लेकर चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें, चेहरे की सारी गंदगी साफ हो जाएगी। त्वचा को निखारने के लिए स्क्रबिंग बहुत जरूरी है। स्क्रब त्वचा की मृत कोशिकाओं, धूल इत्यादि को हटाकर रोमछिद्रों को बंद होने से रोकता है।

### तैलीय त्वचा से पाएं छुटकारा

एक चम्मच नींबू का रस में एक चम्मच गुलाब जल और पिसा हुआ पुदीना मिलाकर 1 घंटे रखें। फिर चेहरे पर लगाकर 20 मिनट बाद धो लें। इससे चेहरे का चिपचिपापन दूर हो जाएगा।

### कैसे पाएं निखार

त्वचा में निखार लाने के लिए थोड़े-से चोकर में एक चम्मच संतरे का रस, एक चम्मच शहद व गुलाब जल मिलाकर पेस्ट बनाएं। इस पेस्ट को चेहरे और गर्दन पर लगाएं। सूखने पर धो डालें।

### त्वचा में कसावट

चेहरे व गर्दन पर शहद लगाएं। थोड़ा सा सूखने के बाद अंगुलियों से चेहरे पर मसाज करें। शहद के सूखने के बाद गुनगुने पानी से इसे साफ करें। इससे त्वचा में कसाव आएगा।

### डार्क सर्कल से बचें

आंखों के नीचे झुर्रियां व डार्क सर्कल से बचने के लिए बादाम के तेल में शहद मिलाकर लगाएं और इस हल्के हाथों से मलें और धो लें।

### क्लीजिंग के लिए

चेहरे से मेकअप को हटाने व धूल मिट्टी से बचाने के लिए क्लीजिंग जरूरी है। इसके लिए चावल के आटे में दही मिलाकर पेस्ट बनाएं और इसे चेहरे एवं गर्दन पर अच्छी तरह मलें। इसके बाद चेहरा धो लें।

### रुखी त्वचा से बचें

नारियल के तेल में शहद और संतरे का रस मिला लें और इसे रुखी, फटी हुई त्वचा पर लगाएं। इस मिश्रण के सूखने के बाद गुनगुने पानी से धो लें और हल्के हाथ से पोंछकर नारियल का तेल या कोई और मॉइश्चराइजर लगा लें।

### दाग-धब्बे

चेहरे पर काले दागों को हटाने के लिए टमाटर के रस में रुई भिगोकर दागों पर लगाएं। इससे काले धब्बे साफ हो जाएंगे।

### मुंहासों से पाएं छुटकारा

आलू उबाल कर छिलके छील लें और इसके छिलकों को चेहरे पर रगड़ें, मुंहासे ठीक हो जाएंगे।

# इन एक्सरसाइज से पाएं झुर्रियों से छुटकारा

प्रेग्नेंसी के बाद स्किन लटकना, मोटा होना या फिर जरूरत से ज्यादा पतला हो जाना। इस तरह की समस्या आम होती है। कुछ विशेषज्ञों का कहना है कि सभी महिलाएं झुर्रियों से मुक्ति पा सकती हैं। इसके लिए उन्हें कुछ खास किस्म की एक्सरसाइज करनी होगी। अकसर महिलाओं की स्किन प्रेग्नेंसी के बाद लटकती है। दरअसल गर्भावस्था के दौरान महिलाओं का शरीर फैल जाता है। इससे उनकी स्किन भी फैलती है। लेकिन डिलीवरी के बाद स्किन वापस अपनी स्थिति में नहीं आ पाती। इसे आप ऐसे भी समझ सकती हैं। एक रबर बैंड के बारे में सोचिए। उसे आप जितना खींच सकती हैं, खींच लें। इसके बाद क्या वह अपनी पुरानी स्थिति में आ सकता है? नहीं। क्योंकि उसकी इलास्टिक ढीली हो चुकी होती है। ठीक ऐसी ही महिला की त्वचा होती है। यह ढीली होने के बाद आसानी से अपनी पुरानी स्थिति में नहीं लौट पाती। ऐसा खासकर उन महिलाओं के साथ होता है, जितना तेजी से वजन बढ़ता है और तेजी से वजन घट जाता है। अगर कोई महिला कभी मोटी नहीं भी हुई हो, तो भी एक समय सीमा के बाद त्वचा अपने आप लटकने लगती है। क्योंकि वह अपनी इलास्टिसिटी खो देती है।

**क्या एक्सरसाइज से स्किन टाइट हो सकती है?:** सामान्यत: किसी भी एक्सरसाइज से स्किन टाइट नहीं हो सकती है। दअरसल कोई भी ऐसी एक्सरसाइज नहीं है जिससे स्किन वापिस अपनी पुरानी स्थिति में लौटकर आ सके। हालांकि कुछ ऐसे मेथड हैं जिनके जरिए स्किन पहले जैसी न सही मगर कुछ बेहतर स्थिति में आ सकती है। इसके लिए महिलाओं को चाहिए कि वह कम कैलोरी वाले आहार ले। उन्हें यह बात दें कि फैड युक्त आहार न लें। इससे वजन घट सकता है। अत: इससे आप पतली तो हो सकती हैं। लेकिन त्वचा लटने वाली ही रह जाएगी। मतलब यह कि अपनी जीवनशैली में कोई भी ऐसी डाइट न शामिल करें जिससे वजन कम हो।

### स्किन कैसे टाइट करें?

इसके लिए कुछ विशेष नहीं करना है। हर महिला को चाहिए कि वह रोजाना एक्सरसाइज करे। आपकी एक्सरसाइज में बैलेंस होना बहुत जरूरी है। कार्डियो के साथ साथ ट्रेनिंग भी लें। क्योंकि इससे आपकी फिगर आकर्षक बनेगा। तो साथ ही बाडी स्ट्रेंथ भी बढ़ेगी। इससे त्वचा को भी लाभ होगा और मसल्स के लिए भी असरकारक साबित होगा। महिलाएं चाहें वेट लिफ्टिंग कर सकती हैं। इससे उनके शरीर को एक आकर्षक आकार मिल सकता है।

### चिंता का नाम ओ.सी.डी

कुछ लोगों को किसी काम या आदत की धुन इस कदर सवार होती है कि वह सनक बन जाती है और बीमारी का रूप ले लेती है। इससे उनकी लाइफ पर बुरा असर पड़ता है। ऐसे लोग ऑब्सेसिव कंप्लसिव डिसॉर्डर (ओसीडी) से पीड़ित होते हैं। दिक्कत यह है कि ज्यादातर लोग यह मानने को तैयार नहीं होते कि उन्हें ऐसी कोई समस्या है। हालांकि अगर वे वास्तविकता को स्वीकार कर लें, तो इलाज काफी आसान हो जाता है।

सुझाव

# चावल के पानी से चेहरा धोने के फायदे

उबले चावल के पानी के स्वास्थ्य लाभों के बारे में शायद आप जानते होंगे। लेकिन क्या आप जानते हैं कि यह पानी सेहत के लिए जितना फायदेमंद है, त्वचा के लिए उतना ही गुणकारी। का चावल पानी आपकी खूबसूरती में चार चांद लगा सकता है। त्वचा की देखभाल के लिए घरेलू उपायों का प्रयोग करने वालों को पके चावल के पानी से बहुत फायदा हो सकता है। चावल के पानी का इस्तेमाल त्वचा की देखभाल के लिए भी किया जा सकता है। सप्ताह में एक बार इस घरेलू उपाय का इस्तेमाल करने से सौंदर्य से जुड़ी कई समस्याओं का निदान आसानी से हो जाता है।

### त्वचा के लिए चावल का पानी

चावल के पानी में मौजूद प्रोटीन, विटामिन और एंटी-ऑक्सीडेंट की पर्याप्त मात्रा के कारण यह त्वचा में नमी बरकरार रहती है। इसके इस्तेमाल से त्वचा की रंगत निखरती है। चेहरे के दाग-धब्बों और झुर्रियों दूर होती है। इसके अलावा त्वचा में कसावट आती है और पोर्स टाइट होते हैं। इन खूबियों के चलते यह पानी एक अच्छा क्लींजर भी है।

### इस्तेमाल करने का तरीका

- » एक कप चावल को अच्छी तरह से साफ करके पानी में भिगो दें।
- » आधे घंटे के बाद जब चावल में मौजूद पोषक तत्व पानी में घुल जाये तो बर्तन को गैस में रख दें और चावल को पकने दें।
- » चावल पकने के बाद उसका माड़ निकाल लें और इसे ठंडा होने के लिए छोड़ दें।
- » फिर इस पानी से अपने चेहरे पर हल्के हाथों से मसाज करें।
- » मसाज करने के 10 मिनट बाद चावल के पानी से ही अपना चेहरा धोकर सूखे कपड़े से चेहरा पोंछ लें।
- » आपको तुरंत अपनी त्वचा में बदलाव नजर आने लगेगा।

### बालों के लिए फायदेमंद

त्वचा के साथ-साथ बालों के लिए भी चावल का पानी बहुत फायदेमंद होता है। अगर आप पतले और बेजान बालों की समस्या से परेशान है तो चावलों के पानी से बालों को धोये। चावल के पानी से बालों को धोने से बाल घने होने के साथ-साथ बालों में चमक भी बनी रहती है। चावल के पानी को अपने बालों में लगाकर 20 मिनट के लिए छोड़ दें। फिर शैम्पू और कंडीशनर से धो लें। आप महंगे ट्रीटमेंट के बिना पा सकते हैं, सुंदर और चमकीले बाल। लेकिन इस उपाय को अपनाने से पहले चिकित्सक से सलाह जरूर लें।

# रोजाना काम आने वाले छोटे-छोटे किचन टिप्स

किचन का रख-रखाव आसान काम नही है। इसमें इस्तेमाल होने वाली हर खाने की चीज जैसे सब्जियां, दालें, बिस्किट के अलावा और भी बहुत सा जरूरी सामान होता है जिसे बहुत संभालकर रखने की जरूरत होती है। किचन से जुड़ी इन छोटी-छोटी बातों के बारे में हर औरत को पता होना जरूरी है, जिससे उनकी रोज-रोज बिना वजह दोहराई जाने वाली गलतियां दूर हो जाएंगी और काम भी आसान हो जाएगा।

### इन चीजों को फ्रिज से रखें दूर

हम लोग अक्सर हर चीज को फ्रिज में रख देते हैं जैसे ब्रैड,आलू, केले और सेब। इन चीजों को बिना फ्रिज के बेहतर तरीके से स्टोर कर सकते हैं। आलू को फ्रिज में रखने से इसका स्वाद मीठा हो जाता है। टमाटर का स्वाद खराब और केले जल्दी खराब हो जाते हैं।

### नॉनवेज को फ्रिजर में करें डिफ्रॉस्ट

नॉनवेज को पानी में न रखें। एक बाउल में मीट रखकर इसको फ्रिजर में डीफ्रॉस्ट करना चाहिए। पानी में रखने से इसका टेस्ट और जरूरी पोषक तत्व खराब हो जाते हैं।

### ऐसे मैश न करें आलू

आलू को मैश करने के लिए ब्लैडर का इस्तेमाल न करें। इससे यह चिपचिपे हो जाते हैं। इसका स्वाद बनाए रखने के लिए सिंपल तरीके से इसे मैश करें।

### ऐसे उबालें पास्ता

पास्ता उबाल रहे हैं तो इसको पैन में डालकर गैस पर रख दें और एक मिनट के लिए करछी से न हिलाएं। इससे पास्ता खराब नहीं होगा।

### ऐसे स्टोर करें ब्रैड

ब्रैड को फ्रिज में स्टोर करना है तो इसे अच्छी तरह से कवर करके ही रखें। इससे यह नहीं सूखेगी और बाकी चीजों का स्मैल भी इसमें नहीं जाएगी।

# सेहत ही नहीं, चेहरे के लिए भी फायदेमंद है चॉकलेट

हर कोई चॉकलेट खाना पंसद करता है खास कर लड़कियां। इसे खाना सेहत के लिए भी बहुत फायदेमंद होता लेकिन सेहत के साथ-साथ ये त्वचा के लिए भी बहुत लाभदायक होती है। इसका फैस मास्क बना कर लगाने से चेहरे के दाग-धब्बे, रुखी त्वचा, झुर्रियां आदि ठीक हो जाते है। इसके अलावा इससे स्किन ग्लोंइन हो जाती है।

तो आइए जानते है किस तरह चॉकलेट के इस्तेमाल से आप अपनी सुंदरता को ओर निखार सकती है।

### झुर्रियां और दाग धब्बे

चॉकलोट में एंटीऑक्सीडेंट भरपूर मात्रा में होते है। इसे चेहरे पर लगाने से झुर्रियां और दाग धब्बे ठीक हो जाएंगे। इसके लिए एक-तिहाई कप में कोको पाउडर, 3 चम्मच शहद और कुछ नींबू की बूंदे मिलाएं। इसे अच्छी तरह मिलाने के बाद 20 मिनट तक चेहरे पर लगाएं। इसके बाद चेहरे को ठंडे पानी से धों लें। इससे त्वचा मुलायम होगी और चेहरे पर निखार आ जाएगा।

### रुखी त्वचा

डार्क चॉकलेट में विटामिन, कैल्शियम, आयरन पाया जाता है।। इसे चेहरे पर मास्क की तरह लगाने से स्किन पर नैचुरल ग्लो आता है। इसमें कोको पाउडर, क्रीम, हनी और ओटमिल मिली कर अच्छी तरह मिक्स कर लें। इस पैक को हफ्ते में एक बार लगाने से कुछ ही समय बाद आपको चेहरे पर फर्क दिखने लगेगा।

### चेहरे पर नमी

डार्क चॉकलेट में मौजूद एंटी-इनफ्लैमेटरी चेहरे में नमी को बनाकर उसे ड्राई होने से बचाते है। इसे लगाने से चेहरा मुलायम हो जाता है। इसके अलावा ये रक्त शर्करा के स्तर को नियंत्रित करके चेहरे पर कोमलता बनाए रखती है।

### सूर्य की किरणें

अक्सर महिलाएं सूरज की किरणों से बचने के लिए सन-सक्रीन क्रीम ले आती है। पर अब आपको इसके लिए पैसे खर्च करने की जरुरत नहीं है। डार्क चॉकलेट को पिघलाकर चेहरे पर लगाने से आप सूरज की किरणों से बचे रहेंगे। इसके अलावा ये सनबर्न और रेडनेस भी ठीक करता है।

### स्ट्रेच मार्क्स

चॉकलेट के अंदर लिनोलियम एसिड पाया जाता है। इसको चेहरे पर लगाने से स्ट्रेच मार्क्स पूरी तरह खत्म हो जाते है। इसे लगाने पर आपको इसके बेहतर परिणाम देखने को मिलेंगे। इसे खाने से चेहरे को बहुत से पोषक तत्व मिलते है जिससे आप बेदाग निखार पा सकती है।

रेसिपी

## साबूदाना भेल

### सामग्री

आधा कप साबूदाना, 1 आलू (टुकड़ों में कटा हुआ), चुटकीभर लाल मिर्च पाउडर, 1 बड़ा चम्मच मूंगफली, 1 बड़ा चम्मच काजू, 1 छोटा चम्मच नींबू का रस, 2 चम्मच तेल, सैंधा नमक स्वादानुसार, सजावट के लिए, 1 बड़ा चम्मच बारीक कटी हुई धनिया पत्ती

### विधि

साबूदाने को अच्छे से धोकर साफ कर लें और 2 से 3 घंटे के लिए भिगो कर रख दें। धीमी आंच में एक पैन में तेल गर्म करने के लिए रखें। तेल के गर्म होते ही आलू के टुकड़ों को सुनहरा होने तक फ्राई कर लें। जैसे ही आलू के टुकड़े गोल्डन ब्राउन हो जाएं इन्हें एक प्लेट में निकालकर रख लें। आलू के बाद मूंगफली और काजू भी तलकर कटोरी में निकाल लें। अब दोबारा तेल डालें और तेल के गर्म होते ही पैन में साबूदाना डालें। जैसे ही साबूदाना सॉफ्ट हो जाए इसमें आलू के टुकड़े, मूंगफली,काजू, लाल मिर्च पाउडर और नमक मिलाकर 1 मिनट तक पकाएं और आंच बंद कर दें। साबूदाना भेल तैयार है। धनिया पत्ती से गार्निश कर सर्व करें।

## प्याज उत्तपम

### सामग्री

चावल 3 कप, उरद की धुली दाल 1 कप, दाना मेंथी एक छोटा चम्मच, प्याज 2 बारीक कटे हुए, हरी मिर्च 2 बारीक कटी, हरी धनिया बारीक कटी हुई, नमक स्वादानुसार, तेल सेकने के लिये।

### विधि

उरद की दाल, चावल और मेथी को धोकर रात भर के लिये पानी में अलग अलग भिगो दें। भीगी हुई दाल से पानी निकाले और कम पानी डाल कर उरद दाल और मेथी को एक दम बारीक पीस कर किसी बड़े बर्तन में निकाल लीजिये। चावल को भी कम पानी का प्रयोग करते हु, थोड़ा सा मोटा पीसिए, दोनों को मिलाइये तथा गाढ़ा घोल तैयार कीजिये। मिश्रण को फरमैन्ट करने के लिये नमक डालकर, ढककर गरम जगह पर 12-14 घंटे के लिये रख दीजिये। फरमेन्ट किया हुआ मिश्रण फूलकर दोगुना हो जाता है। उत्तपम बनाने के लिये मिश्रण तैयार है। तवे को गरम कर के उस पर चौथाई चम्मच तेल डालें करीब दो करछी घोल गरम तवे पर गोल आकार में फैला दें। ऊपर से बारीक कटा प्याज, हरी धनिया और हरी मिर्च फैला दें। जब निचला भाग सिंक जाए तब धीरे से पलट कर दूसरी तरफ भी सेंक लें इसी तरह से दोनों तरफ से सुनहरा सेक लें। नारियल की चटनी और सांभर के साथ गरमागरम परोसे।

संपादकीय

# मौत की इमारतों की राजधानी

**दिल्ली** देश की राजधानी है अथवा मौत की इमारतों का महानगर है! यह इसलिए कहना पड़ रहा है, क्योंकि हाल ही में मालवीय नगर के एक 'अवैध', संकरे कथित होटल में अग्निकांड हुआ, जिसमें 22 जिंदगियां भस्म होकर राख बन गईं। कभी राजेन्द्र नगर में बारिश का पानी भर जाता है, उसमें करंट भी प्रवाहित होने लगता है, नतीजतन आधा दर्जन युवा छात्र अचानक लाश बन जाते हैं। वे आईएएस बनने का सपना लिए पढ़ाई कर रहे थे, लेकिन मौत ने सब कुछ छीन लिया। कभी लक्ष्मीनगर में हादसा हुआ और फिर युवा जिंदगियों पर विराम लग गया। इसी जुलाई में ही रोहिणी में इमारत गिरी, साकेत और करोल बाग में हादसे हुए। मुस्तफाबाद में 11 मौतें इससे पहले हो चुकी थीं। ये हादसे, मौतें नहीं, बल्कि हत्याएं हैं, क्योंकि बचने के बंदोबस्त 'शून्य' थे। और अब संभ्रांत कॉलोनी मोतीबाग के पास सत्य निकेतन में भी एक 5-मंजिला इमारत जमींदोज हो गई। रविवार रात तक 5 मौतों की पुष्टि की जा चुकी थी। तीन छात्र अस्पताल में जिंदगी-मौत के बीच संघर्ष कर रहे हैं। मौतों की संख्या अधिक भी हो सकती है, क्योंकि 25-30 छात्रों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई गई है। इन तमाम इमारतों में एक तथ्य साझा है कि सभी 'अवैध' थीं। न अग्निशमन विभाग का एनओसी, न नगर निगम का एनओसी, स्वीकृत मंजिलों से अधिक मंजिलों का निर्माण और कई इमारतें तो सालों पुरानी थीं, जिनका रखरखाव भी नहीं किया गया था। सत्य निकेतन वाली इमारत भी 36 साल पुरानी बताई गई है। उस पर विभाग ने सील लगा दी थी, लेकिन फिर न जाने कैसे, वह सील भी खुल गई और यह हत्याकांड हो गया। इस इमारत की तीन मंजिलें 'अवैध' थीं, क्योंकि उसे भूतल और पहली मंजिल बनाने की ही अनुमति दी गई थी, लेकिन भूतल के ऊपर भी चार मंजिलों का निर्माण कर लिया गया। दिल्ली नगर निगम के एक पूर्व चेयरमैन और फायर ब्रिगेड के पूर्व निदेशक ने चौंका देने वाला खुलासा किया है कि दिल्ली में करीब 75 लाख इमारतें हैं। उनमें से करीब 1.75 लाख इमारतों के नक्शे पास हैं। शेष सभी इमारतें अवैध और अतिक्रमण की हैं। देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी 'खलनायक' नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। बहरहाल दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241.51 एकड़ जमीन पुनः वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है। एक अनुमान है कि 70-75 फीसदी दिल्ली में अवैध या अतिक्रमण वाले कब्जे या निर्माण हैं। झुग्गी-झोपडियों पर बुलडोजर चला कर तो गरीबों को बेघर किया जा सकता है, लेकिन राजधानी में जो अतिक्रमणकारी फॉर्म हाउस हैं, उन पर निर्णायक, मिट्टी-मलबा करने वाली कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? यदि कोई कार्रवाई की गई है, तो दिखावे के लिए कुछ आंशिक तोड़-फोड़ जरूर की गई है। बहरहाल सत्य निकेतन की जो इमारत गिरी है, उसमें डिब्बेनुमा कुछ कमरे बनाए गए थे, जिन्हें 'हॉस्टल' का नाम दिया गया था। एक कमरे में, एक बिस्तर का किराया 15,000-18,000 रुपए माहवार वसूल रहे थे। संकरे रास्ते, संकरी-एकतरफा सीढियां और आपातकालीन बंदोबस्त 'शून्य' थे। ऐसी इमारत के बेसमेंट में, बरसात के मौसम में, भरे पानी की स्थिति में कुछ निर्माण-कार्य किया जा रहा था। ऐसे में नींव का एक पिलर खिसका और पूरी इमारत धड़ाम से धरती पर गिरी। इन कमरों में केरल, हरियाणा, उप्र और खासकर पूर्वोत्तर राज्यों के वे छात्र रहते थे, जो दिल्ली विश्वविद्यालय में पढ़ाई कर रहे थे।

देश की राजधानी में 1731 अनधिकृत कॉलोनियां हैं। उनमें से 1511 को अधिकृत, नियमित करने के मद्देनजर पीएम-उदय योजना के तहत रखा गया है। एक पुख्ता वोट बैंक की तैयारी...लेकिन यह कितना भयावह यथार्थ है! यदि इन अवैध, अनधिकृत इलाकों में कोई इमारत भरभरा कर गिर पड़ती है, तो कल्पना कीजिए कि नुकसान कितना होगा? सरकार मुआवजा भी नहीं देगी। आखिर ये अनधिकृत कॉलोनियां कैसे उभर आईं? किसने इन्हें बनाया और सरकार में किन्होंने इनकी मदद की? ये इमारतें कांग्रेस, भाजपा और आम आदमी पार्टी की सरकारों के दौरान बनी होंगी, लिहाजा कोई एक चेहरा या पार्टी 'खलनायक' नहीं है। इस भ्रष्ट हम्माम में सभी नंगे हैं। बहरहाल दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) ने अप्रैल, 2025 के बाद से 241 .51 एकड़ जमीन पुन: वापस ली है या प्रक्रिया में है। इसके अलावा, 235 एकड़ से अधिक जमीन पर जो अतिक्रमण, अवैध कब्जे थे, उन्हें मुक्त कराने का अभियान भी तय किया गया है। एक अनुमान है कि 70-75 फीसदी दिल्ली में अवैध या अतिक्रमण वाले कब्जे या निर्माण हैं। झुग्गी-झोपडियों पर बुलडोजर चला कर तो गरीबों को बेघर किया जा सकता है, लेकिन राजधानी में जो अतिक्रमणकारी फॉर्म हाउस हैं, उन पर निर्णायक, मिट्टी-मलबा करने वाली कार्रवाई क्यों नहीं की जाती? यदि कोई कार्रवाई की गई है, तो दिखावे के लिए कुछ आंशिक तोड़-फोड़ जरूर की गई है। बहरहाल सत्य निकेतन की जो इमारत गिरी है, उसमें डिब्बेनुमा कुछ कमरे बनाए गए थे, जिन्हें 'हॉस्टल' का नाम दिया गया था।

कुछ अलग

## स्वयं का आविष्कार

**सभा** के सबसे अंधेरे कोने से एक धीमी सी आवाज़ आई। यह आवाज़ दादी की थी। वे बैठकों में बहुत कम बोलती थीं। और जब बोलती थीं, तो उनका अर्थ कई पीढियों बाद समझ में आता था। उन्होंने बिना किसी की ओर देखे कहा, 'जिसे अपना रूप सुहाए, उसे आईना कभी पुराना नहीं लगता।' सभा ने एक-दूसरे की ओर देखा। एक युवा कॉकरोच ने साहस करके पूछा, 'दादी जी, इसका इस नए जीव, मनुष्य से क्या संबंध है?' दादी मुस्कराईं, 'अभी नहीं समझोगे।' सभा और उत्सुक हो गई। 'तो कब समझेंगे', किसी ने पूछा। दादी ने धीरे से कहा, 'पहले उसे आईने बनाने दो। जिस दिन वह अपना चेहरा देखने लगेगा, उस दिन से वह दूसरों का चेहरा बदलना भी चाहेगा।' इतना कहकर वे मौन हो गईं। सभा में कुछ लोग मुस्करा दिए। कईयों ने इसे वृद्धावस्था की पहेली समझा। केवल सबसे वृद्ध कॉकरोच ने धीरे से सिर झुका लिया। उसे मालूम था- दादी भविष्य नहीं बतातीं।

### उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है

# ईओएस-05: भारत की आकाश में आंख

**पृथ्वी** अवलोकन उपग्रह अब शासन व्यवस्था, आपदा राहत, कृषि क्षेत्र, पर्यावरण संरक्षण और राष्ट्रीय सुरक्षा में आवश्यक उपकरण बन गए हैं। ये उपग्रह पृथ्वी की सतह, वायुमंडल और महासागरों के बारे में दूरस्थ संवेदन डेटा प्रदान करते हैं और सरकारों को उन परिवर्तनों पर नज़र रखने में मदद करते हैं जिन्हें जमीनी प्रणालियों द्वारा आसानी से पता नहीं लगाया जा सकता है। भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और GSLV-F17 पर EOS-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है। इन प्रणालियों को एक भू-तुल्यकालिक इमेजिंग उपग्रह द्वारा पूरक किया जा सकता है जो एक बड़े क्षेत्र का लंबे समय तक अवलोकन कर सकता है। यह विशेष रूप से तब महत्वपूर्ण हो जाता है जब घटनाएँ दिनों के बजाय घंटों की अवधि में घटित होती हैं। चक्रवात अचानक तीव्र हो सकते हैं या दिशा बदल सकते हैं, बाढ़ व्यापक क्षेत्र में फैल सकती है, जंगल की आग बुझ सकती है या बेकाबू हो सकती है और समुद्री गतिविधियाँ निरंतर परिवर्तनशील अवस्था में हो सकती हैं। उपग्रहों से लगातार अवलोकन द्वारा ऐसी घटनाओं के बारे में अधिक गतिशील जानकारी अधिकारियों को प्रदान की जा सकती है। इसलिए, पृथ्वी अवलोकन प्रणाली की संरचना में EOS-05 को LEO उपग्रहों के पूरक तत्व के रूप में देखा जाना चाहिए। LEO उपग्रहों का उपयोग विस्तृत चित्र प्राप्त करने के लिए किया जा सकता है और भू-तुल्यकालिक उपग्रह अधिक स्थिरता और निरंतरता प्रदान कर सकते हैं। भारत जैसे विविधतापूर्ण और आपदा-ग्रस्त देश के लिए यह क्षमता अत्यंत महत्वपूर्ण है। चक्रवात, बाढ़, भूस्खलन और वन अग्नि जैसी प्राकृतिक आपदाएँ देश को लगातार प्रभावित करती हैं। प्रभावी आपदा प्रबंधन के लिए प्रारंभिक चेतावनी, त्वरित आकलन और निरंतर निगरानी आवश्यक हैं। बार-बार उपग्रह द्वारा किए गए अवलोकन से अधिकारियों को आपदा की स्थिति के विकास का आकलन करने और प्रभावित क्षेत्रों का शीघ्र पता लगाने में सहायता मिल सकती है। उपग्रह चित्र बाढ़ के दौरान जलमग्न क्षेत्रों का मानचित्रण करने में भी सहायक हो सकते हैं। वन अग्नि की स्थिति में, नियमित निगरानी जले हुए क्षेत्रों में होने वाले परिवर्तनों की निगरानी में उपयोगी हो सकती है। यह निगरानी चक्रवातों के दौरान बदलते मौसम को समझने में भी सहायक हो सकती है। लेकिन तस्वीरों का महत्व तभी तक है जब तक उन्हें उपयोगी उत्पाद में परिवर्तित करने में समय और कुशलता बरती जाए। दरअसल, भारत के लिए असली चुनौती उपग्रह प्रेक्षणों को आपदा प्रबंधन प्लेटफार्मों का अभिन्न अंग बनाना है ताकि प्रशासकों, आपदा प्रबंधन एजेंसियों और स्थानीय अधिकारियों को वास्तविक समय में और आसानी से उपयोग किए जा सकने वाले प्रारूप में जानकारी मिल सके। इसका उद्देश्य डेटा संग्रहण और निर्णय लेने के बीच की दूरी को कम करना है। ईओएस-05 और भारत की समग्र अंतरिक्ष पृथ्वी अवलोकन क्षमता से लाभान्वित होने वाला एक अन्य क्षेत्र कृषि है। भारत में जमीनी स्तर पर कृषि परिदृश्य की नियमित निगरानी चुनौतीपूर्ण और संसाधन-प्रधान है। उपग्रह अवलोकन वनस्पति, फसल की स्थिति और भूमि उपयोग में परिवर्तन जैसे कृषि संकेतकों के मूल्यांकन में सहायक हो सकते हैं। उपग्रह चित्रों का उपयोग मौसम डेटा, मृदा डेटा और जमीनी अवलोकनों के साथ मिलकर फसलों में तनाव के विकास और बदलते पर्यावरणीय परिस्थितियों का पता लगाने में किया जा सकता है। जैसे-जैसे एआई का उपयोग बढ़ेगा, यह प्रक्रिया और भी अधिक प्रभावी हो सकती है। आधुनिक उपग्रहों द्वारा भेजे गए डेटा की मात्रा बहुत अधिक होने के कारण, केवल मैन्युअल व्याख्या करना बहुत कठिन होता जा रहा है। एआई-आधारित प्रणालियाँ छवियों को तेज़ी से संसाधित कर सकती हैं, विसंगतियों का पता लगा सकती हैं और तत्काल ध्यान देने योग्य क्षेत्रों को चिह्नित कर सकती हैं। ये प्रौद्योगिकियाँ फसल मूल्यांकन, आपदा मानचित्रण और पर्यावरण निगरानी में तेजी लाने में मदद कर सकती हैं और मैन्युअल विश्लेषण में लगने वाले समय को कम कर सकती हैं। निरंतर अवलोकन के लाभ पर्यावरणीय दृष्टि से भी महत्वपूर्ण हैं। भारत तीव्र शहरीकरण, भूमि उपयोग में परिवर्तन, वनों और पारिस्थितिक तंत्रों पर बढ़ते दबाव और जल संसाधनों पर बढ़ते तनाव की प्रक्रिया से गुजर रहा है। उपग्रह निगरानी का उपयोग दीर्घकालिक वनस्पति परिवर्तन, आर्द्रभूमि, जल निकायों और अन्य पारिस्थितिक तंत्रों की नियमित निगरानी के लिए किया जा सकता है। स्थायी डेटासेट नीति निर्माताओं और शोधकर्ताओं को रुझानों का पता लगाने और पर्यावरण के बारे में अधिक प्रभावी निर्णय लेने में मदद कर सकते हैं। भारत के समुद्री हितों के लिए उपग्रह आधारित अवलोकन का भी अत्यधिक रणनीतिक महत्व है। देश की तटरेखा लंबी है और यह हिंद महासागर क्षेत्र के मध्य में स्थित है, जिसका अर्थ है कि समुद्री पर्यावरण के प्रति जागरूकता बढ़ाना आवश्यक है। उपग्रह निगरानी का उपयोग अन्य निगरानी विधियों के साथ किया जा सकता है और इससे समुद्री क्षेत्र में होने वाली गतिविधियों और बदलती परिस्थितियों के बारे में जानकारी बढ़ाई जा सकती है। रणनीतिक दृष्टि से भी ईओ का महत्व बढ़ रहा है। आधुनिक सुरक्षा के माहौल में, समय पर और विश्वसनीय जानकारी अब एक रणनीतिक संपत्ति बन गई है। निरंतर इमेजिंग से स्थितिजन्य जागरूकता बढ़ सकती है और इसका उपयोग हवाई, जमीनी और अन्य अंतरिक्ष आधारित निगरानी प्रणालियों के साथ किया जा सकता है। साथ ही, देश को ऐसी स्थिति से निपटने की क्षमता की आवश्यकता है। भारत को किसी एक उपग्रह पर अत्यधिक निर्भर नहीं रहना चाहिए और एक विविध उपग्रह समूह का निर्माण करना चाहिए, जो किसी विशिष्ट उपग्रह की अनुपलब्धता की स्थिति में भी आवश्यक सेवाओं की निरंतरता सुनिश्चित कर सके। इसलिए, एकीकृत और बुद्धिमान पृथ्वी अवलोकन (ईओ) पारिस्थितिकी तंत्र का निर्माण आगे बढ़ने का मुख्य आधार होना चाहिए। ईओएस-05 से प्राप्त डेटा को उपग्रह, मौसम विज्ञान, कृषि और आपदा प्रबंधन जैसे अन्य प्लेटफार्मों से जोड़ा जाना चाहिए।

भारत में पृथ्वी अवलोकन मिशन वर्षों से अच्छी तरह स्थापित है और GSLV-F17 पर EOS-05 का प्रक्षेपण इसकी क्षमता को बढ़ाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह विशेष रूप से महत्वपूर्ण है क्योंकि इसकी भू-तुल्यकालिक कक्षा से इमेजिंग करने की क्षमता भारतीय क्षेत्र का बार-बार अवलोकन करने में सक्षम बनाती है। EOS-05 का प्रक्षेपण उपग्रह रिमोट सेंसिंग की प्रकृति में बदलाव का एक हिस्सा है। पृथ्वी अवलोकन परंपरागत रूप से निम्न पृथ्वी कक्षा (LEO) में संचालित उपग्रहों का एक प्रमुख अनुप्रयोग रहा है। ये उपग्रह अत्यंत विस्तृत चित्र प्रदान करेंगे, लेकिन इनकी कक्षा के कारण ये केवल नियमित समय अंतराल पर एक विशिष्ट क्षेत्र के ऊपर से गुजरेंगे। यह आवधिक आधार पर कवरेज के लिए बहुत उपयोगी है, लेकिन तेजी से बदलती परिस्थितियों में यह और भी उपयोगी हो सकता है।

देश दुनिया से

## चीन के प्राथमिक लक्ष्य भारत पर केंद्रित न होने की वजहें

**चीन** का उद्भव बिना तैयारी के नहीं हुआ है; यह एक सुसंगत बृहद रणनीति परिलक्षित करता है जिसका उद्देश्य समय के साथ संयुक्त राज्य अमेरिका के प्रभुत्व को कम करना है। वह रणनीति भौगोलिक रूप से चरणों में बंटी हुई है — पहले यूरेशिया और उन समुद्री मार्गों पर ध्यान केंद्रित करना जो चीन की अर्थव्यवस्था को कायम रखते हैं, न कि सीमावर्ती ज़मीनी युद्धों पर। इसके आलोक में देखें तो भारत के साथ हिमालयी सीमा एक गौण मुद्दा है। वहां पर बड़े पैमाने का युद्ध चीन को अपने मूल उद्देश्यों में आगे बढ़ने में बहुत कम मददगार रहेगा, और असल में, नुकसानदेह हो सकता है। चीन के आधिकारिक दस्तावेज़ प्राथमिकता के क्रम का उतना ही खुलासा करते हैं जितना छिपाकर जता जाते हैं। 'नए दौर में चीन की राष्ट्रीय रक्षा' (2019) या 'सैन्य रणनीति दिशानिर्देश, राष्ट्रीय सुरक्षा कानून (2015)', और एक के बाद एक आई पार्टी संसदीय रिपोर्टें सुरक्षा को शासन के अस्तित्व, तकनीकी स्वायत्तता और महा-शक्ति प्रतिस्पर्धा जैसे शब्दों में परिभाषित करती हैं। रणनीतिक दिशा स्पष्ट है: समुद्री आवाजाही मार्गों में बनने वाले जोखिम, ऊर्जा और व्यापार के पहुंच मार्गों की सुनिश्चितता और पश्चिमी प्रशांत क्षेत्र में अमेरिकी हस्तक्षेप को रोकने की क्षमता बनाना। भारत का नाम खतरे के तौर पर नहीं लिया गया है। यह कोई अनदेखी नहीं; प्राथमिकताओं का निर्धारण है। चीन की समृद्धि समुद्री व्यापार पर निर्भर करती है जो असुरक्षित 'चोकपॉइंट्स' (संकरे समुद्री रास्तों) से होकर गुज़रता है-ये मलक्का जलडमरूमध्य से लेकर बृहद हिंद-प्रशांत क्षेत्र, होर्मुज़ जलडमरूमध्य और स्वेज़ नहर तक हैं। इसलिए, इसके सैन्य आधुनिकीकरण का ध्यान नौसैन्य शक्ति सुदृढ़ता, बाधित पहुंच/प्रतिबंधित क्षेत्र स्थिति का उपाय और अंतरिक्ष, साइबर एवं इलेक्ट्रोमैग्नेटिक स्पेक्ट्रम में क्षमताओं पर केंद्रित है। इसके समांतर, सरकारी आर्थिक कूटनीति का उद्देश्य निर्यात में प्रभुत्व, बुनियादी ढांचा निर्माण, सपंर्क सुविधाएं और वित्तीय निवेश के माध्यम से यूरेशिया को नया रूप देना है। आज जहां लंदन की सड़कों पर दौड़ती एक लोकप्रिय कार लैंड रोवर का सस्ता चीनी संस्करण मौजूद है वहीं जर्मनी की सबसे बड़ी कार निर्माता कंपनी फॉक्सवैगन हजारों कर्मचारियों की छंटनी करने की योजना बना रही है। बढ़ती लागत के मद्देनज़र, सीमेंस जैसी बहुराष्ट्रीय कंपनियां उत्पादन को चीन स्थानांतरित करने पर विचार कर रही हैं, जिससे उनके वित्तीय लाभ में तो सुधार हो जाएगा, लेकिन समाज को नुकसान पहुंचेगा। यह सब यूरेशिया में समुद्र नीत और पश्चिम नीत रणनीति की ओर इशारा करता है, न कि दक्षिण-नीत हिमालय में। उतना ही महत्वपूर्ण यह भी है कि बीजिंग किस चीज़ से बचना चाहता है: दो मोर्चों पर रणनीतिक दुविधा। उसकी मुख्य प्रतिस्पर्धा समुद्री क्षेत्र में अमेरिका के साथ है। भारत के साथ कोई बड़ा उपमहाद्वीपीय युद्ध शुरू करने से संसाधन और ध्यान बंट जाएंगे, बाहरी दखल बढ़ेगा और भारत को अमेरिका के और करीब आने का खतरा पैदा होगा- इससे वही गठबंधन विशेष मजबूत होगा, जिसे चीन कमजोर करना चाहता है। भारत के मामले में चीन की सैद्धांतिक चुप्पी का कारण डर नहीं, बल्कि समझदारी का हिस्सा है। इसलिए, भारत को साधने के लिए चीन की नीति अपरोक्ष और किफायती तरीका अपनाती है। दशकों से, उसने व्यवस्थित रूप से पाकिस्तान की सैन्य क्षमता को मजबूत किया -जिसमें पारंपरिक युद्धक तंत्र, मिसाइल फोर्स, परमाणु क्षमता और उपग्रह प्रदत्त सुविधाओं तक पहुंच जैसी सहायक तकनीकें शामिल हैं। इसका मकसद यह यकीनी बनाना है कि भारत अपने सुरक्षा संबंधी गुणा-भाग का दायरा दक्षिण एशिया तक ही रखे और यह सुनिश्चित करना कि भारत का ध्यान लगातार अपनी पश्चिमी सीमा पर बना रहे। इससे समुद्री क्षेत्र पर ध्यान केंद्रित करने में भारत की क्षमता सीमित हो जाती है, जहां भूगोल उसे हिंद महासागर के अहम समुद्री मार्गों पर एक अपरोक्ष फायदा देता है-एक ऐसा लाभ जो, चरम स्थिति में, चीन की ऊर्जा जीवनरेखा और समृद्धि के लिए खतरा बन सकता है। 1962 का युद्ध पूर्व उदाहरण पेश करता है। चीन ने सीमित राजनीतिक लक्ष्य हासिल किए और फिर एकतरफा तौर पर पीछे हट गया। सार्वजनिक किए गए सरकारी दस्तावेज बताते हैं कि युद्ध से छह महीने पहले माओ ने अपने सेना कमांडर को बुलाकर चार शब्दीय निर्देश दिया था: 'भारत को सबक सिखाओ'। सबक क्या था? माना जाता है, 'कन्फ्यूशियस संहिता' के अनुसार भारत को उसकी 'जगह दिखाना', न कि इलाके पर कब्जा। आज, लद्दाख जैसे इलाकों में, चीन पहले से ही उस जमीन पर नियंत्रण रखे हुए है, जिसे वह रणनीतिक रूप से अहम मानता है। प्रभुत्व बनाने का सिद्धांत हिमालयी सीमा पर और बड़े पैमाने पर इलाके पर कब्जे की जरूरत का संकेतक नहीं है। मौजूदा भंगिमाएं निरंतर इस नजरिए को दर्शाती हैं। पीपुल्स लिबरेशन आर्मी 'स्थानीय युद्ध' जैसी स्थिति में सीमित, फुर्तीले और कम समय तक चलने वाले टकराव की तैयारी कर रही है-जिसका मकसद बातचीत के दौरान दबाव बनाना, लड़ाई रोकना और अपनी शर्तों पर बातचीत करवाना है। तिब्बत में बुनियादी ढांचा निर्माण और समय-समय पर आमने-सामने की स्थिति पैदा करना मोल-भाव करने की ताकत को बढ़ाता है। बाकी सभी देशों के उलट, चीन की युद्ध संबंधी मुख्य रणनीति विरोधी को धोखे में रखना है। भारत की ज़मीन में घुसपैठ का खतरा भी ठीक इसी रणनीति का हिस्सा है। यूरेशिया से बाहर चीन के अनुभव ने उसकी सावधानी को और बढ़ाया है।

आप का नज़रिया

## हिमाचली इच्छाओं के चंडीगढ़

**हिम** चंडीगढ़ सिटी का आगाज, एक ऐसी परिकल्पना है जो हिमाचली जनता की उम्मीदों का शहर बसा रही है। परियोजना चंडीगढ़ के करीब है, तो चंडीगढ़ के एहसास में इसकी बुनियाद वादा कर रही है। यह चंडीगढ़ में चंडीगढ़ है या हिमाचली इच्छाओं का चंडीगढ़ बनती है, यह देखना बाकी है। बेशक नए हिमाचल या प्रगतिशील हिमाचलियों को अब कई शहर चाहिए या शहरी माहौल में गुणवत्ता चाहिए। हिम चंडीगढ़ की आबो हवा में चंडीगढ़ की व्यस्तता, क्षमता, संभावना और आर्थिक संसार भी बसेगा, फिर भी अपेक्षा यह है कि यह नगरी हिमाचल के सरोकारों, सांस्कृतिक व व्यावहारिक ऊष्मा को बरकरार रखे। हम पहले भी कह चुके हैं कि यह नगर हिमाचली प्रोफेशनल को प्रतिबिंबित करता शहर होना चाहिए जो इससे पूर्व विकसित न्यू शिमला और परवाणू से भिन्न हो। यहां सरसा नदी के रिवरफ्रंट का विकास करने का सुझाव आया है और इससे पूर्व चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास के कई मोड़ देखे गए हैं। यह दीगर है कि आज इसकी चर्चा का सामना मोहाली, पंचकूला या न्यू चंडीगढ़ से हो रहा है, तो अच्छा ही है कि कुछ ऐसा होगा जो हिमाचल के नजरिए से अपेक्षित है। चंडीगढ़ के आसपास पहले ही रीयल एस्टेट के साठ प्रतिशत भाग में हिमाचलियों का ठौर है, तो इस तरह हर हिमाचली अपना दूसरा घर वहां बनाना चाहता है। मांग के हिसाब से हिम चंडीगढ़ को आबाद होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, लेकिन हम इस परियोजना से हिमाचल के शहरीकरण को क्या संदेश देना चाहेंगे। हिमाचल के भीतर शहरीकरण की हवा और स्थिति बिगड़ी हुई है। शहरी विकास योजनाएं आज तक व्यावहारिक पटल पर अप्रासंगिक हैं, तो इसलिए कि न तो इनके प्रति कोई गंभीरता है और न ही इनका वित्त पोषण हुआ। हमारा शहरीकरण बेहतर जिंदगी का आईना न होकर केवल जमीनी खरीद-फरोख्त का अवसर है। अभी कांगड़ा एयरपोर्ट का विस्तार जिस गति से चला है, उससे भी आगे निकलकर जमीन के खरीददारों ने अपना हुनर दिखा दिया। हिमाचल में जमीन की खरीद और बिक्री का एक नेटवर्क है, जिसमें अधिकारी, ब्यूरोक्रेट, ठेकेदार और राजनीतिक लोग सिद्धहस्त हो रहे हैं। आज पहाड़ की कंदराओं तक पर्यटन इकाइयां पहुंच गईं तो यह जमीन की प्रवृत्ति बदलने और शहर को दूर तक मापने की गाथा है। हिमाचल के कई शहर बेसिरपैर विस्तार से आतंकित हैं। हमारे शहर आज न तो पुराने पर्वतीय शहरों के सुकून में रह रहे हैं और न ही आधुनिक व नागरिक सुविधाओं से परिपूर्ण हो पा रहे हैं। आश्चर्य तो यह कि दो स्मार्ट सिटी परियोजनाओं के बावजूद न शिमला और न ही धर्मशाला का कायाकल्प हुआ। धर्मशाला में स्मार्ट सिटी परियोजना सरकारी कार्यालयों के गेट बनाती रही, तो शिमला में कंक्रीट के डंगे या लोहे के रास्ते बनाती रही। हिमाचल में शहरीकरण को समझने का एक उपाय हिम चंडीगढ़ हो सकता है, लेकिन हिमाचल के भीतर शहरीकरण के संबोधन और शहरी मांग को समझना होगा। बहुत सारे शहरों को उनकी तस्वीर में विकसित करने की योजनाएं बनानी होंगी। अगर पालमपुर को चाय नगरी के रूप में विकसित करना है, तो योजना प्रारूप अलग होगा, जबकि सोलन के घनत्व में सुरक्षा की दृष्टि से उपचार की जरूरत है। जिन शहरों के आसपास पानी के स्थायी स्रोत हैं, उस स्कोप में शहरीकरण की सांसें बढ़ानी होंगी और इसी तरह प्राकृतिक जल निकासी प्रबंधन करना होगा। शहरों में सार्वजनिक परिवहन की उचित व्यवस्था, आधुनिक बाजार, निवेश केंद्र, पार्किंग, पार्क और मनोरंजन केंद्र विकसित करने की जरूरत है। हिमाचल के कई शहर अपनी भौगोलिक, पर्यावर्णीय स्थिति, सांस्कृतिक महत्त्व व प्राकृतिक नजारों के साथ हिम चंडीगढ़ से भी ज्यादा आकर्षक बन सकते हैं, बशर्ते इन्हें देखने और विकास को व्यवस्थित करने की इच्छा शक्ति सामने आए।

परियोजना चंडीगढ़ के करीब है, तो चंडीगढ़ के एहसास में इसकी बुनियाद वादा कर रही है। यह चंडीगढ़ में चंडीगढ़ है या हिमाचली इच्छाओं का चंडीगढ़ बनती है, यह देखना बाकी है। बेशक नए हिमाचल या प्रगतिशील हिमाचलियों को अब कई शहर चाहिए या शहरी माहौल में गुणवत्ता चाहिए। हिम चंडीगढ़ की आबो हवा में चंडीगढ़ की व्यस्तता, क्षमता, संभावना और आर्थिक संसार भी बसेगा, फिर भी अपेक्षा यह है कि यह नगरी हिमाचल के सरोकारों, सांस्कृतिक व व्यावहारिक ऊष्मा को बरकरार रखे। हम पहले भी कह चुके हैं कि यह नगर हिमाचली प्रोफेशनल को प्रतिबिंबित करता शहर होना चाहिए जो इससे पूर्व विकसित न्यू शिमला और परवाणू से भिन्न हो। यहां सरसा नदी के रिवरफ्रंट का विकास करने का सुझाव आया है और इससे पूर्व चंडीगढ़ की तर्ज पर विकास के कई मोड़ देखे गए हैं। यह दीगर है कि आज इसकी चर्चा का सामना मोहाली, पंचकूला या न्यू चंडीगढ़ से हो रहा है, तो अच्छा ही है कि कुछ ऐसा होगा जो हिमाचल के नजरिए से अपेक्षित है। चंडीगढ़ के आसपास पहले ही रीयल एस्टेट के साठ प्रतिशत भाग में हिमाचलियों का ठौर है, तो इस तरह हर हिमाचली अपना दूसरा घर वहां बनाना चाहता है। मांग के हिसाब से हिम चंडीगढ़ को आबाद होने में ज्यादा समय नहीं लगेगा, लेकिन हम इस परियोजना से हिमाचल के शहरीकरण को क्या संदेश देना चाहेंगे। हिमाचल के भीतर शहरीकरण की हवा और स्थिति बिगड़ी हुई है। शहरी विकास योजनाएं आज तक व्यावहारिक पटल पर अप्रासंगिक हैं, तो इसलिए कि न तो इनके प्रति कोई गंभीरता है और न ही इनका वित्त पोषण हुआ।

दृष्टि कोण

# ब्रिक्स 2026: भारत की कूटनीतिक क्षमताओं को चुनौती देता

**2026** में ग्लोबल जियो पॉलिटिक्स के मौजूदा माहौल के आधार पर, ब्रिक्स एक इकोनॉमिक इन्वेस्टमेंट के शॉर्ट फॉर्म से बढ़कर एक बड़ी इंस्टीट्यूशनल ताकत बन गया है जो उभरते हुए मल्टीपोलर वर्ल्ड ऑर्डर को आकार दे रहा है। इसके महत्व, उपलब्धियों, चुनौतियों और ब्रिक्स विरोधी बातों को सुलझाने के प्रयासों को समझना आवश्यक है।

**मल्टीपोलर दुनिया में ब्रिक्स का महत्व**

ब्रिक्स ग्लोबल साउथ के हितों को बताने और एक ज़्यादा संतुलित बहुध्रुवीय विश्व बनाने के लिए एक बुनियादी प्लेटफ़ॉर्म बन गया है। 2025 तक, ब्रिक्स के सदस्य देश दुनिया की लगभग 48% आबादी और परचेसिंग पावर पैरिटी (पी पी पी) के आधार पर ग्लोबल जीडीपी का 39% हिस्सा थे। भारत की 2026 ब्रिक्स प्रेसीडेंसी के तहत, इस की गाइडिंग थीम बिल्डिंग फॉर रेजिलिएंस, इनोवेशन, कोऑपरेशन और सस्टेनेबिलिटी है। कमज़ोर ग्लोबल गवर्नेंस, प्रोटेक्शनिस्ट पॉलिसी और बढ़ती जियोपॉलिटिकल अनिश्चितता के दौर में, ब्रिक्स साउथ-साउथ सहयोग के लिए एक सही विकल्प देता है जो पारंपरिक दबदबे और हुक्म से रहित है। यह उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं को अपनी पार्टनरशिप में विविधता लाने और ग्लोबल गवर्नेंस में अपनी आवाज़ बुलंद करने की इजाज़त देता है, बिना कोल्ड वॉर-स्टाइल के बाइनरी अलाइनमेंट में मजबूर हुए।

**ब्रिक्स की खास उपलब्धियां**

ब्रिक्स ने कई उपलब्धियां हासिल की हैं। इसका सफ़र आसान नहीं था। कई चुनौतियों के बावजूद यह अपने अनेक लक्ष्यों को हासिल कर सका। कुछ मुख्य उपलब्धियां हैं: स्ट्रेटेजिक विस्तार: ब्रिक्स ने सफलतापूर्वक अपनी पहुंच बढ़ाई है। 2026 तक, इस ब्लॉक में ऑफिशियली 11 सदस्य देश शामिल हैं: ओरिजिनल पांच (ब्राज़ील, रूस, भारत, चीन और दक्षिण अफ्रीका) प्लस मिस्र, इथियोपिया, ईरान, इंडोनेशिया, संयुक्त अरब अमीरात और सऊदी अरब (हालांकि सऊदी अरब अपने फॉर्मल स्टेटस को लेकर कुछ डिप्लोमैटिक अस्पष्टता बनाए हुए है)।

पार्टनर देशों का संस्थागतकरण: मुख्य फैसले लेने की क्षमता को कम किए बिना अपनी पहुंच बढ़ाने के लिए, ब्रिक्स ने एक फॉर्मल पार्टनर देश कैटेगरी शुरू की। 2025 में, दस देश—बेलारूस, बोलीविया, क्यूबा, कज़ाकिस्तान, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज़्बेकिस्तान और वियतनाम—ऑफिशियल पार्टनर के तौर पर शामिल हुए, जिससे एंगेजमेंट के लिए एक फ्लेक्सिबल फ्रेमवर्क बना।

न्यू डेवलपमेंट बैंक (एन डी बी) की उपलब्धियाँ: एन डी बी ने हाल ही में अपनी 10वीं वर्षगाँठ मनाई, जिसमें क्लीन एनर्जी, ट्रांसपोर्ट और सस्टेनेबल डेवलपमेंट में 120 से ज़्यादा बड़े प्रोजेक्ट्स को फाइनेंस किया गया। इसने ग्लोबल साउथ को पार्टनरशिप, सॉवरेनिटी और शेयर्ड प्रायोरिटीज़ पर बना एक मल्टीलेटरल डेवलपमेंट बैंक सफलतापूर्वक दिया है, न कि वेस्टर्न-लेड फाइनेंशियल इंस्टीट्यूशन्स से जुड़ी कंडीशनैलिटीज़ पर।

इंट्रा-ब्रिक्स ट्रेड ग्रोथ: मेंबर्स के बीच दो दशकों के ट्रेड एक्सपेंशन ने डेवलप हो रहे इकोनॉमिक संबंधों को सामने लाया है, जिससे साउथ-साउथ ट्रेड के नए, रेसिलिएंट पैटर्न बने हैं जो बाहरी झटकों से कम वल्नरेबल हैं। कॉमर्स सेक्रेटरी राजेश अग्रवाल ने 5 सितंबर, 2026 को कहा कि इंट्रा-ब्रिक्स मर्चेंडाइज़ ट्रेड अब कई गुना बढ़ गया है, जो मेंबर देशों के बीच गहरे ट्रेड इंटीग्रेशन और मज़बूत इकोनॉमिक कोऑपरेशन के लिए बहुत ज़्यादा अनटैप्ड पोटेंशियल को हाईलाइट करता है।

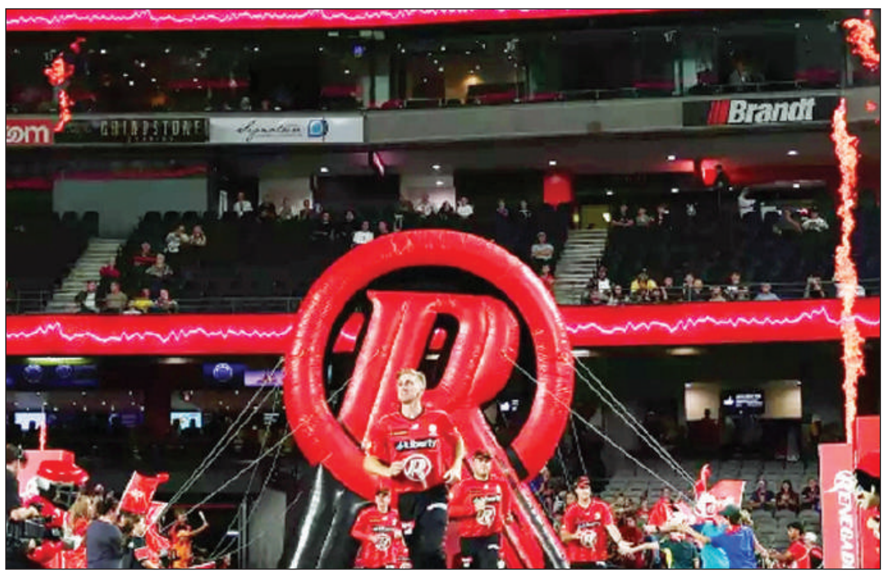

# क्रिकेट आस्ट्रेलिया ने बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोला, मेलबर्न रेनेगेड्स से होगी शुरुआत

**मेलबर्न**

क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने बिग बैश लीग (बीबीएल) में निजी निवेश का रास्ता खोलने की दिशा में बड़ा कदम उठाया है। इसके तहत मेलबर्न रेनेगेड्स ऐसा पहला क्लब होगा, जिसके लिए निजी निवेशकों से बोली आमंत्रित की जाएगी। योजना के अनुसार रेनेगेड्स 2027-28 सत्र में नए स्वामित्व के साथ मैदान पर उतर सकता है।

सीए निजी निवेशकों से रेनेगेड्स के लिए प्रस्ताव आमंत्रित करेगा। इस प्रक्रिया की सफलता के बाद अन्य बिग बैश लीग क्लबों के लिए भी निजी निवेश का रास्ता खुल सकता है। हालांकि, भविष्य में किसी अन्य क्लब की बिक्री का फैसला संबंधित राज्य सदस्य अपने क्लब और स्थानीय समुदाय के हितों को ध्यान में रखते हुए करेंगे।

क्रिकेट आस्ट्रेलिया के अध्यक्ष माइक बेयर्ड ने एक आधिकारिक बयान में कहा, क्रिकेट आस्ट्रेलिया और उसके राज्य सदस्य बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग में निवेश करने और उन्हें विकसित करने तथा क्रिकेट के हर स्तर के हितों को आगे बढ़ाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। बिग बैश लीग में निजी निवेश का रास्ता खोलकर क्रिकेट आस्ट्रेलिया खेल के दीर्घकालिक भविष्य को मजबूत और सुरक्षित करने की दिशा में एक सोच-समझकर उठाया गया कदम उठा रहा है।

उन्होंने कहा, रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया शुरू करना हमारे सदस्यों के लिए स्व-निर्धारण माडल में पहला कदम है और यह आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के लिए एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

सीए ने स्पष्ट किया है कि निजी निवेश आने के बावजूद आस्ट्रेलियाई क्रिकेट के महत्वपूर्ण मामलों पर उसका और उसके राज्य सदस्यों का नियंत्रण बना रहेगा। इनमें अंतरराष्ट्रीय कार्यक्रम, खिलाड़ियों की उपलब्धता, बिग बैश लीग और महिला बिग बैश लीग की वेतन सीमा, ब्रांडिंग से जुड़े प्रस्ताव, लाइसेंस के लिए न्यूनतम निर्धारित मूल्य और निवेशकों की मंजूरी शामिल हैं।

बेयर्ड ने कहा, यह एक महत्वपूर्ण फैसला है, जिसके लिए कई महीनों तक व्यापक विश्लेषण, चर्चा और सहयोग किया गया है। मैं इस प्रक्रिया में शामिल सभी लोगों को धन्यवाद देना चाहता हूं। हम मानते हैं कि यह आस्ट्रेलिया में क्रिकेट के भविष्य को सुरक्षित करने, बिग बैश को मजबूत करने और वैश्विक स्तर पर अपनी स्थिति बनाए रखने का सबसे बेहतर तरीका है। मेलबर्न रेनेगेड्स की बिक्री प्रक्रिया आस्ट्रेलियाई क्रिकेट में क्लब स्वामित्व के ढांचे में बड़े बदलाव की शुरुआत मानी जा रही है।

## न्यूज ब्रीफ

### यूएस ओपनः अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने लुसियानो डारडेरी को हराया, क्वार्टर फाइनल में पहुंचे

**न्यूयार्क।** शीर्ष वरीयता प्राप्त जर्मनी के अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने इटली के लुसियानो डारडेरी को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन 2026 के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। ज्वेरेव ने खेले गए मुकाबले में डारडेरी को 6-2, 6-2, 7-6(7-3) से शिकस्त दी। लगातार चौथी रात मुकाबला खेलने उतरे 29 वर्षीय ज्वेरेव ने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। इस टूर्नामेंट में इससे पहले वह दो मुकाबले पांच सेट तक खेल चुके थे, लेकिन डारडेरी के खिलाफ उन्होंने मुकाबले को लंबा खिंचने नहीं दिया। ज्वेरेव ने पहले सेट में अपनी सर्विस पर दबाव के बावजूद शानदार नियंत्रण बनाए रखा और सेट 6-2 से अपने नाम किया। दूसरे सेट में 21वीं वरीयता प्राप्त डारडेरी की एक गलत ड्राप शाट ने ज्वेरेव को दूसरी बार ब्रेक का मौका दिया, जिसका उन्होंने पूरा फायदा उठाया। ज्वेरेव ने 4-0 की बढ़त हासिल करने के बाद दूसरा सेट भी 6-2 से जीत लिया। तीसरे सेट में डारडेरी ने वापसी की कोशिश की। उनकी तेज पहली सर्विस और ड्राप शाट ने ज्वेरेव को काफी परेशान किया और मुकाबला टाई-ब्रेक तक पहुंचा। हालांकि ज्वेरेव ने दबाव में धैर्य बनाए रखते हुए टाई-ब्रेक 7-3 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया।

### भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम में बदलाव, आर्यन सावसानी और तन्मय को मिली जगह , रोहित यादव बाहर

**नई दिल्ली।** भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की जूनियर क्रिकेट समिति ने आस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी मुकाबलों के लिए भारत अंडर-19 टीम में दो बदलाव किए हैं। सौराष्ट्र क्रिकेट संघ के आर्यन सावसानी को वनडे टीम में रोहित यादव की जगह शामिल किया गया है, जबकि हरियाणा क्रिकेट संघ के तन्मय बालोदा को बहुदिवसीय मुकाबलों के लिए रोहित के स्थान पर चुना गया है। रोहित यादव को राजकोट और अहमदाबाद में आस्ट्रेलिया अंडर-19 के खिलाफ आगामी मुकाबलों के लिए भारत की अंडर-19 वनडे और बहुदिवसीय टीम में चुना गया था। हालांकि, उम्र से जुड़ी विसंगतियों के कारण उन्हें टीम से हटा दिया गया है। भारत अंडर-19 की संशोधित वनडे टीमः लक्ष्य रायचंदानी (कप्तान), यशवर्धन चौहान (उपकप्तान), रजत बघेल (विकेटकीपर), आर्यवीर सहवाग, वी.के. विनीत, कुशाग्र ओझा, अर्जुन राजपूत, मनाल चौहान, अन्वय द्रविड़ (विकेटकीपर), वी. यशवीर, शाविन विनोद, मोहित उलवा, चिगुरुपति वेंकट, काव्या पटेल, आर्यन सावसानी। भारत अंडर-19 की संशोधित बहुदिवसीय टीमः यशवर्धन चौहान (कप्तान), लक्ष्य रायचंदानी (उपकप्तान), सागर विर्क, कुशाग्र ओझा, मनाल चौहान, कुश पटेल, मानव कृष्ण (विकेटकीपर), अभिप्राय बिस्वास (विकेटकीपर), ईशान ओम, अयान अकरम, प्रणव राघवेंद्र, प्रियांशु सिंह, मोहित उलवा, आर्यन यादव, तन्मय बालोदा।

### नशरा के छह विकेट से हांगकांग ढेर, 72 रन से जीत के बाद पाकिस्तान एशिया कप के सेमीफाइनल में

**दुबई।** बाएं हाथ की स्पिनर नशरा संधू की शानदार गेंदबाजी के दम पर पाकिस्तान ने एसीसी महिला टी20 एशिया कप के ग्रुप-ए मुकाबले में हांगकांग को 72 रन से हराकर सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। पाकिस्तान अब 11 सितंबर को दूसरे सेमीफाइनल में श्रीलंका से भिड़ेगा। पाकिस्तान ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 20 ओवर में आठ विकेट पर 143 रन बनाए। शावाल जुल्फिकार ने 35 गेंदों में सात चौकों की मदद से 47 रन की अहम पारी खेली। आयशा जफर ने 19 गेंदों में 26 रन बनाए, जबकि कप्तान फातिमा सना 24 गेंदों में 24 रन बनाकर नाबाद रहीं। हांगकांग की जायलीन कौर ने चार विकेट लिए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी हांगकांग की टीम नशरा संधू की फिरकी के सामने टिक नहीं सकी और 71 रन पर आलआउट हो गई। नशरा ने चार ओवर में सिर्फ सात रन देकर छह विकेट झटके और उन्हें प्लेयर आफ द मैच चुना गया। यह टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में नशरा का पहला छह विकेट वाला प्रदर्शन है। उनके 4-0-7-6 के आंकड़े पाकिस्तान की महिला क्रिकेटर द्वारा टी20 अंतरराष्ट्रीय में सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन भी बन गए। उन्होंने ओमैमा सोहैल के 2022 में श्रीलंका के खिलाफ बनाए गए 5/13 के रिकार्ड को पीछे छोड़ा। पाकिस्तान ने तीन मैचों में दो जीत के साथ ग्रुप-ए में चार अंक जुटाकर दूसरा स्थान हासिल किया।

# एशियाई खेलों के लिए भारतीय महिला हाकी टीम रवाना, लास एंजिल्स ओलंपिक का सीधा टिकट लक्ष्य

**बेंगलुरु**

**एफआईएच महिला हाकी विश्व कप बेल्जियम और नीदरलैंड्स 2026 में ऐतिहासिक पांचवां स्थान हासिल करने के बाद भारतीय महिला टीम जापान के लिए रवाना हो गई। टीम का लक्ष्य एशियाई खेल आइची-नागोया 2026 में स्वर्ण पदक जीतने के साथ लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना है। टीम की कप्तानी सलीमा टेटे कर रही हैं, जबकि मुख्य कोच की जिम्मेदारी सजार्ड मारिजने संभाल रहे हैं। मारिजने की वापसी के बाद भारतीय महिला टीम ने फिटनेस, टीम के बीच तालमेल और मजबूत सामूहिक पहचान पर विशेष ध्यान दिया है। उनके मार्गदर्शन में भारत ने 2026 की शुरुआत एफआईएच महिला हाकी विश्व कप क्वालीफायर में रजत पदक के साथ की। टीम फाइनल तक अजेय रही और इटली को सेमीफाइनल में 1-0 से हराकर विश्व कप के लिए क्वालीफाई किया।**

इसके बाद भारत ने आकलैंड में एफआईएच महिला हाकी नेशंस कप में शानदार प्रदर्शन किया। भारत ने पूल चरण में अमेरिका, जापान और उरुग्वे को हराया। सेमीफाइनल में चिली को 6-0 से मात देने के बाद फाइनल में मेजबान न्यूजीलैंड को 2-0 से हराकर खिताब जीता। इस जीत के साथ भारत ने अगले सत्र की एफआईएच महिला हाकी प्रो लीग में भी पदोन्नति हासिल की।

विश्व कप में भी भारतीय टीम ने शानदार प्रदर्शन किया और पांचवें स्थान पर रही, जो 1974 के पहले विश्व कप के बाद उसका सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन है। भारत को पूरे टूर्नामेंट में केवल एक हार मिली। टीम ने चीन, इंग्लैंड और आस्ट्रेलिया जैसी ऊंची रैंकिंग वाली टीमों के खिलाफ ड्रा खेला, जबकि दक्षिण अफ्रीका को 6-1 से हराया। भारत ने विश्व कप का समापन विश्व नंबर पांच जर्मनी के खिलाफ 3-1 की जीत से किया।

अब भारतीय टीम की नजर एशियाई खेलों पर है, जहां दांव और भी बड़ा है। एफआईएच के लास एंजिल्स 2028 ओलंपिक क्वालीफिकेशन नियमों के अनुसार, महिला हाकी प्रतियोगिता में सबसे ऊंचे स्थान पर रहने वाली पात्र टीम को ओलंपिक कोटा स्थान मिलेगा, बशर्ते वह किसी अन्य माध्यम से पहले ही क्वालीफाई न कर चुकी हो। ऐसे में भारत के लिए एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना सीधे ओलंपिक टिकट हासिल करने का रास्ता होगा।

भारत को पूल बी में जापान, थाईलैंड, सिंगापुर, इंडोनेशिया और उज्बेकिस्तान के साथ रखा गया है। भारतीय टीम 20 सितंबर को उज्बेकिस्तान के खिलाफ अपने अभियान की शुरुआत करेगी। इसके बाद 21 सितंबर को इंडोनेशिया, 23 सितंबर को थाईलैंड, 25 सितंबर को जापान और 27 सितंबर को सिंगापुर से मुकाबला होगा। नाकआउट चरण 30 सितंबर से शुरू होगा और इसी दिन सेमीफाइनल भी खेले जाएंगे। स्वर्ण पदक का मुकाबला 2 अक्टूबर को होगा।

कप्तान सलीमा टेटे ने कहा कि टीम हालिया सफलताओं से आत्मविश्वास से भरी है, लेकिन एशियाई खेलों में हर मुकाबले में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करना होगा।

उन्होंने कहा, हम एशियाई खेलों में काफी आत्मविश्वास के साथ जा रहे हैं, लेकिन हम यह भी जानते हैं कि हर टूर्नामेंट एक नई चुनौती लेकर आता है। नेशंस कप और विश्व कप ने हमें यह विश्वास दिया है कि हम एक टीम के रूप में क्या हासिल कर सकते हैं और अब हमारा ध्यान उससे एक कदम आगे बढ़ने पर है। हमारा लक्ष्य बिल्कुल स्पष्ट है—हम स्वर्ण पदक के लिए पूरी ताकत से लड़ना चाहते हैं और लास एंजिल्स ओलंपिक के लिए सीधे क्वालीफाई करना चाहते हैं। हम जानते हैं कि इसके लिए निरंतरता, अनुशासन और हर मैच में अपना सर्वश्रेष्ठ देना जरूरी होगा और एक टीम के रूप में हम इस चुनौती के लिए तैयार हैं।

एशियाई खेलों के लिए 20 सदस्यीय भारतीय टीम में अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाओं का भी अच्छा मिश्रण है। टीम में दो गोलकीपर सविता और बिचु देवी खरिबाम, पांच डिफेंडर इशिका चौधरी, सुशीला चानू पुखरामबम, लालथांतलुआंगी, ज्योति और शिल्पी डबास शामिल हैं।

मिडफील्ड में निक्की प्रधान, साक्षी राणा, सुनेलिता टोप्पो, कप्तान सलीमा टेटे, नेहा और दीपिका सोरेंग हैं। अग्रिम पंक्ति में लालरेमसियामी, रुतुजा दादासो पिसाल, नवनीत कौर, दीपिका, इशिका, बलजीत कौर और ब्यूटी डुंगडुंग को जगह मिली है। नेशंस कप खिताब और पांच दशक से अधिक समय बाद विश्व कप में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन के बाद भारतीय महिला टीम के पास एशियाई खेलों में एक और ऐतिहासिक उपलब्धि हासिल करने का सुनहरा मौका है।

## जूनियर एशिया कप

# भारत ने दक्षिण कोरिया को 7-3 से हराया, सेमीफाइनल के करीब पहुंचा

**मोकी, चीन**

भारतीय जूनियर पुरुष हाकी टीम ने एएचएफ जूनियर एशिया कप 2026 में शानदार प्रदर्शन जारी रखते हुए दक्षिण कोरिया को 7-3 से हरा दिया। इस जीत के साथ भारत पूल-ए में सात अंकों के साथ शीर्ष पर बना हुआ है और सेमीफाइनल में जगह बनाने के बेहद करीब पहुंच गया है।

मौजूदा चैंपियन भारत ने तीन मुकाबलों में दो जीत और एक ड्रा के साथ सात अंक हासिल किए हैं। दक्षिण कोरिया के खिलाफ मुकाबले में भारतीय टीम ने शुरुआती तीन क्वार्टर में कड़ी चुनौती का सामना किया, लेकिन तीसरे क्वार्टर के आखिरी दौर में बढ़त हासिल करने के बाद अंतिम क्वार्टर में तीन गोल दागकर मुकाबले को पूरी तरह अपने पक्ष में कर लिया।

भारत के कप्तान और स्टार ड्रैगफ्लिकर अनमोल एक्का एक बार फिर टीम के सबसे प्रभावी खिलाड़ी रहे। उन्होंने दो गोल किए और टूर्नामेंट में अपने गोलों की संख्या आठ तक पहुंचा दी। भारत ने पांचवें मिनट में पेनल्टी कार्नर पर अनमोल के गोल से बढ़त बनाई। हालांकि, दक्षिण कोरिया ने अगले ही मिनट में दोह्योन चोई के पेनल्टी कार्नर पर किए गए गोल से स्कोर 1-1 कर दिया। दूसरे क्वार्टर में लोवेनूर सिंह ने 18वें मिनट में मैदानी गोल कर भारत को फिर आगे किया, लेकिन ह्योगुक यू ने अगले ही मिनट पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर दक्षिण कोरिया को 2-2 की बराबरी दिला दी। भारत ने हालांकि हाफ टाइम से पहले बढ़त हासिल कर ली। अजीत यादव ने 20वें मिनट में गोल कर भारत को 3-2 से आगे कर दिया।

दक्षिण कोरिया ने तीसरे क्वार्टर में भी दबाव बनाए रखा और ह्योगुक यू ने 36वें मिनट में अपना दूसरा गोल कर स्कोर 3-3 कर दिया। इसके बाद भारत ने 42वें मिनट में प्रभदीप सिंह के गोल से फिर बढ़त हासिल की और तीसरे क्वार्टर के अंत में स्कोर 4-3 कर दिया।

अंतिम क्वार्टर के शुरुआती दौर में दोनों टीमों ने लगातार हमले किए, लेकिन भारत ने 55वें से 58वें मिनट के बीच तीन गोल कर मुकाबले का रुख पूरी तरह बदल दिया। गुरसेवक सिंह ने 55वें मिनट में गोल कर बढ़त 5-3 की। इसके एक मिनट बाद अनमोल एक्का ने पेनल्टी कार्नर को गोल में बदलकर भारत को 6-3 से आगे कर दिया। आर्यन एक्सेस ने 58वें मिनट में सातवां गोल दागकर भारत की 7-3 से जीत सुनिश्चित कर दी।

## ईशान ने की मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा

**चेन्नई।** युवा विकेटकीपर-बल्लेबाज ईशान किशन ने अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह जिस प्रकार से घरेलू क्रिकेट में खेल रहे हैं। उससे पता चलत है कि वह जुनूनी हैं और हर हाल में राष्ट्रीय टीम में वापसी करना चाहते हैं। ईशान किशन आजकल दलीप ट्राफी में ईस्ट ज़ोन की कप्तानी कर रहे हैं और शमी उनकी कप्तीन में टीम के मुख्य गेंदबाज के तौर पर खेल रहे है। गौरतलब है कि शमी ने साल 2025 की शुरुआत में भारत की चैंपियंस ट्राफी जीत के बाद से कोई अंतरराष्ट्रीय मैच नहीं खेला है, पर घरेलू स्तर पर उनका प्रदर्शन लगातार शानदार रहा है। ईशान ने साउथ ज़ोन के खिलाफ फाइनल मुकाबले से पहले शमी की जमकर तारीफ करते हुए कहा कि 36 साल के शमी को खेलते हुए देखकर कोई भी हैरान हुए बिना नहीं रह सकता। है। उन्होंने कहा, मेरे हिसाब से उम्र सिर्फ एक नंबर है। ईशान के अनुसार, शमी का मौजूदा रवैया और घरेलू क्रिकेट में उनका लगातार शानदार प्रदर्शन इस बात का प्रमाण है कि वह अभी भी भारत के लिए खेलना चाहते हैं और टीम में अपनी जगह दोबारा हासिल करने के लिए पूरे प्रयास कर रहे हैं।

# मार्क चैपमैन ने न्यूजीलैंड का केंद्रीय अनुबंध छोड़ा, बिग बैश लीग में खेलने का रास्ता साफ

**आकलैंड**

**न्यूजीलैंड के बल्लेबाज मार्क चैपमैन ने 2026-27 सत्र के लिए केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने का फैसला किया है। उन्होंने न्यूजीलैंड क्रिकेट के साथ आकस्मिक अनुबंध स्वीकार किया है, जिससे वह बिग बैश लीग में खेलने के लिए उपलब्ध रह सकेंगे।**

चैपमैन न्यूजीलैंड की आगामी घरेलू श्रृंखला में भारत के खिलाफ खेलने के लिए उपलब्ध रहेंगे। उनके अलावा फिन एलन, लाकी फर्ग्यूसन, एडम मिल्न और टिम सीफर्ट भी इसी तरह के आकस्मिक अनुबंध पर हैं। बिग बैश लीग का आगामी सत्र 12 दिसंबर से 26 जनवरी तक खेला जाना है, जो न्यूजीलैंड के आस्ट्रेलिया दौरे और श्रीलंका के खिलाफ घरेलू सीमित ओवर श्रृंखला के साथ टकरा रहा है।

चैपमैन ने एक आधिकारिक बयान में कहा, मैं अपने पूरे करियर के दौरान समर्थन के लिए न्यूजीलैंड क्रिकेट का आभारी हूं। भारत के खिलाफ आगामी श्रृंखला को लेकर हम सभी खिलाड़ी बेहद उत्साहित हैं और मैं उस श्रृंखला में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध हूं।

चैपमैन के केंद्रीय अनुबंध से बाहर होने के बाद खाली हुई जगह नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स के तेज गेंदबाज मैथ्यू फिशर को मिली है। फिशर को पहली बार न्यूजीलैंड क्रिकेट का केंद्रीय अनुबंध मिला है।

न्यूजीलैंड क्रिकेट के मुख्य उच्च प्रदर्शन अधिकारी डेरिल गिब्सन ने कहा, मैट फिशर के केंद्रीय अनुबंध सूची में आने से नार्दर्न डिस्ट्रिक्ट्स में एक स्थान खाली हुआ है, जिससे उनके विकास को जारी रखने के लिए एक और खिलाड़ी को अनुबंध सूची में शामिल करने का अवसर मिलेगा। मैट ने ब्लैककैप्स के लिए मिले अवसरों में प्रभावित किया है और उनकी तेज गति निश्चित रूप से ऐसी चीज है जिसे हम आगे विकसित करना चाहते हैं।

चयन प्रबंधक गेविन लार्सन ने कहा कि आगामी व्यस्त कार्यक्रम को देखते हुए टीम में तेज गेंदबाजी की पर्याप्त गहराई की जरूरत है। उन्होंने कहा, आने वाले व्यस्त क्रिकेट कार्यक्रम में भारत, आस्ट्रेलिया और श्रीलंका के खिलाफ टेस्ट मैच शामिल हैं। हमें पता है कि ब्लैककैप्स को सफलता का सर्वश्रेष्ठ मौका देने के लिए तेज गेंदबाजी में अच्छी गहराई की जरूरत होगी। मैट ऐसी तेज गति से गेंदबाजी कर सकते हैं, जो किसी भी टीम के संतुलन के लिए बेहद महत्वपूर्ण है। इसलिए उन्हें केंद्रीय अनुबंध सूची में शामिल कर हम उत्साहित हैं।

न्यूजीलैंड का घरेलू सत्र भारत के खिलाफ 22 अक्टूबर से शुरू होगा। भारत के खिलाफ 12 मुकाबलों की श्रृंखला में पांच वनडे, पांच टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट मैच शामिल हैं, जो 1 दिसंबर तक चलेगी।

इसके बाद जनवरी के मध्य से न्यूजीलैंड की टीम श्रीलंका की मेजबानी करेगी, जिसमें तीन वनडे, तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय और दो टेस्ट खेले जाएंगे। इन दोनों घरेलू श्रृंखलाओं के बीच न्यूजीलैंड चार टेस्ट मैचों के लिए आस्ट्रेलिया का दौरा करेगा।

# यूएस ओपनः राइबाकिना क्वार्टर फाइनल में, झेंग से होगी भिड़ंत; गांफ तीन साल बाद अंतिम-8 में

**न्यूयार्क**

कजाकिस्तान की एलेना राइबाकिना ने पूर्व चैंपियन नाओमी ओसाका को सीधे सेटों में हराकर यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बना ली। दूसरी वरीय राइबाकिना ने ओसाका को 6-1, 6-4 से हराया। अब उनका सामना चीन की झेंग छिनवेन से होगा। सेमीफाइनल में पहुंचते ही राइबाकिना विश्व नंबर-1 बन जाएंगी।

राइबाकिना ने आन कोर्ट साक्षात्कार में कहा, बेशक मैं नंबर-1 बनना चाहती हूं। मैं ऐसे किसी व्यक्ति को नहीं जानती जो ऐसा नहीं चाहेगा। निश्चित रूप से यह मेरे लक्ष्यों में से एक है। मैं हर मैच को उसी तरह लेने की कोशिश करती हूं, अपना सर्वश्रेष्ठ देने और अंत तक लड़ने की कोशिश करती हूं। अब अगले मुकाबले में क्या होता है, देखते हैं।

झेंग छिनवेन ने आठवीं वरीय इगा श्वियातेक को 7-5, 6-3 से हराकर अंतिम-8 में प्रवेश किया। चीन की 2024 ओलंपिक चैंपियन झेंग लगातार दूसरे मुकाबले में शुरुआती पांच गेम गंवाने के बाद वापसी करने में सफल रहीं। वह 2021 में एमा राडुकानु के चैंपियन बनने के बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में पहुंचने वाली पहली क्वालीफायर बनीं।

इससे पहले झेंग ने मैडिसन कीज के खिलाफ तीसरे सेट में 0-5 से पिछड़ने के बाद लगातार सात गेम जीतकर 1-6, 7-6, 7-5 से मुकाबला अपने नाम किया था। श्वियातेक के खिलाफ भी वह शुरुआती पांच गेम हार गई थीं।

झेंग ने कहा, मेरा मानना है कि कल 0-5 से वापसी करना किस्मत नहीं थी।

मैं बस इतना ही कह सकती हूं।

राइबाकिना ने इस साल आस्ट्रेलियन ओपन जीतकर अपना दूसरा ग्रैंड स्लैम खिताब हासिल किया था और विश्व नंबर-2 उनकी करियर की सर्वश्रेष्ठ रैंकिंग है। हारने के बावजूद उनके पास नंबर-1 बनने का मौका रहेगा, बशर्ते आर्यना सबालेंका, कोको गाफ या जेसिका पेगुला में से कोई भी खिताब न जीते।

ओसाका के खिलाफ मुकाबला केवल एक घंटे छह मिनट चला। राइबाकिना ने ऐस के साथ मैच समाप्त किया। इस समय वह महिला टेनिस संघ के पूरे दौरे में सबसे ज्यादा ऐस लगाने वाली खिलाड़ियों में शीर्ष पर हैं। ओसाका, जिन्होंने अपने चार ग्रैंड स्लैम खिताबों में से दो यूएस ओपन में जीते हैं, मुकाबले के दौरान पैर या टखने की समस्या से जूझती नजर आईं।

**गाफ भी तीन साल बाद क्वार्टर फाइनल में**

चौथी वरीय कोको गाफ ने 14वीं वरीय इवा जोविच को 6-1, 6-4 से हराकर तीन साल बाद यूएस ओपन के क्वार्टर फाइनल में जगह बनाई। गाफ ने 2023 में इसी टूर्नामेंट में अपना पहला ग्रैंड स्लैम खिताब जीता था। इसके बाद वह पिछले दो वर्षों में चौथे दौर से आगे नहीं बढ़ सकी थीं।

गाफ के सामने अब फ्रेंच ओपन चैंपियन और पांचवीं वरीय मिर्रा आंद्रीवा की चुनौती होगी। आंद्रीवा ने 24वीं वरीय अनास्तासिया पोटापोवा को 5-7, 6-4, 6-3 से हराया। मुकाबले के अंतिम गेम में पोटापोवा के घुटने में चोट लगने के बाद आंद्रीवा ने उनकी मदद भी की।

## छात्रवृत्ति तत्काल जारी करने की मांग

**पेद्दापल्ली, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
भारतीय जनता युवा मोर्चा के नेता एरोला श्रीकांत के नेतृत्व में कांग्रेस सरकार के खिलाफ पेद्दापल्ली जिला कलेक्टर कार्यालय के सामने 'चावू डप्पू' प्रदर्शन किया गया।

इस दौरान युवा मोर्चा कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा और लंबित फीस प्रतिपूर्ति एवं छात्रवृत्ति की राशि तत्काल जारी करने की मांग की।श्रीकांत ने कहा कि फीस प्रतिपूर्ति और छात्रवृत्ति में देरी के कारण गरीब एवं मध्यमवर्गीय परिवारों के विद्यार्थियों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

उन्होंने सरकार से विद्यार्थियों के भविष्य और उच्च शिक्षा को ध्यान में रखते हुए लंबित राशि तत्काल जारी करने की मांग की।प्रदर्शनकारियों ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए चेतावनी दी कि मांग पूरी नहीं होने पर आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

इस अवसर पर भाजपा एवं युवा मोर्चा के विभिन्न पदाधिकारी, कार्यकर्ता और विद्यार्थी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

**मलकपेट में शिवनारायण भगीरथ लोया के निवास पर बछबारस की पूजा-अर्चना करतीं सुनीता लोया, लता, आकृति बियानी, अनिता बजाज, शशि, अंकिता, प्रियंका जोशी, निर्मला, मंजू, रुचिका मुंदड़ा, रूपा, दीपा, रंजू तापड़िया, राज्यलक्ष्मी, प्रियंका धूत एवं अन्य महिलाएं।**

## एसआईआर के तहत मतदान केंद्रों का निरीक्षण

**बांसवाड़ा, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) कार्यक्रम के तहत नगर निगम की महापौर के. विजया ने बांसवाड़ा नगर निगम क्षेत्र के विभिन्न मतदान केंद्रों का निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों को पेयजल, बिजली, सफाई, शौचालय, रैंप सहित आवश्यक सुविधाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विशेष गहन पुनरीक्षण प्रक्रिया के तहत मतदाता सत्यापन, संशोधन एवं आपत्तियों को लेकर लोगों को जागरूक करने तथा प्रत्येक पात्र नागरिक का नाम मतदाता सूची में शामिल करने पर जोर दिया। इस दौरान नगर निगम आयुक्त गोपू गंगाधर, अधिकारी, कर्मचारी एवं बूथ स्तरीय अधिकारी मौजूद रहे।

## प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत 40 लाभार्थियों को किट वितरित

**मदनूर, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मदनूर मंडल केंद्र स्थित डाकघर में मंगलवार को प्रधानमंत्री विश्वकर्मा योजना के तहत लाभार्थियों को किट वितरित किए गए। डाकघर अधिकारियों ने बताया कि बिचकुंडा मंडल के मदनूर, कोडिचिरा, पेद्दा एकलारा, खाटगांव एवं केलूर गांवों के कुल 40 लाभार्थियों को किट प्रदान किए गए। कार्यक्रम में भाजपा मंडल अध्यक्ष थेप्पा तुकाराम, अजय तम्मेवर, डाकघर कर्मचारी राजू एवं श्रीनिवास सहित लाभार्थी उपस्थित रहे।

# पन्नालाल अग्रवाल की सहभागिता में बेगम बाजार में राधे-राधे ग्रुप का नियमित अन्नदान

हैदराबाद। हैदराबाद राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने मंगलवार को नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर जरूरतमंदों एवं राहगीरों को भोजन वितरित कर मानव सेवा और सामाजिक दायित्व का संदेश दिया गया।

कार्यक्रम में पन्नालाल अग्रवाल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति में सेवा का महत्वपूर्ण माध्यम रहा है। किसी जरूरतमंद व्यक्ति को भोजन उपलब्ध कराना केवल उसकी भूख मिटाना नहीं, बल्कि उसके प्रति संवेदना और अपनत्व का भाव प्रकट करना है। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान से समाज में सेवा और सहयोग की भावना मजबूत हो रही है।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप के सदस्य जिस निष्ठा और समर्पण के साथ नियमित सेवा कार्यों में जुटे हुए हैं, वह सराहनीय है। सेवा कार्यों की निरंतरता ही इसकी सबसे बड़ी विशेषता है। उन्होंने कहा कि समाज के सक्षम लोगों को भी आगे आकर जरूरतमंदों की सहायता में अपना योगदान देना चाहिए।

इस अवसर पर अनिल धरशुवाले अग्रवाल, पन्नालाल अग्रवाल, शिव भगवान अग्रवाल, दीपचंद अग्रवाल, नीलम विजयवर्गीय, शर्मिला अग्रवाल, लता गोयल, रेनू शर्मा एवं जगन गुप्ता सहित राधे-राधे ग्रुप के सदस्यों ने सक्रिय रूप से सहभागिता निभाई।

सदस्यों ने मिलकर अन्नदान की व्यवस्था संभाली तथा जरूरतमंदों को सम्मानपूर्वक भोजन वितरित किया। कार्यक्रम के दौरान सेवा कार्य में सहयोग करने वाले सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य नियमित सेवा के माध्यम से समाज के जरूरतमंद वर्ग तक सहायता पहुंचाना है।

राधे-राधे ग्रुप द्वारा विभिन्न सेवा केंद्रों पर निरंतर अन्नदान सहित सामाजिक सेवा के कार्य किए जा रहे हैं। सदस्यों ने कहा कि सेवा, सहयोग और समर्पण की भावना के साथ इन कार्यों को आगे भी निरंतर जारी रखा जाएगा। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने राधे-राधे ग्रुप की सेवा भावना की सराहना की।

## श्री रामदेव बाबा मंदिर में भादवा सुदी दूज महोत्सव 13 को

**मंचेरियाल, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**
मंचेरियाल के अशोक रोड स्थित श्री रामदेव बाबा पंचदेव मंदिर में 13 सितंबर 2026 को बाबा रामदेवजी का भव्य भादवा सुदी दूज महोत्सव श्रद्धा एवं उल्लास के साथ मनाया जाएगा। श्री रामदेव बाबा मंदिर ट्रस्ट की ओर से आयोजित महोत्सव में दिनभर विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम होंगे। कार्यक्रम के तहत प्रातः 5.01 बजे बाबा का अभिषेक, 8.31 बजे श्रृंगार आरती, 9.01 बजे प्रातःकालीन भजन, दोपहर 12.01 बजे भोग आरती तथा 12.31 बजे से महाप्रसादी का आयोजन होगा। शाम 4.31 बजे महिला मंडल द्वारा विशेष भजन, 7.01 बजे संध्या आरती तथा रात 9.21 बजे से भव्य भजन संध्या होगी। भजन संध्या में हैदराबाद के प्रसिद्ध भजन गायक संजय दाहिमा अपनी सुमधुर प्रस्तुतियां देंगे।

मंदिर ट्रस्ट ने मंचेरियाल, गोदावरीखनी, बेल्लमपल्ली, पेद्दापल्ली, देवापुर एवं सिरपुर-कागजनगर क्षेत्र के श्रद्धालुओं से अधिक से अधिक संख्या में पहुंचकर बाबा के दर्शन, महाप्रसाद एवं भजन संध्या का धर्मलाभ लेने का आह्वान किया है।

**माथुर वैश्य इंटरनेशनल भाग्यनगर की ओर से रिंकल निर्भय गुप्ता के निवास पर सपना गुप्ता की अध्यक्षता में सुंदरकांड पाठ का आयोजन किया गया। इस अवसर पर श्रद्धालुओं ने भजन एवं हनुमान चालीसा का सामूहिक पाठ किया। कार्यक्रम के बाद भोजन प्रसादी का आयोजन हुआ। लकी ड्रा में साक्षी का नाम निकला जिन्हें पुरस्कार प्रदान किया गया।कार्यक्रम में मिथलेश, वंश, अभि, रिंकल, निर्भय, रचना, शिल्पी, मीनू, प्रीति, नीलू, कमलेश, ऊषा, जौली सहित अन्य सदस्य उपस्थित रहे।**

## प्रथम पृष्ठ का शेष...

## पीएमओ...

रोहन का यह भी कहना है कि वह प्रधानमंत्री मोदी के कार्यक्रम में शामिल होने या किसी उच्च सुरक्षा वाले इलाके में घुसने के लिए जियो वर्ल्ड प्लाजा नहीं आया था, बल्कि वह अपनी मंगेतर के लिए परफ्यूम खरीदने वहां पहुंचा था।

**कई सवालों के घेरे में रोहन का दावा**

रोहन के मुताबिक, वर्ष 2024 में उसे पीएमओ में नौकरी का प्रस्ताव पत्र मिला। लेकिन सवाल यह है कि जब उसे तनख्वाह ही नहीं मिल रही थी तो वह खुद को पीएमओ का असली अधिकारी कैसे समझता रहा?

दूसरा सवाल यह है कि अगर वह खुद को पीएमओ का अधिकारी बता रहा था तो उसने अपना निजी बॉडीगार्ड कैसे रख लिया?

यह युवक इतना पढ़ा-लिखा है और उसने गणित एवं विज्ञान में स्नातक की पढ़ाई की है। इसके बावजूद उसने अनजान ई-मेल से आए कुछ दस्तावेजों पर इतनी आसानी से विश्वास कैसे कर लिया?

अगला सवाल यह भी है कि उसने अपना निजी बॉडीगार्ड कैसे रखा। क्योंकि इतनी बात तो हर कोई जानता है कि अगर किसी अधिकारी को सुरक्षा देनी होती है तो यह काम सरकार का होता है, न कि अधिकारी खुद अपने निजी बॉडीगार्ड रखते हैं। सोचने वाली बात यह है कि जहां प्रधानमंत्री मोदी का कार्यक्रम होना था, वहां संयोग से यह युवक प्रधानमंत्री कार्यालय का ही अधिकारी बनकर कैसे पहुंच गया?

**फर्जी सरकारी अफसरों का बढ़ता जाल**

अब इस घटना के बाद सबसे बड़ा सवाल यह है कि इस देश में कितने लोग नकली सरकारी अधिकारी बनकर घूम रहे हैं?

बता दें, पिछले महीने मनीष कुमार गुप्ता की गिरफ्तारी हुई थी, जो खुद को भारत के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल का गुप्त एजेंट बताता था। बिहार के खगड़िया में उसने एक पांच मंजिला मकान बनाया था, जिसमें 100 निगरानी कैमरे लगाए गए थे। इलाके में यह बात भी फैली थी कि इस घर में एक स्वीमिंग पूल भी हो सकता है।

खगड़िया के लोगों के लिए ऐसा घर सामान्य नहीं था। यह बिहार का वह जिला है, जो बाढ़ के लिए जाना जाता है और जहां हर साल घर डूबते हैं। लेकिन उसी खगड़िया में जब यह खबर फैली कि मनीष कुमार गुप्ता एक भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी है और अजीत डोभाल उस पर काफी भरोसा करते हैं तो लोग उससे प्रभावित होने लगे।

यही नहीं, इस व्यक्ति ने अपनी गाड़ियों पर भारत सरकार भी लिखवा रखा था। लेकिन पुलिस ने इस व्यक्ति को संदिग्ध मानते हुए कार्रवाई की। जब पुलिस ने पूछताछ की तो इस व्यक्ति ने अपना परिचय भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी के रूप में दिया और यहीं से वह बुरी तरह फंस गया।

पुलिस ने उसकी पूरी कुंडली खंगाली और पता चला कि इस व्यक्ति ने पिछले 10 साल में फर्जी भारतीय प्रशासनिक सेवा अधिकारी बनकर कई लोगों को चूना लगाया था। आरोप है कि उसने 10 साल में लगभग 100 करोड़ रुपये की संपत्ति बना ली।

ऐसा नहीं है कि खुद को फर्जी भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय पुलिस सेवा अधिकारी बताने की यह पहली घटना थी। पिछले कुछ वर्षों में ऐसे कई लोग पकड़े गए हैं, जो खुद को राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजीत डोभाल, गृह मंत्री अमित शाह और कई बार प्रधानमंत्री कार्यालय का अधिकारी बताते रहे हैं और बाद में ये सभी लोग फर्जी निकले।

**2023 में भी सामने आया था किरण पटेल का मामला**

वर्ष 2023 में गुजरात के किरण पटेल ने खुद को प्रधानमंत्री कार्यालय का वरिष्ठ अधिकारी बताते हुए दावा किया था कि उसे जम्मू-कश्मीर में सरकार की ओर से सेब की पैदावार और सुरक्षा से जुड़े कामों की निगरानी के लिए भेजा गया है।

यह सुनने के बाद जम्मू-कश्मीर प्रशासन उसकी आवभगत में लग गया। उसे प्रोटोकॉल के तहत सरकारी गाड़ियां और सुरक्षाकर्मी दिए गए और वह लोगों को चूना लगाता रहा। और अब इस मामले में भी ऐसी ही कहानी सामने आ रही है।इस पूरे घटनाक्रम ने एक बार फिर सरकारी पद, पहचान पत्र, सुरक्षा व्यवस्था और फर्जी अधिकारियों के नाम पर चल रहे ठगी के नेटवर्क को लेकर गंभीर सवाल खड़े कर दिए हैं। फिलहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है और यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि रोहन पारेख द्वारा दिखाया गया पहचान पत्र और उसे भेजे गए ई-मेल वास्तव में किसने तैयार किए थे तथा इस पूरे मामले के पीछे कौन-कौन लोग शामिल हैं।

## हनुमान बने...

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए प्रशासन ने फिलहाल बिना किसी जल्दबाजी के काम करने का निर्णय लिया है। तहसीलदार शेफाली जैन ने बताया कि प्रशासन की योजना प्रतिमा को पूर्ण सम्मान और सुरक्षा के साथ टंकी चौक पर स्थापित करने की है।प्रतिमा के आधार की स्थिति जांचने के लिए करीब डेढ़ फीट गहरा गड्ढा खोदा गया है। अब पुरातत्व विभाग के विशेषज्ञों की टीम अत्याधुनिक मशीनों के माध्यम से प्रतिमा के आधार, अंदरूनी संरचना और आसपास की मिट्टी की स्कैनिंग करेगी।अधिकारियों के मुताबिक, विशेषज्ञों की रिपोर्ट आने के बाद ही प्रतिमा को हटाने के लिए अगली तकनीक पर निर्णय लिया जाएगा। प्रशासन का कहना है कि प्रतिमा को किसी भी तरह की क्षति पहुंचाए बिना पूरी सावधानी और सम्मान के साथ स्थानांतरित करना प्राथमिकता है।

## दिल्ली के ...

उन्होंने वर्ष 2007 में मुख्य सचिव का पद संभाला था और नवंबर 2010 में सेवानिवृत्त हुए। उनके कार्यकाल के दौरान ही वर्ष 2010 में दिल्ली में राष्ट्रमंडल खेलों का आयोजन हुआ था।राकेश मेहता को दिल्ली में कई प्रमुख परिवहन, बिजली और नागरिक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं को लागू करने का श्रेय दिया जाता है। पूर्व सहयोगियों के अनुसार, उन्होंने दिल्ली सरकार में विभिन्न महत्वपूर्ण पदों पर सेवाएं दी थीं।

**राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान संभाली थी अहम जिम्मेदारी**

पूर्व सहयोगियों ने बताया कि राकेश मेहता वर्ष 2007 से नवंबर 2010 तक दिल्ली के मुख्य सचिव रहे और वर्ष 2010 के राष्ट्रमंडल खेलों के दौरान दिल्ली प्रशासन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी संभाली थी। सोमवार को लोधी रोड स्थित श्मशान घाट पर उनका अंतिम संस्कार किया गया। पुलिस अब आत्महत्या के पीछे की परिस्थितियों और अन्य पहलुओं की जांच में जुटी है।

## 'मक्का' ...

**दक्षिणी सऊदी अरब बना हमलों का केंद्र**

यमन में लड़ रहे सऊदी नेतृत्व वाले गठबंधन के प्रवक्ता मेजर जनरल तुर्की अल-माल्की ने एक बयान में कहा कि मंगलवार तड़के हुए हमलों में सऊदी शहरों अबहा, जाज़ान, नजरान और खमीस मुशैत में नागरिक और आर्थिक केंद्रों को निशाना बनाया गया।

ताजा हमलों का केंद्र सऊदी अरब का दक्षिणी इलाका रहा, जो यमन की सीमा के बेहद करीब है। जाज़ान में सऊदी अरामको का बड़ा तेल परिसर है, जबकि अबहा और खमीस मुशैत रणनीतिक सैन्य और विमानन ढांचे के लिए महत्वपूर्ण हैं। जाज़ान में प्रतिदिन चार लाख बैरल तेल शोधन की क्षमता वाली रिफाइनरी और उससे जुड़ा ऊर्जा ढांचा मौजूद है। इन हमलों का असर तेल की कीमतों पर भी पड़ा है।

सऊदी ऊर्जा मंत्रालय के बयान के बाद ब्रेंट कच्चे तेल का वायदा भाव एक डॉलर बढ़कर 98 डॉलर प्रति बैरल हो गया, जबकि अमेरिकी कच्चे तेल का वायदा भाव दो डॉलर से अधिक बढ़कर 93.65 डॉलर प्रति बैरल हो गया।हूतियों की रणनीति सिर्फ मिसाइल या ड्रोन दागने तक सीमित नहीं है। वे सऊदी अरब के उस आर्थिक और सैन्य ढांचे को निशाना बना रहे हैं, जिस पर देश की सुरक्षा और ऊर्जा व्यवस्था टिकी हुई है। ये हमले उस समय हुए, जब विद्रोहियों ने यमन के उत्तरी प्रांत जफ़ में एक जेल पर हुए हवाई हमले के लिए सऊदी अरब को जिम्मेदार ठहराया।

हूतियों के मुताबिक, इस हमले में एक बच्चे समेत कम से कम सात लोगों की मौत हो गई और सात अन्य घायल हो गए।

यमन के सबसे ज्यादा आबादी वाले इलाकों और उत्तरी हिस्से के ज्यादातर क्षेत्रों पर कब्जा रखने वाले हूती विद्रोही, जुलाई में रियाद के खिलाफ समुद्री नाकेबंदी का ऐलान करने के बाद से ही सऊदी अरब पर हमले कर रहे हैं। इन हमलों में लाल सागर में सऊदी अरब के जहाजों को निशाना बनाए जाने की बात भी सामने आई है।

**मक्का रक्षा समझौते की बड़ी परीक्षा?**

सऊदी अरब, तुर्की और पाकिस्तान ने जब मक्का रक्षा समझौते पर हस्ताक्षर किए तो इसे लेकर काफी चर्चा हुई। इन देशों को उम्मीद थी कि इसके जरिये वे अपने पड़ोसियों पर दबाव बनाने में सक्षम होंगे। लेकिन अब एक विद्रोही संगठन हूती ने इस समझौते के सामने बड़ी चुनौती खड़ी कर दी है। मक्का रक्षा समझौते को पश्चिम एशिया में एक नए सामूहिक सुरक्षा ढांचे के तौर पर देखा जा रहा है। सऊदी अरब के पास आर्थिक ताकत और रणनीतिक भौगोलिक स्थिति है, तुर्की के पास क्षेत्र की बड़ी और आधुनिक सेनाओं में से एक है, जबकि पाकिस्तान परमाणु हथियारों से लैस देश है। समझौते में सामूहिक रक्षा का सिद्धांत रखा गया है। यानी किसी एक सदस्य पर सशस्त्र हमला सभी सदस्यों के खिलाफ हमला माना जाएगा। लेकिन अब सवाल यह है कि सऊदी अरब पर इतने बड़े हमले के बाद पाकिस्तान और तुर्की क्या करेंगे? यही इस गठबंधन की असली परीक्षा मानी जा रही है।

**सऊदी अरब के सामने दोहरी चुनौती**

सऊदी अरब के लिए चुनौती यह है कि वह हूतियों को जवाब भी दे और संघर्ष को एक बड़े क्षेत्रीय युद्ध में बदलने से भी रोके।

गौरतलब है कि हूतियों को ईरान का समर्थन हासिल है। ऐसे में सऊदी अरब पर बड़े हमले का मतलब क्षेत्रीय शक्ति संतुलन पर सीधा दबाव है।

अब देखना यह है कि क्या तुर्की और पाकिस्तान इस हमले को सिर्फ सऊदी अरब और हूतियों के बीच का संघर्ष मानेंगे या फिर मक्का समझौते के सामूहिक रक्षा सिद्धांत को जमीन पर उतारेंगे?फिलहाल पूरे क्षेत्र की नजर सऊदी अरब की अगली कार्रवाई के साथ-साथ पाकिस्तान और तुर्की की प्रतिक्रिया पर टिकी हुई है।

## ट्राय की

आवंटित करने का रास्ता खोल सकता है जो भारत में ब्रॉडबैंड सेवाएं शुरू करना चाहती हैं। सूत्रों ने बताया कि सरकार के पैनल द्वारा मंजूर फ्रेमवर्क के तहत सैटेलाइट सेवा प्रदाताओं को पांच साल के लिए स्पेक्ट्रम मिलने की उम्मीद है। कंपनियों को एडजस्टेड ग्रॉस रेवेन्यू (एजीआर) का 5 प्रतिशत स्पेक्ट्रम यूजेज चार्ज (एसयूसी) भी देना होगा, सूत्रों ने कहा।

सरकार उन कंपनियों के लिए कम स्पेक्ट्रम यूजेज चार्ज भी देने वाली है जो ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में सैटेलाइट कनेक्टिविटी पहुंचाएंगी। इसका मकसद उन क्षेत्रों में सेवाओं को बढ़ावा देना है जहां स्थलीय ब्रॉडबैंड इंफ्रास्ट्रक्चर अभी भी सीमित है। यह फैसला ऐसे समय में आया है जब वैश्विक और भारतीय सैटेलाइट ऑपरेटर देश के उभरते सैटकॉम बाजार की तैयारियों को तेज कर रहे हैं।भारती एयरटेल द्वारा समर्थित यूटेलसैट वनवेब कमर्शियल सेवाएं शुरू करने के लिए सुरक्षा मंजूरी की मांग कर रहा है, जबकि स्टारलिंक इंडिया और रिलायंस का जियो भी अपनी भारत योजनाओं पर आगे बढ़ रहे हैं। स्पेक्ट्रम फ्रेमवर्क कमर्शियल सैटेलाइट ब्रॉडबैंड सेवाओं के पैन-इंडिया रोलआउट से पहले एक महत्वपूर्ण नियामकीय कदम माना जा रहा है।

## कश्मीर में ...

15 अगस्त को जैसे ही उन्हें एहसास हुआ कि राष्ट्रगीत गाने वाले गायक पहले दो छंदों से आगे बढ़ गए हैं, उन्होंने इसे रोकने का इशारा किया था।

**1937 में अपनाया गया था छोटा संस्करण**

बता दें कि वर्ष 1937 में कांग्रेस कार्यसमिति के एक प्रस्ताव के बाद 'वंदे मातरम्' के छोटे संस्करण को अपनाया गया था। कांग्रेस का कहना था कि ऐसा सांप्रदायिक सद्भाव बनाए रखने के उद्देश्य से किया गया था।

हालांकि, कांग्रेस की सहयोगी पार्टी नेशनल कॉन्फ्रेंस का श्रीनगर फिल्म महोत्सव में राष्ट्रगान से पहले पूरे 'वंदे मातरम्' के दौरान खड़े रहने का फैसला सभी का ध्यान खींचने वाला रहा। कुछ लोगों ने कहा कि जहां दिल्ली में इस बात को लेकर उलझन दिखाई दे रही है कि वंदे मातरम् कैसे और कितना गाया जाना चाहिए, वहीं कश्मीर में ऐसी कोई उलझन दिखाई नहीं दी। पत्रकार जफर चौधरी ने एक वीडियो की ओर इशारा करते हुए कहा, जहां दिल्ली में इस बात पर बहस हो रही है कि वंदे मातरम् का कितना हिस्सा गाया जाना चाहिए, वहीं कश्मीर ने इस मामले को बहुत आसानी से सुलझा लिया हैपूरा गीत और उसके बाद पूरा राष्ट्रगान। कोई बहस नहीं, कोई ड्रामा नहीं, टीवी चैनलों के लिए कोई मसाला नहीं। बस संगीत। इस वीडियो में अब्दुल्ला परिवार के सदस्य गीत के दौरान सबसे आगे की पंक्ति में खड़े दिखाई दे रहे थे।

**सोशल मीडिया पर भी हुई चर्चा**

कई अन्य उपयोगकर्ताओं ने भी अपनी प्रतिक्रिया दी। कुछ लोगों ने कहा कि दिल्ली में कोई उलझन नहीं है, बल्कि उलझन सिर्फ एक खास पार्टी के सदस्यों के बीच है। इन लोगों ने इस टिप्पणी के जरिए कांग्रेस पर तंज कसा। वहीं, कुछ लोगों ने पूरे गीत के दौरान खड़े रहने के लिए नेशनल कॉन्फ्रेंस की तारीफ भी की।

श्रीनगर में सोमवार शाम हुए पहले फिल्म महोत्सव की इस घटना ने वंदे मातरम् विवाद को एक नया मोड़ दे दिया है। कांग्रेस और नेशनल कॉन्फ्रेंस के अलग-अलग रुख ने राष्ट्रीय गीत को लेकर इंडिया गठबंधन के भीतर अलग-अलग नजरिए की ओर सबका ध्यान खींचा है।

## हसीना को ...

जाहेद उर रहमान ने शेख हसीना को आरोपी, फरार आरोपी और मौत की सजा पा चुकी दोषी बताया। बांग्लादेशी अखबार द डेली स्टार में अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायाधिकरण के मुख्य अभियोजक के हवाले से कहा गया है कि यदि शेख हसीना देश लौटती भी हैं तो उन्हें अपने खिलाफ हुए मुकदमे की समीक्षा की मांग करने का मौका नहीं मिलेगा।

उन्होंने कहा, तकनीकी तौर पर स्थिति यह है कि उनके आते ही उन्हें मौत की सजा का सामना करना पड़ेगा। हम उन्हें पकड़कर वापस लाना चाहते हैं।

**भारतीय मीडिया को साक्षात्कार देने पर भी नाराजगी**

जाहेद उर रहमान ने बांग्लादेश की आपत्तियों के बावजूद शेख हसीना को भारतीय मीडिया को साक्षात्कार देने की अनुमति दिए जाने पर भी सरकार की नाराजगी जाहिर की। उन्होंने कहा कि बांग्लादेश को उम्मीद है कि भारत सरकार शेख हसीना के प्रत्यर्पण तक उन्हें ऐसी गतिविधियों में शामिल होने से रोकने के लिए आवश्यक कदम उठाएगी। जाहेद ने कहा कि यदि भारत चाहे तो शेख हसीना को वापस भेजकर दोनों देशों के रिश्तों को बेहतर बनाने की दिशा में तुरंत कदम उठा सकता है।

**सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत पहुंची थीं हसीना**

शेख हसीना 5 अगस्त 2024 को सत्ता से बेदखल होने के बाद भारत पहुंची थीं और तब से भारत में रह रही हैं। इसके बाद बांग्लादेश में उनके खिलाफ कई मामले दर्ज हुए और ढाका ने भारत से उनके प्रत्यर्पण की मांग की। शेख हसीना के कार्यकाल के दौरान भारत और बांग्लादेश के रिश्तों में कई महत्वपूर्ण बदलाव हुए। सीमा सुरक्षा, आतंकवाद के खिलाफ सहयोग, संपर्क व्यवस्था और पूर्वोत्तर भारत के लिए पारगमन जैसे मुद्दों पर ढाका और नई दिल्ली के बीच सहयोग बढ़ा था।

इसी वजह से शेख हसीना का मामला केवल उनके खिलाफ चल रही कानूनी कार्रवाई तक सीमित नहीं है, बल्कि यह भारत-बांग्लादेश संबंधों के व्यापक रणनीतिक समीकरण से भी जुड़ा हुआ है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, बुधवार, 09 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें।

# आत्मशुद्धि और आत्मजागरण की साधना का महापर्व है पर्युषण : मुनि दीप कुमार

## सिकंदराबाद में मुनिश्री दीप कुमारजी के सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण का शुभारंभ

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** सिकंदराबाद के डायमंड पॉइंट स्थित राजा राजेश्वरी गार्डन में युगप्रधान आचार्य श्री महाश्रमणजी के सुशिष्य मुनिश्री दीप कुमारजी एवं सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी के सान्निध्य में पर्वाधिराज पर्युषण महापर्व का भव्य शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर खाद्य संयम दिवस एवं जयाचार्य महाप्रयाण दिवस का भी आयोजन किया गया।

राजेंद्र बोथरा द्वारा जारी विज्ञप्ति के अनुसार, पर्युषण महापर्व के प्रथम दिन ही श्रद्धालुओं में विशेष उत्साह एवं आध्यात्मिक उमंग देखने को मिली। कार्यक्रम स्थल का विशाल सभागृह भी श्रद्धालुओं की उपस्थिति के सामने छोटा पड़ता नजर आया। बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं की उपस्थिति से पूरा परिसर जनाकीर्ण बना रहा। वातावरण में आध्यात्मिकता, साधना और आत्मजागरण की विशेष अनुभूति हो रही थी।

**बाहरी उत्सव नहीं, भीतर की यात्रा का पर्व**

मुनिश्री दीप कुमारजी ने पर्युषण महापर्व की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि पर्युषण पूर्ण रूप से आत्मशुद्धि का प्रेरक और उत्प्रेरक महापर्व है। यह एक अलौकिक पर्व है। इस पर्व की हवा मात्र से लोग जाग उठते हैं।

उन्होंने कहा कि पर्युषण जैन समाज का एक विशिष्ट पर्व है, जिसकी मूल भावना बाहरी उत्सव से अधिक भीतर की यात्रा से जुड़ी हुई है। यह पर्व व्यक्ति को अपने जीवन, व्यवहार, विचार और आचरण को देखने का अवसर देता है। पर्युषण का संदेश है कि मनुष्य कुछ समय के लिए बाहरी दुनिया से हटकर स्वयं के भीतर झांके और आत्मनिरीक्षण करे।

मुनिश्री ने कहा कि पर्युषण पर्व का किसी तीर्थंकर की जन्मतिथि से संबंध नहीं है। जैन पर्व होने के कारण बहुतों के मन में यह जिज्ञासा रहती है कि आखिर पर्युषण का आधार क्या है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जैन धर्म के सिद्धांतों और आदर्शों में व्यक्ति पूजा को स्थान नहीं है। पर्युषण किसी व्यक्ति विशेष की स्मृति का पर्व नहीं, बल्कि मानवता, संयम, अनुशासन और आत्मशुद्धि की प्रतिष्ठा का महापर्व है।

**खुद से सवाल करने की प्रेरणा देता है पर्युषण**

उन्होंने कहा कि पर्युषण की पृष्ठभूमि में मानव जीवन को श्रेष्ठ बनाने की प्रेरणा छिपी हुई है। यह पर्व मनुष्य को स्वयं से प्रश्न करने के लिए प्रेरित करता हैमैं कैसा जीवन जी रहा हूं? मेरे भीतर कितनी कषाय है? मेरे व्यवहार से किसी को पीड़ा तो नहीं पहुंच रही? मेरे जीवन में संयम कितना है? और सबसे महत्वपूर्णक्या मैं अपनी आत्मा की ओर आगे बढ़ रहा हूं?

मुनिश्री ने कहा कि पर्युषण का वास्तविक लाभ तभी है, जब इन आठ दिनों में व्यक्ति केवल कार्यक्रमों में उपस्थित न रहे, बल्कि अपने भीतर परिवर्तन की शुरुआत करे।

**खाद्य संयम भी आत्मसाधना का महत्वपूर्ण अंग**

खाद्य संयम दिवस के संदर्भ में मुनिश्री दीप कुमारजी ने कहा कि मनुष्य के जीवन में भोजन केवल शरीर को चलाने का माध्यम है, लेकिन जब भोजन के प्रति आसक्ति बढ़ जाती है तो वही आसक्ति जीवन में अनेक प्रकार के प्रमाद और विकारों का कारण बन सकती है।

उन्होंने कहा कि खाद्य संयम केवल भोजन कम करने का नाम नहीं है, बल्कि भोजन के प्रति अपनी वृत्ति को संयमित करने का नाम है। क्या खाना है, कितना खाना है, कब खाना है और किस भावना से खाना हैइन सभी पहलुओं पर जागरूकता आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि जिह्वा पर विजय प्राप्त करना आसान नहीं है। स्वाद की चाह मनुष्य को बार-बार अपनी ओर खींचती है। इसलिए खाद्य संयम व्यक्ति के लिए एक प्रकार की साधना है। जब मनुष्य अपनी जिह्वा को संयमित करता है, तब धीरे-धीरे उसकी इच्छाओं और वृत्तियों पर भी नियंत्रण आने लगता है।

उन्होंने पर्युषण को इस दृष्टि से भी महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि इन दिनों में भोजन में संयम, वाणी में संयम, व्यवहार में संयम और विचारों में संयमइन सभी का अभ्यास किया जाए तो पर्युषण वास्तव में आत्मशुद्धि की दिशा में सार्थक कदम बन सकता है।

**जयाचार्य के जीवन से प्रेरणा लेने का आह्वान**

इस अवसर पर जयाचार्य महाप्रयाण दिवस का भी आयोजन किया गया। जयाचार्य के जीवन एवं व्यक्तित्व का स्मरण करते हुए उनके द्वारा धर्मसंघ के लिए किए गए योगदान, अनुशासन, साधना और संगठनात्मक दृष्टि को याद किया गया।

मुनिश्री दीप कुमारजी ने जयाचार्य के जीवन से प्रेरणा लेने की आवश्यकता बताते हुए कहा कि महान व्यक्तित्व केवल इतिहास का हिस्सा नहीं होते, बल्कि उनके जीवन से वर्तमान पीढ़ी को दिशा मिलती है। उनका जीवन संयम, अनुशासन, साधना और संघनिष्ठा का प्रेरणास्रोत रहा है।

उन्होंने कहा कि जयाचार्य महाप्रयाण दिवस का उद्देश्य केवल स्मरण करना नहीं, बल्कि उनके जीवन-मूल्यों को अपने जीवन में उतारने का संकल्प लेना है। ऐसे महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेकर व्यक्ति अपने आचरण को अधिक संयमित और अनुशासित बना सकता है।

**साधना, तपस्या और स्वाध्याय पर दिया जोर**

सहवर्ती संत मुनि काव्य कुमारजी ने भी उपस्थित श्रावक-श्राविकाओं को पर्युषण महापर्व की आराधना का भरपूर लाभ लेने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि पर्युषण के ये दिन साधना और आत्मचिंतन के दिन हैं। इन दिनों में प्रत्येक व्यक्ति को अपनी दिनचर्या में आध्यात्मिकता को प्रमुख स्थान देना चाहिए तथा अधिक से अधिक आराधना, तपस्या, स्वाध्याय, सामायिक और प्रतिक्रमण के माध्यम से आत्मकल्याण की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि पर्युषण की सार्थकता तभी है, जब इन दिनों का प्रभाव हमारे जीवन में दिखाई दे और हमारे विचार, व्यवहार तथा आचरण में सकारात्मक परिवर्तन आए।

**मंगलाचरण से हुआ कार्यक्रम का शुभारंभ**

कार्यक्रम के प्रारंभ में गंगाशहर चोखला, बीकानेर, उदासर, भीनासर, नोखा, नाल, देशनोक और रासीसर के लोगों द्वारा मंगलाचरण प्रस्तुत किया गया। मंगलाचरण के साथ ही वातावरण आध्यात्मिक भावनाओं से ओत-प्रोत हो गया।

श्री जैन श्वेतांबर तेरापंथी सभा, सिकंदराबाद के अध्यक्ष श्री सुशीलजी संचेती ने सभी का स्वागत करते हुए सभी को पर्युषण महापर्व की शुभकामनाएं प्रेषित कीं।

कार्यक्रम के दौरान आवश्यक सूचनाएं महासभा के प्रभारी लक्ष्मीपतजी बैद ने प्रदान कीं।

**नमस्कार महामंत्र का अखंड जाप शुरू**

पर्युषण महापर्व के अवसर पर नमस्कार महामंत्र का अखंड जाप भी प्रारंभ हो चुका है। प्रथम दिन बीकानेर चोखले द्वारा अखंड जाप किया गया। श्रद्धालुओं ने पूरे मनोयोग से नमस्कार महामंत्र के जाप में सहभागिता की।

**आठ दिनों तक होंगे विविध आध्यात्मिक कार्यक्रम**

पर्युषण के इन आठ पावन दिनों में विभिन्न आध्यात्मिक एवं धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन होगा। दिनभर पर्युषण साधना शिविर के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रम चलते रहेंगे।

प्रतिदिन प्रातःकालीन प्रवचन सुबह 9:30 बजे से होंगे। शाम 6:20 बजे से सामूहिक प्रतिक्रमण का आयोजन होगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रावक-श्राविकाओं के सम्मिलित होने की संभावना है।

वहीं रात्रिकालीन कार्यक्रमों का शुभारंभ शाम 7:20 बजे से होगा। इन कार्यक्रमों के माध्यम से पर्युषण की आध्यात्मिक भावना को जन-जन तक पहुंचाने और सभी को आत्मसाधना के मार्ग पर आगे बढ़ाने का प्रयास किया जाएगा।

पर्वाधिराज पर्युषण के शुभारंभ के साथ ही सिकंदराबाद में आठ दिनों की आत्मजागरण, आत्मचिंतन, संयम और साधना की आध्यात्मिक यात्रा प्रारंभ हो गई है।

# राधे-राधे परिवार सेवा और सामाजिक दायित्व का कर रहा है ईमानदारी से निर्वहन : सुरेश सिंघल

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन, पिलर नंबर 1265 ए के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

इस दौरान जरूरतमंद एवं असहाय लोगों को भोजन वितरित किया गया। राधे-राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम में सदस्य बढ़-चढ़कर भाग लेते हुए मानव सेवा को अपना सामाजिक दायित्व मानकर कार्य कर रहे हैं।

इस अवसर पर अपने विचार व्यक्त करते हुए सुरेश सिंघल ने कहा कि राधे-राधे परिवार जिस प्रकार से अपने सामाजिक दायित्व का निर्वहन पूरी ईमानदारी, निष्ठा और समर्पण के साथ कर रहा है, वह वास्तव में एक सराहनीय कदम है। उन्होंने कहा कि समाज में जरूरतमंद लोगों की सहायता करना और उन्हें भोजन उपलब्ध करवाना मानवता की सच्ची सेवा है। राधे-राधे ग्रुप लगातार इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाते हुए समाज के विभिन्न वर्गों तक पहुंचने का प्रयास कर रहा है।

सुरेश सिंघल ने कहा कि अन्नदान भारतीय संस्कृति और परंपरा में सेवा का सबसे महत्व-पूर्ण माध्यम माना गया है। जब किसी जरूरतमंद व्यक्ति को सम्मान के साथ भोजन कराया जाता है तो उससे न केवल उसकी तत्काल आवश्यकता पूरी होती है, बल्कि समाज में अपनत्व और भाईचारे की भावना भी मजबूत होती है। राधे-राधे ग्रुप के सदस्य नियमित रूप से इस सेवा कार्य में अपनी सहभागिता निभाकर समाज के सामने सेवा और समर्पण का प्रेरणादायक उदाहरण प्रस्तुत कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि राधे-राधे ग्रुप की विशेषता यह है कि सेवा कार्य को किसी एक दिन या विशेष अवसर तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि नियमित रूप से अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों तक भोजन पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। इस प्रकार के सेवा कार्य समाज के अन्य लोगों को भी मानव सेवा के लिए प्रेरित करते हैं।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, दत्ता, जगन गुप्ता, भगत राम गोयल, नंद किशोर अग्रवाल, संजय गोयल, किरण गोयल, भाकर राम कुमावत, पाबुराम कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, सुरेश सिंघल, राजेश नथानी एवं अनिता नथानी सहित राधे-राधे परिवार के सदस्य उपस्थित रहे।

सदस्यों ने कहा कि राधे-राधे ग्रुप का उद्देश्य केवल अन्नदान करना ही नहीं, बल्कि समाज में सेवा, सहयोग और मानवता की भावना को मजबूत करना भी है। नियमित अन्नदान के माध्यम से जरूरतमंदों के चेहरों पर संतोष और खुशी लाने का प्रयास किया जा रहा है। सदस्यों ने भविष्य में भी इसी प्रकार सेवा गतिविधियों को निरंतर जारी रखने और अधिक से अधिक लोगों को सेवा कार्यों से जोड़ने का संकल्प व्यक्त किया।

# गणेश आगमन के दौरान कथित पुलिस दुर्व्यवहार पर भाजपा एंडोमेंट सेल ने जताया विरोध

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** 4 सितंबर को सुल्तान बाजार में गणेश आगमन के दौरान श्री गोविंद राठी एवं पंडाल संचालक के साथ कथित पुलिस दुर्व्यवहार के मामले में भाजपा एंडोमेंट सेल ने विरोध जताया। खैरताबाद विधानसभा संयोजक धीरेंद्र बियाणी के नेतृत्व में प्रतिनिधिमंडल ने राठी से उनके निवास पर मुलाकात कर घटना की जानकारी ली और अपना समर्थन व्यक्त किया।

प्रतिनिधिमंडल ने आरोप लगाया कि गणेश आगमन के दौरान पुलिस अधिकारियों ने कथित रूप से धक्का-मुक्की की और लाठी दिखाकर डराने का प्रयास किया। राज्य संयुक्त संयोजक शिव प्रसाद ने घटना की निंदा करते हुए कहा कि धार्मिक आयोजनों के दौरान पुलिस को संयमित एवं सम्मानजनक व्यवहार करना चाहिए।

धीरेंद्र बियाणी ने कथित घटना के लिए जिम्मेदार बताए जा रहे सहायक उपनिरीक्षक सुरेंद्र एवं उपनिरीक्षक वेणु के निलंबन की मांग को लेकर पुलिस आयुक्त एवं संबंधित पुलिस उपायुक्त को ज्ञापन सौंपने की बात कही।

# अग्रवाल समाज का परिचय सम्मेलन 20 को

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** अग्रवाल समाज तेलंगाना की ओर से विवाह योग्य युवक-युवतियों के लिए परिचय सम्मेलन का आयोजन 20 सितंबर, रविवार को समाज कार्यालय, राघव रत्न टावर्स, आबिड्स में किया जाएगा।

सम्मेलन में विवाह योग्य युवक-युवतियां अपने माता-पिता के साथ शामिल हो सकेंगे। प्रवेश सीमित संख्या में पहले आओ, पहले पाओ के आधार पर दिया जाएगा।

इच्छुक अभिभावक अग्रवाल समाज मैरिज डेटा कमेटी के चेयरमैन अथवा वाइस चेयरमैन से संपर्क कर सम्मेलन में भाग ले सकते हैं। समाज ने सभी इच्छुक अभिभावकों से समय पर उपस्थित होकर सम्मेलन का लाभ उठाने का अनुरोध किया है।

# नन्हे कलाकारों ने बिखेरा भारतीय संस्कृति का रंग, 12वीं राष्ट्रीय नृत्य चैंपियनशिप संपन्न

## देशभर से पहुंचे 800 से अधिक बाल कलाकारों ने कुचिपुड़ी, कथक, भरतनाट्यम, बॉलीवुड और लोकनृत्यों से मोहा मन

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** कल्चरल फाइन आर्ट्स फेडरेशन और मातृभूमि डेवलपर्स के संयुक्त तत्वावधान में नामपल्ली स्थित तेलुगु विश्वविद्यालय के सुरावरम प्रताप रेड्डी सभागृह में 12वीं राष्ट्रीय नृत्य चैंपियनशिप-2026 का भव्य आयोजन किया गया। सुबह 9 बजे से रात 9 बजे तक चले इस 12 घंटे के सांस्कृतिक महाकुंभ में देश के विभिन्न राज्यों से आए लगभग 140 समूहों के 800 से अधिक प्रतिभागियों ने अपनी कला का शानदार प्रदर्शन किया।

**कुचिपुड़ी से कथक तक, प्रस्तुतियों ने बांधा समां**

नन्हे बाल कलाकारों और युवाओं ने कुचिपुड़ी, कथक, भरतनाट्यम, बॉलीवुड तथा विभिन्न लोकनृत्यों की मनमोहक प्रस्तुतियां देकर दर्शकों और निर्णायकों को मंत्रमुग्ध कर दिया। रंग-बिरंगी वेशभूषा, आकर्षक नृत्य मुद्राओं और भारतीय संगीत की सुरमयी धुनों के बीच कलाकारों ने अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया।

**पारंपरिक कलाओं को सहेजने की सराहना**

समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित तेलंगाना गोशाला फेडरेशन के अध्यक्ष महेश अग्रवाल ने कहा कि इस प्रकार के राष्ट्रीय मंच नई पीढ़ी को अपनी जड़ों और पारंपरिक कलाओं से जोड़ने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने भारतीय सांस्कृतिक एवं पारंपरिक कलाओं को बढ़ावा देने के लिए संस्था द्वारा किए जा रहे प्रयासों की सराहना की। विशेष अतिथि एवं भारतीय रिजर्व बैंक, हैदराबाद की सहायक महाप्रबंधक श्रीमती जयलक्ष्मी ने कहा कि बच्चों में छिपी प्रतिभा को निखारने के लिए ऐसी प्रतियोगिताओं का निरंतर आयोजन जरूरी है। इससे बच्चों का आत्मविश्वास बढ़ता है और उन्हें अपनी प्रतिभा को बड़े मंच पर प्रस्तुत करने का अवसर मिलता है।

**दिग्गजों ने बढ़ाया कलाकारों का उत्साह**

कार्यक्रम में मातृभूमि डेवलपर्स के प्रबंध निदेशक के. कृष्णा, अभिनेत्री सुश्री मृणाली शीर्षत, सिनेमा निर्माता मुरलीधर राव, शेष साईं, श्यामा देवी, प्रसिद्ध फिल्म कोरियोग्राफर कपिल मास्टर, 'चिट्टी चिलका' ख्यात अशोक और मोनिका सहित कई गणमान्य हस्तियां विशेष अतिथि के रूप में मौजूद रहीं। सभी अतिथियों ने विजेताओं और प्रतिभागियों को संबोधित करते हुए उनका उत्साह बढ़ाया तथा मार्गदर्शन दिया।

**मलेशिया में होगी अंतरराष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता**

कार्यक्रम के समापन पर कल्चरल फाइन आर्ट्स फेडरेशन के अध्यक्ष जी. प्रभाकर राव ने सभी अतिथियों, प्रतिभागियों और अभिभावकों का धन्यवाद ज्ञापित किया। उन्होंने घोषणा की कि फेडरेशन द्वारा निकट भविष्य में मलेशिया में एक वृहद अंतरराष्ट्रीय नृत्य प्रतियोगिता का आयोजन किया जाएगा। इसका उद्देश्य भारतीय कलाकारों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मंच प्रदान करना और भारतीय नृत्य एवं सांस्कृतिक कलाओं को वैश्विक पहचान दिलाना है।

**सुचित्रा स्थित श्री राम गार्डन में श्री राम श्याम मित्र मंडल ने धूमधाम के साथ जन्माष्टमी मनाया। भजन गायक अनुराग भूतड़ा ने भजनों की गंगा बहाई।**

# स्पीकर के खिलाफ टिप्पणी : दो बीआरएस एमएलसी परिषद सत्र के शेष हिस्से के लिए निलंबित

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बीआरएस के एमएलसी टाटा मधुसूदन और एन. नवीन कुमार रेड्डी को मंगलवार को तेलंगाना विधान परिषद से चल रहे सत्र के शेष हिस्से के लिए निलंबित कर दिया गया। आरोप है कि उन्होंने विधानसभा स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार के खिलाफ अपमानजनक और असंसदीय टिप्पणियां कीं तथा विधानसभा परिसर में प्रदर्शन के दौरान अभद्र व्यवहार किया। आधिकारिक सूत्रों ने बताया कि उनके निष्कासन को आचार समिति के पास भेजा जाएगा, जिससे जल्द से जल्द रिपोर्ट पेश करने की उम्मीद है। दोनों एमएलसी को मंगलवार को गिरफ्तार भी किया गया।

यह कार्रवाई विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू द्वारा लाए गए एक प्रस्ताव के बाद हुई। प्रस्ताव में दोनों एमएलसी पर आरोप लगाया गया कि उन्होंने सोमवार को विधानसभा परिसर के गेट नंबर-3 के पास स्पीकर के खिलाफ अत्यंत अपमानजनक, अपमानजनक और असंसदीय टिप्पणियां कीं। प्रस्ताव में यह भी आरोप लगाया गया कि एमएलसी ने महिलाओं की मौजूदगी में सार्वजनिक रूप से अपनी टी-शर्ट उतार दी, जिसे आपत्तिजनक और मौजूद महिलाओं की गरिमा के खिलाफ बताया गया।

प्रस्ताव में कहा गया कि उनका आचरण विधान परिषद के सदस्यों के लिए पूरी तरह अनुचित था और यह स्पीकर की गरिमा, अधिकार तथा संवैधानिक पद के खिलाफ था। साथ ही इससे विधानसभा की गरिमा और संस्थागत अखंडता को भी नुकसान पहुंचा।

परिषद ने बीआरएस के कड़े विरोध के बावजूद ध्वनि मत से प्रस्ताव पारित कर दिया। बीआरएस सदस्यों ने वोटों के विभाजन की मांग की, लेकिन सत्ता पक्ष ने ध्वनि मत से आगे बढ़कर प्रस्ताव पारित कर दिया। इससे बीआरएस और कांग्रेस सदस्यों के बीच तीखी नोंकझोंक छिड़ गई।

जब मधुसूदन और नवीन कुमार रेड्डी उस समय परिषद में प्रवेश कर गए जब उनके खिलाफ प्रस्ताव पर चर्चा चल रही थी, तो स्थिति तनावपूर्ण हो गई। कांग्रेस सदस्यों ने उनकी मौजूदगी पर आपत्ति जताई और तुरंत निलंबन की मांग की। सदन ने प्रस्ताव पारित कर तेलंगाना विधान परिषद के नियमों के नियम 308 के उप-नियम 2 के उप-खंड 2 के तहत उनका निलंबन आदेश दिया।

निलंबन के बाद बीआरएस एमएलसी ने परिषद अध्यक्ष गुथा सुखेंदर रेड्डी के कक्ष के बाहर धरना दिया। बाद में मार्शलों ने उन्हें वहां से हटा दिया। इसके बाद वे विधानसभा परिसर के मीडिया पॉइंट पर पहुंचे, लेकिन सुरक्षा कर्मियों ने उन्हें मीडिया से बात करने से रोक दिया और जबरन विधानसभा परिसर से बाहर भेज दिया।परिषद की यह कार्रवाई दिन में पहले विधानसभा द्वारा पारित प्रस्ताव पर आधारित थी। विधानसभा ने दोनों एमएलसी के कथित आचरण से संबंधित सभी सबूतों को आगे की कार्रवाई के लिए परिषद को भेजने का संकल्प लिया। यह प्रस्ताव स्वास्थ्य मंत्री दामोदर राजनरसिम्हा ने पेश किया था।विधानसभा के प्रस्ताव में नेता प्रतिपक्ष के. चंद्रशेखर राव से भी कहा गया कि वे दोनों बीआरएस एमएलसी के आचरण की जिम्मेदारी लें और संस्थागत अखंडता, शालीनता तथा गरिमा के हित में स्पीकर से बिना शर्त माफी मांगें।

दिन में पहले पुलिस ने मधुसूदन और नवीन कुमार रेड्डी को गिरफ्तार किया था। नांपल्ली की अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने पुलिस की न्यायिक हिरासत की मांग खारिज कर दोनों एमएलसी को जमानत दे दी।

अपनी रिमांड रिपोर्ट में पुलिस ने कहा कि आरोपी प्रभावशाली व्यक्ति हैं और सबूतों से छेड़छाड़ कर सकते हैं। पुलिस का आरोप था कि एमएलसी ने स्पीकर को यह जानते हुए भी गंदी भाषा में गाली दी कि वे अनुसूचित जाति समुदाय से हैं। पुलिस ने तेलंगाना भर में विभिन्न जाति संगठनों के प्रदर्शनों और मौजूदा राजनीतिक तनाव का भी जिक्र किया तथा कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए न्यायिक हिरासत आवश्यक बताई।

मामला सैफाबाद पुलिस स्टेशन में क्राइम नंबर 364/2026 के रूप में दर्ज किया गया है। इसमें भारतीय न्याय संहिता की धारा 352 सहपठित धारा 3(5) तथा एससी/एसटी (अत्याचार निवारण) अधिनियम की धारा 3(1)(आर), 3(2)(वीए) और 3(2)(vii) के तहत मामला दर्ज है। यह शिकायत विधानसभा स्पीकर के विशेष अधिकारी पोल्लेपल्ली वेंकटेशम द्वारा दर्ज कराई गई थी।

पुलिस ने कहा कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि मधुसूदन, नवीन कुमार रेड्डी और उनके साथियों ने विधानसभा के सुरक्षा क्षेत्र में जमा होकर कथित दुराचार किया।जब दोनों एमएलसी को नांपल्ली अदालत में लाया गया तो पुलिस कर्मियों और वकीलों के बीच मामूली झड़प भी हुई।

# क्रोधित स्पीकर ने हरिश को दोहरी बात के लिए फटकारा

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। विधानसभा में मंगलवार को मानसून सत्र के दूसरे दिन तीखे दृश्यों के बीच कार्यवाही शुरू हुई और सुबह का सत्र स्थगित हो गया। कांग्रेस और बीआरएस दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर आरोप लगाए और माफी की मांग की। विवाद बीआरएस एमएलसी टाटा मधुसूदन द्वारा स्पीकर गड्डम प्रसाद कुमार पर कथित अपमानजनक टिप्पणी को लेकर था। इस दिन स्पीकर ने सदन संचालन के अपने सामान्य तरीके से हटकर गुस्सा भी दिखाया और बीआरएस के डिप्टी फ्लोर लीडर टी. हरिश राव को फटकार लगाई।

आपसी आरोप-प्रत्यारोप के दौरान जब हरिश राव जोर-शोर से कह रहे थे कि कांग्रेस सरकार बीआरएस की महिला विधायकों से माफी मांगे क्योंकि पुलिस ने उनके साथ अभद्र व्यवहार किया, तो स्पीकर ने सीधे हरिश राव से कहा आप क्यों भड़क रहे हैं? मैं भी गुस्सा कर सकता हूं। मेरी मां का नाम लिया गया। मेरी बात सुनिए। मुझे महिला सदस्यों का सम्मान है। मेरी आठ बहनें हैं। मैंने सबिता इंद्रा रेड्डी, सुनीता लक्ष्मा रेड्डी और कोवा लक्ष्मी से जुड़े घटनाक्रम पर रिपोर्ट मांगी है और रिपोर्ट आते ही कार्रवाई की जाएगी।

इसके बाद उन्होंने गुस्से भरे स्वर में कहा मेरा क्या, हरिश? आपकी मां का नाम नहीं लिया गया, मेरी मां का नाम लिया गया।

स्पीकर का यह गुस्सा तब सामने आया जब सत्ता पक्ष और विपक्ष के बीच तीखी नोंकझोंक चल रही थी। कांग्रेस की मांग थी कि बीआरएस अध्यक्ष और नेता प्रतिपक्ष के. चंद्रशेखर राव विधानसभा में आकर स्पीकर से माफी मांगें, क्योंकि मधुसूदन ने स्पीकर पर टिप्पणी की थी। दूसरी ओर बीआरएस पक्ष, जिसका नेतृत्व हरिश राव कर रहे थे, सरकार से तीन बीआरएस महिला विधायकों से माफी मांगने की जिद कर रहा था। हरिश राव का आरोप था कि सोमवार को जब बीआरएस विधायक विधानसभा में प्रवेश करने की कोशिश कर रहे थे, तो पुलिस ने उन्हें ओंसिह तरीके से हैंडल किया और उनमें से एक की साड़ी खींच ली गई। तीखी बहस के बीच विधायी मामलों के मंत्री डी. श्रीधर बाबू ने कहा कि मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी और स्पीकर ने बीआरएस के आरोपों पर पुलिस से रिपोर्ट मांगी है और पुलिस की रिपोर्ट आने के बाद कार्रवाई की जा सकती है। कुछ कांग्रेस सदस्यों, जिनमें मंत्री अदलूरी लक्ष्मण और दानासरी 'सीताक्का' अनसूया शामिल थे, ने बीआरएस की मांगों पर सवाल उठाए और विपक्ष से माफी की मांग की। इसके जवाब में हरिश राव ने स्पष्ट किया कि मधुसूदन ने अपनी टिप्पणी वापस ले ली है और अगर उनकी बात से स्पीकर को कोई ठेस पहुंची हो तो उन्होंने खेद भी व्यक्त किया है। हालांकि कांग्रेस सदस्यों ने इसे स्वीकार नहीं किया और बीआरएस पर हमला जारी रखा। जब हरिश राव सदन के कुएं में घुसकर सबिता इंद्रा रेड्डी को बोलने की अनुमति देने की मांग करने लगे, तो स्पीकर ने सदन की कार्यवाही ब्रेक के लिए स्थगित कर दी।

# ट्रैफिक पुलिसकर्मी की ड्यूटी में बाधा डालना पड़ा भारी, एक आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। नामपल्ली पुलिस ने ड्यूटी पर तैनात ट्रैफिक पुलिसकर्मियों को रोकने, धमकाने और उनके साथ बदसलूकी करने के आरोप में एक दोपहिया वाहन चालक और उसकी पत्नी के खिलाफ मामला दर्ज किया है। पुलिस के अनुसार, यह घटना ताज आइलैंड जंक्शन, नामपल्ली में उस समय हुई, जब ट्रैफिक पुलिसकर्मी अपनी कानूनी ड्यूटी निभा रहे थे।

पुलिस के अनुसार, 7 सितंबर 2026 को एबिड्स ट्रैफिक पुलिस थाने के होमगार्ड के. रविंदर (एचजी नंबर 5841), सहायक उपनिरीक्षक वाणी श्री और होमगार्ड विजय कुमार ताज आइलैंड जंक्शन पर यातायात नियंत्रण की ड्यूटी पर तैनात थे। होमगार्ड रविंदर को यातायात नियमों के उल्लंघन को दर्ज करने के लिए विभागीय आधिकारिक कैमरा दिया गया था।

दोपहर करीब 3:30 बजे होमगार्ड रविंदर ने देखा कि दोपहिया वाहन क्रमांक टीएस 09 जीबी 5336 गांधी भवन से नामपल्ली टी-जंक्शन की ओर बिना हेलमेट के चलाया जा रहा था। नियमों के अनुसार, शिकायतकर्ता ने आधिकारिक कैमरे से यातायात उल्लंघन की तस्वीर ले ली।

पुलिस के मुताबिक, तस्वीर लिए जाने से गुस्साए चालक ने तुरंत यू-टर्न लिया और सड़क की गलत दिशा से वाहन चलाते हुए शिकायतकर्ता पुलिसकर्मी के पास पहुंच गया। ड्यूटी के दौरान चालक ने अधिकारी के साथ गाली-गलौज की और अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया।

इस दौरान चालक की पत्नी भी गाली-गलौज में शामिल हो गई और अपने मोबाइल फोन से पूरी घटना की रिकॉर्डिंग करने लगी। दोनों ने पुलिसकर्मी की ड्यूटी में बाधा डाली और उनकी सुरक्षा के लिए खतरा पैदा किया। इसके बाद दोनों उसी दोपहिया वाहन से तेज गति से वहां से फरार हो गए।

शिकायत के आधार पर नामपल्ली पुलिस ने भारतीय न्याय संहिता की धारा 132, 221 और 352 तथा धारा 3(5) के साथ-साथ मोटर वाहन अधिनियम की धारा 194-डी और धारा 184 के तहत अपराध संख्या 322/2026 में मामला दर्ज किया।

त्वरित जांच के बाद नामपल्ली पुलिस ने मुख्य आरोपी मोहम्मद रिज़वान को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस के अनुसार, 8 सितंबर 2026 को दोपहर करीब 12:30 बजे 28 वर्षीय रिज़वान, जो साइनबोर्ड का काम करता है और हैदराबाद का निवासी है, को पकड़ा गया। पुलिस ने उसके कब्जे से घटना में प्रयुक्त दोपहिया वाहन क्रमांक टीएस 09 जीबी 5336 भी जब्त कर लिया।

आरोपी को न्यायिक रिमांड के लिए माननीय अदालत के समक्ष पेश किया जा रहा है।

हैदराबाद शहर के पुलिस आयुक्त ने चेतावनी दी है कि अपनी कानूनी ड्यूटी कर रहे पुलिसकर्मियों के काम में रुकावट डालने, उन्हें डराने-धमकाने अथवा उनके कार्य में किसी भी प्रकार का हस्तक्षेप करने वालों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

पुलिस ने आम जनता से अपील की है कि वे यातायात नियमों का पालन करें और ड्यूटी पर तैनात पुलिसकर्मियों का पूरा सहयोग करें।

### बेगम बाजार मॉडर्न फिश मार्केट में मछली कचरे के प्रबंधन पर गंभीर सवाल

# रोज़ाना निकलने वाले बड़े पैमाने के कचरे का हिसाब

## संग्रहण और अंतिम निपटान बना चर्चा का विषय

**हैदराबाद, 08 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

बेगम बाजार स्थित मॉडर्न फिश मार्केट में प्रतिदिन उत्पन्न होने वाले मछली कचरे के प्रबंधन को लेकर गंभीर सवाल उठ रहे हैं। मछली के सिर, आंतें, हड्डियां, कटिंग और अन्य जैविक अवशेष बड़ी मात्रा में निकलते हैं। ऐसे में कचरे के संग्रहण, वजन, परिवहन, निपटान और संभावित व्यावसायिक उपयोग की पूरी प्रक्रिया पारदर्शी होना जरूरी है।

**कितना कचरा निकलता है, रिकॉर्ड कहां है?**

सबसे बड़ा सवाल कचरे की वास्तविक मात्रा को लेकर है। क्या बाजार से निकलने वाले मछली कचरे का प्रतिदिन वजन किया जाता है? क्या उसका कोई आधिकारिक रजिस्टर या डिजिटल रिकॉर्ड रखा जाता है? यदि रिकॉर्ड मौजूद है, तो उसकी निगरानी कौन करता है?

**कचरा उठाने वाली एजेंसी कौन?**

मार्केट से निकलने वाले कचरे को कौन-सी एजेंसी या ठेकेदार उठाता है, यह भी स्पष्ट होना चाहिए। संबंधित एजेंसी के पास वैध अनुमति या अनुबंध है या नहीं, कचरा किस वाहन से ले जाया जाता है और उसका अंतिम निपटान या प्रोसेसिंग कहां होती हैइन सभी बिंदुओं का दस्तावेजी सत्यापन आवश्यक है।

**क्या कचरे का व्यावसायिक मूल्य है?**

मछली के कुछ अपशिष्ट को प्रोसेस कर फिशमील, पशु आहार और अन्य उपयोगी उत्पादों में बदला जा सकता है। इसलिए यदि इस कचरे का किसी स्तर पर व्यावसायिक उपयोग या बिक्री होती है, तो उससे जुड़े आर्थिक लेन-देन का स्पष्ट लेखा-जोखा होना चाहिए।

सवाल यह है कि यदि ऐसा कोई लेन-देन होता है, तो कचरे की मात्रा, बिक्री मूल्य, खरीदार और प्राप्त राशि का रिकॉर्ड किसके पास है?

**GHMC की निगरानी पर सवाल**

इस मामले में GHMC और संबंधित अबिड्स सर्कल की निगरानी व्यवस्था भी महत्वपूर्ण हो जाती है। क्या नियमित निरीक्षण के दौरान कचरे की मात्रा और उसके निपटान की प्रक्रिया की जांच की जाती है? क्या कचरा उठाने वाली एजेंसी के दस्तावेजों और अंतिम निपटान स्थल का सत्यापन किया जाता है?

यदि ऐसी निगरानी व्यवस्था लागू है, तो उसके निरीक्षण रिकॉर्ड से स्थिति काफी हद तक स्पष्ट हो सकती है।

**मार्केट एसोसिएशन की भूमिका भी स्पष्ट हो**

मॉडर्न फिश मार्केट एसोसिएशन की भूमिका भी सामने आनी चाहिए। कचरे के संग्रहण, परिवहन, बिक्री अथवा निपटान में एसोसिएशन की कोई भूमिका है या नहींइस संबंध में आधिकारिक स्पष्टीकरण जरूरी है।

**इन रिकॉर्ड से खुल सकती है पूरी तस्वीर**

- दैनिक कचरा वजन एवं संग्रहण रिकॉर्ड
- कचरा परिवहन और ठेका संबंधी दस्तावेज
- अंतिम निपटान अथवा प्रोसेसिंग रिकॉर्ड
- व्यावसायिक बिक्री होने की स्थिति में वित्तीय लेखा-जोखा

इन दस्तावेजों की जांच से यह स्पष्ट हो सकता है कि बाजार से प्रतिदिन कितना कचरा निकलता है, उसे कौन उठाता है और उसका अंतिम उपयोग या निपटान कहां होता है।

**सबसे बड़ा सवाल**

रोजाना निकलने वाले मछली कचरे का वास्तविक हिसाब कौन रखता है?

और अगर इस कचरे का व्यावसायिक मूल्य हैतो उससे होने वाली संभावित आय का लाभ किसे मिलता है?

इस रिपोर्ट में उठाए गए सवालों की पुष्टि आधिकारिक रिकॉर्ड, अनुबंध दस्तावेज और संबंधित पक्षों के जवाब से की जानी आवश्यक है। संबंधित पक्ष का पक्ष प्राप्त होने पर उसे भी प्रकाशित किया जाएगा।

# मंदिर निर्माण के लिए मैनमपली हनुमंत राव ने किया सहयोग

## बिहार सहयोग समिति ने जताया आभार, सामाजिक एकता का दिया संदेश

**हैदराबाद, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।** बिहार सहयोग समिति की ओर से मलकाजगिरी स्थित इंदिरा नेहरू नगर में प्रस्तावित मंदिर निर्माण कार्य के लिए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं पूर्व विधायक मैनमपली हनुमंत राव ने सहयोग राशि भेंट की। उन्होंने मंदिर निर्माण में सहयोग प्रदान करते हुए समिति के पदाधिकारियों का उत्साहवर्धन किया। इस अवसर पर युवा कार्यकर्ता हरिश यादव की टीम तथा श्री मुरुगेश एवं उनके साथ आए नेताओं का सम्मान किया गया। मैनमपली हनुमंत राव ने कहा कि धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में सभी समाजों के लोगों का सहयोग और सहभागिता आपसी भाईचारे एवं सामाजिक एकता को मजबूत करती है।

बिहार सहयोग समिति की ओर से मैनमपली हनुमंत राव का आभार व्यक्त करते हुए कहा गया कि मंदिर निर्माण के लिए मिला सहयोग समिति के लिए महत्वपूर्ण है और इससे निर्माण कार्य को आगे बढ़ाने में सहायता मिलेगी।

समिति ने समाज के सभी लोगों से मंदिर निर्माण सहित अन्य धार्मिक एवं सामाजिक कार्यों में अपनी क्षमता के अनुसार सहयोग करने की अपील की।

इस अवसर पर राजेश खन्ना, विकास यादव, कृष्ण ठाकुर, प्राण यादव, गुलशन, राकेश रजक सहित समिति के अनेक सदस्य एवं बड़ी संख्या में महिलाएं उपस्थित रहीं।

# मारवाड़ी युवा मंच ने बच्चों को बांटी नोटबुक

**हुब्बल्ली, 8 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।**

मारवाड़ी युवा मंच हुब्बल्ली शाखा की ओर से 'आनंद सबके लिए' सेवा अभियान के तहत केशवपुर स्थित सेवा सदन में जरूरतमंद बच्चों को नोटबुक वितरित की गईं।

कार्यक्रम में क्लॉथ मर्चेंट एसोसिएशन के महामंत्री राकेश कटारिया, सेवा भारती ट्रस्ट के प्रांतीय कोषाध्यक्ष भरत जैन, शाखा अध्यक्ष अमर वैष्णव एवं प्रोजेक्ट चेयरमैन सुभाष चंद्रा डंक ने बच्चों को नोटबुक वितरित कीं।

वक्ताओं ने कहा कि शिक्षा बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की आधारशिला है और संसाधनों के अभाव में कोई बच्चा शिक्षा से वंचित न रहे, इसके लिए ऐसे सेवा कार्य आवश्यक हैं। कार्यक्रम में किरण जैन, पीयूष पालरेचा, विजयराज सिंह राजपुरोहित, महेश, बसवराज सहित मंच के सदस्य एवं गणमान्य उपस्थित रहे।

35वीं पुण्यतिथि पर
हार्दिक श्रद्धांजलि

पितृ देवता
श्री गिरधारीलालजी
अग्रवाल
हृदय की गहराईयों से आपको श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं हम।
आपकी सरलता, सद्व्यवहार को कभी न भुला पायेंगे हम।।
आज 35वीं पुण्यतिथि पर शत् शत् नमन्
सन्निविष्टकर्ता : ईश्वरलाल - कांता, विष्णुगोपाल - सरला (भतीजे - बहू),
मुकुन्दलाल अग्रवाल - संतोष, राजेन्द्र कुमार अग्रवाल - माया,
शंकरलाल अग्रवाल - अरुणा (पुत्र-पुत्रवधू) नटवर - मीनू, राधे - निशा,
रामा - पिंकी, आशीष - सारिका, राहुल - निधी, अनुज - कविता,
निखिल - खुशबु (पौत्र-पौत्रवधू) आकाश - सुमिरन (पड़पौत्र - वधू)
उज्वल, क्रिश, चिराग, पलकित, यक्षित (पड़पौत्र)
शारदा बाई, ललिता बाई (पुत्री) सरोज बाई - शिवशंकरजी अग्रवाल (पुत्री-दामाद)
नरसिंगदास आत्माराम बडागाँववाले

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.